हरिभूमि

जबलपुर
शनिवार 14 नवंबर 2026
कार्तिक मास शुक्ल पक्ष-5
वर्ष : 21, अंक : 189
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 26
न्यून. 13

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com




बहनों पर पुष्पवर्षा करते हुए

मुख्यमंत्री ने 1.24 करोड़ बहनों को अंतरित की 1831 करोड़ की सम्मान राशि

पिछोर को परिसीमन आयोग की अनुशंसा पर जिला बनाया जाएगा

लाड़ली बहनों को मिली राशि है भाईदूज का उपहार

सीएम बोले - बहनें बन रही हैं आत्मनिर्भर और खुशहाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को शिवपुरी जिले के पिछोर पहुंचे थे। उन्होंने सबसे पहले प्रदेश की 1.24 करोड़ बहनों के बैंक खातों में लाड़ली बहना योजना की 1831 करोड़ रुपए की सम्मान राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। उन्होंने 221.22 करोड़ रुपए के 121 विकास कार्यों की सौगात भी दी। मुख्यमंत्री ने पिछोर को जिला बनाने की मांग पर कहा कि उन्होंने परिसीमन आयोग का गठन किया है। इस आयोग की अनुशंसा पर पिछोर को जिला बनाया जाएगा, इसके लिए सरकार सभी जरूरी सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पिछोर में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन में बोल रहे थे।


सिंगल क्लिक से बहनों के खातों में भेजी राशि

ये है 42 वीं किस्त

मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहना योजना के तहत प्रदेश की 1 करोड़ 24 लाख 81 हजार 550 पात्र लाड़ली बहनों को 42 वीं किस्त के रूप में 1831 करोड़ रुपए से अधिक की सम्मान राशि (प्रत्येक को 1500-1500 रूपए) सिंगल क्लिक से पात्र बहनों के बैंक खातों में अंतरित कर भाईदूज का उपहार दिया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में मप्र राज्य आजीविका मिशन में कार्य कर रहे 5.5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों को भी नगद साख सीमा के रूप में सिंगल क्लिक से 200 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता राशि अंतरित की।

भोपाल सहित प्रदेश के छह दुग्ध संघों ने बढ़ाए दाम

अब सांची ने भी दिया झटका दूध 4 रुपए लीटर तक महंगा

वाणिज्य प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

रसोई का बजट अब दूध की महंगाई से भी बिगड़ने वाला है क्योंकि अब प्रमुख पैक्ड दूध ब्रांड सांची ने भी दूध की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। भोपाल सहकारी दुग्ध संघ सहित प्रदेश के छह दुग्ध संघों ने अलग-अलग श्रेणियों के दूध के दाम 1 से 4 रुपए तक बढ़ाए हैं। नई दरें शनिवार 14 नवंबर 2026 की सुबह से लागू हो गई। दुग्ध संघ ने इस संबंध में परिपत्र जारी कर दिया है। सांची डीटीएम 180 एमएल को छोड़कर लगभग सभी वैरिएंट के उपभोक्ता मूल्य संशोधित किए गए हैं।


■ गोल्ड दूध 70 का नहीं 74 रुपए का हुआ

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल पैकेज
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

टिप की वसूली: ओला पर 10 लाख जुर्माना

नई दिल्ली। कैब बुकिंग ऐप ओला पर यात्रियों से अतिरिक्त पैसे मांगने के मामले में 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ओला का संचालन करने वाली कंपनी एएनआई टेक्नोलॉजीज को यह जुर्माना लगाया है। साथ ही इसे बंद करने का आदेश दिया है।



देश के पहले एलईडी डोम तारामंडल का उद्घाटन

मैसूर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मैसूर में देश के पहले एलईडी डोम तारामंडल 'कॉसमॉस-मैसूरु' का उद्घाटन किया। भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान द्वारा निर्मित यह तारामंडल मैसूरु विवि परिसर में चामुंडी पहाड़ियों की तलहटी में स्थित है। इसमें 15 मीटर का झुका हुआ डोम और करीब 6,150 पैनल लगे हैं।



मौसमी चटर्जी के पति जयंत मुखर्जी का निधन

मुंबई। बॉलीवुड की अभिनेत्री मौसमी चटर्जी के पति और फिल्म निर्माता जयंत मुखर्जी का निधन हो गया। वह लंबे समय से उम्र संबंधी परेशानियों के चलते अस्वस्थ थे। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज के अध्यक्ष बीएन तिवारी ने उनके निधन की पुष्टि की है। जयंत ने 'मजाक', 'दो लड़के दोनों कड़के' जैसी फिल्मों का निर्माण किया था।



पीएम को खुली बहस की चुनौती के बाद राहुल का नया दांव, भाजपा का भी पलटवार

मेरा फोन टैप हो रहा, पीएम फोन की निगरानी करा रहे

फिर दी बहस की चुनौती, बोले- आमने-सामने चर्चा हुई तो प्रधानमंत्री पद पर नहीं रहेंगे मोदी

संसद में माइक बंद करने का भी लगाया आरोप

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया है कि उनका फोन टैप किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके फोन की निगरानी करा रहे हैं और उनके सभी आरोपों के सबूत फोन में मौजूद हैं। राहुल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री को आमने-सामने सार्वजनिक बहस की चुनौती देते हुए कहा कि इस चर्चा के बाद मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। इंस्टाग्राम पर आयोजित सवाल-जवाब सत्र में राहुल गांधी से पूछा गया कि जब भाजपा संसद में बहस के लिए तैयार है तो वह सार्वजनिक बहस की मांग क्यों कर रहे हैं। इस पर उन्होंने कहा कि संसद में उन्हें बोलने नहीं दिया जाता और कई बार उनका माइक बंद कर दिया जाता है।



लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का बड़ा दावा

अखिलेश बोले- यह संभव

वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने फोन टैपिंग की आशंका से इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि तकनीक के मौजूदा दौर में ऐसा संभव है। अखिलेश ने पूर्व सांसद अमर सिंह का जिक्र करते हुए कहा कि वह कई साल पहले ही फोन टैपिंग की बात कह चुके थे।

बहस से साफ हो जाएगा कौन है देशविरोधी?: राहुल ने कहा कि वह लंबी भाषणबाजी के बजाए सीधा सवाल-जवाब चाहते हैं। उन्होंने प्रस्ताव दिया कि प्रधानमंत्री एक तरफ और वह दूसरी तरफ बैठें तथा दोनों के बीच खुली बहस हो। इसके लिए गौतम अडाणी या आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत को निर्णायक बनाने पर भी उन्हें आपत्ति नहीं है।

राहुल आरोप लगाकर भागते हैं वे अपने दिमाग की जांच कराएं

किसी को राहुल का फोन टैप करने में दिलचस्पी नहीं, उनके दिमाग में चल रहे झूठ को समझने में हो सकती है रुचि



राहुल के आरोप पर भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर का पलटवार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के फोन टैपिंग के आरोप पर भाजपा ने पलटवार किया है। केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने राहुल के दावे को खारिज करते हुए उन्हें मानसिक परीक्षण कराने की सलाह दी।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि किसी को भी राहुल गांधी का फोन टैप करने में दिलचस्पी नहीं है। राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि राहुल गांधी से पूरे सम्मान के साथ वह कहना चाहते हैं कि उन्हें अपना मानसिक परीक्षण कराना चाहिए। किसी को उनके फोन की निगरानी करने की जरूरत नहीं है। अगर किसी की दिलचस्पी है भी तो यह समझने में कि उनके दिमाग में दिन-प्रतिदिन झूठ ही क्यों चलता रहता है।

राहुल का स्तर नहीं कि वे पीएम से बहस कर सकें

राहुल की चुनौती पर भाजपा नेताओं ने पलटवार किया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि संसद बहस के लिए पहले से उपलब्ध मंच है और राहुल को नेता प्रतिपक्ष के रूप में गंभीरता दिखानी चाहिए। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राहुल पर घटिया राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आरोप लगाना और फिर पीछे हटना उनकी पुरानी आदत है। उन्होंने फोन टैपिंग के आरोप को भी राजनीति का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि राहुल का स्तर नहीं कि वे पीएम से बहस कर सकें।

भगवान कृष्ण पर बयान... छिड़ा संग्राम

बागेश्वर धाम जा रहे यादव महासभा के करीब 500 समर्थक हिरासत में

हरिभूमि न्यूज ⏭ छतरपुर

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के बयान के विरोध में यादव महासभा के प्रस्तावित प्रदर्शन से शुक्रवार को छतरपुर में तनाव की स्थिति बन गई। प्रदर्शन के लिए बागेश्वर धाम जा रहे यादव महासभा के सैकड़ों समर्थकों को पुलिस ने रास्ते में ही रोककर हिरासत में ले लिया। वहीं, धीरेंद्र शास्त्री के समर्थन में बागेश्वर धाम शिष्य मंडल और सनातन एकता समिति के लोग लाठी-डंडे लेकर छतरपुर पहुंच गए।



लाठी-डंडे लेकर पहुंचे शिष्य मंडल के लोगों को पुलिस ने रोका

बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन

पीएम ने खुद खरीदा मेट्रो का 'टिकट' सीएम शिवकुमार के साथ किया सफर

3,470 करोड़ की लागत से तैयार हुआ पहला हिस्सा



एजेंसी ⏭ बेंगलुरु

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को बेंगलुरु पहुंचे। यहां उन्होंने 3,470 करोड़ रुपए की लागत से तैयार बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन के कलेना अग्रहारा से तावरेकेरे तक के हिस्से का उद्घाटन किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ मेट्रो में सफर किया।

महिला यात्री की अंगुली कटी थी

शताब्दी एक्स. में बैंडेज के एवज में टीटीई ने मांग लिए 200 रुपए



एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

शताब्दी एक्सप्रेस में सफर के दौरान एक महिला की अंगुली कटने पर उसे प्राथमिक उपचार के लिए बैंडेज तक नहीं मिल सका। यात्री की शिकायत के बाद रेलवे स्टाफ ने अगले स्टेशन पर डॉक्टर से जांच कराने की बात कही और इसके लिए 200 रुपए देने को कहा। अवधेश कौशल नाम के यात्री ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर अपना अनुभव बताया।

परीक्षा केंद्रों की निगरानी करेंगे रिटायर्ड सैन्यकर्मी

नई दिल्ली। पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ियों पर लगाम लगाने के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) बड़ा बदलाव करने जा रही है। अब जेईई, नीट, नेट और सीयूईटी जैसी बड़ी परीक्षाओं की निगरानी की जिम्मेदारी सेना और अर्धसैनिक बलों के सेवानिवृत्त जवानों को सौंपी जाएगी।



पर्व की शुरुआत नहाय-खाय से हुई

छठ पर्व का आरंभ.....चार दिन तक होगी सूर्य उपासना

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

देशभर में शुक्रवार से चार दिवसीय छठ पर्व की शुरुआत हो गई। सूर्य उपासना और संतान के सुख-समृद्धि से जुड़े इस पर्व की शुरुआत नहाय-खाय से हुई। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से मनाया जाने वाला यह पर्व अब देश के अन्य हिस्सों में भी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। छठ पर्व में व्रती शुद्धता और सात्विकता के नियमों का पालन करते हैं। नहाय-खाय के दिन स्नान के बाद चावल, चने की दाल और कद्दू की सब्जी ग्रहण की जाती है। 14 नवंबर को खरना होगा, जिसमें दिनभर उपवास के बाद गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण किया जाएगा।

15 नवंबर को संध्या और 16 को उषा अर्घ्य के साथ होगा समापन


वाराणसी में गंगा घाट पर पूजा करती महिलाएं

एसबीआई के लॉकर से गायब हुए गहने

डुप्लीकेट चाबी से खुलने का शक, हैंडल पर फिंगरप्रिंट नहीं



सीसीटीवी फुटेज जांच रही पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल के एसबीआई बैंक लॉकर नंबर 502 से पूर्व रेरा चेयरमैन एपी श्रीवास्तव और उनकी बेटियों के सोने के जेवर गायब मिले। पुलिस और फोरेंसिक टीम मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, डुप्लीकेट चाबी से लॉकर खोलने की आशंका जताई जा रही है। पर, हैंडल पर कोई फिंगर प्रिंट नहीं मिले हैं। घटना लिंक रोड नंबर-3 स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट परिसर की बैंक शाखा की है। एपी श्रीवास्तव अपनी बेटी सुरभि के साथ लॉकर खोलने पहुंचे थे।

ट्रैवलर में 40 लोग बैठे थे मृतकों में बच्चे भी

असम में भीषण सड़क हादसा

बेकाबू ट्रक ने ट्रैवलर को मारी टक्कर, 23 लोगों की मौत हुई

एजेंसी ⏭ गुवाहाटी

असम के काजीरंगा के पास शुक्रवार को भीषण सड़क हादसे में 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। हादसा गोलाघाट जिले के रोंगाजन इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-715 पर हाथीकुली टी एस्टेट के पास हुआ। यहां करीब 40 यात्रियों को लेकर जा रही ट्रैवलर की सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। ट्रैवलर ऊपरी असम के जोरहाट से गुवाहाटी जा रही थी। तेज रफ्तार के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और ट्रक से उसकी भिड़ंत हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैवलर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। राहत और बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर वाहन में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला।


हादसे के बाद का दृश्य

घायलों को पहले कोहोरा मॉडल अस्पताल ले जाया गया। बाद में गंभीर रूप से घायल यात्रियों को बेहतर उपचार के लिए जोरहाट मेडिकल कॉलेज भेजा गया। इनमें बच्चे भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने हादसे पर गहरा दुख जताया है।

आउटलुक और टीम्स बंद होने से दुनियाभर में कामकाज रुका, इंडिगो की ईमेल सेवा बाधित

74 देशों में 16 घंटे तक ठप रहीं माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं, इससे 40 लाख कारोबार प्रभावित

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट की तकनीकी खराबी ने भारत समेत दुनिया के 74 देशों में करोड़ों यूजर्स और कारोबारियों को परेशान किया। कंपनी की माइक्रोसॉफ्ट 365, आउटलुक और टीम्स जैसी सेवाएं करीब 16 घंटे तक प्रभावित रहीं। भारतीय समयानुसार गुरुवार-शुक्रवार रात करीब 12:38 बजे शुरू हुई इस समस्या का असर अमेरिका, भारत और हांगकांग सहित कई देशों में देखने को मिला। आउटेज पर नजर रखने वाली वेबसाइट डाउनडिटेक्टर पर करीब एक लाख शिकायतें दर्ज की गईं। इस तकनीकी गड़बड़ी से दुनिया के करीब 40 लाख कारोबार प्रभावित होने का अनुमान है।

इस वैश्विक आउटेज से हर घंटे करीब एक लाख अमेरिकी डॉलर का नुकसान



फाइल फोटो

सर्वर पर बढ़ा दबाव, साइबर हमले की आशंका से इनकार

माइक्रोसॉफ्ट के अनुसार कुछ सर्वर अचानक बंद होने से उनका लोड दूसरे सर्वरों पर चला गया। इससे सर्वर पर दबाव बढ़ा और कनेक्टिविटी संबंधी समस्याएं पैदा हुईं। इस बीच सोशल मीडिया पर साइबर हमले की आशंकाएं भी जताई गईं।

इंडिगो व एयर इंडिया की ईमेल सेवा प्रभावित

माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं ठप होने का असर विमानन क्षेत्र पर भी पड़ा। इंडिगो ने एडवाइजरी जारी कर बताया कि उसकी ईमेल सपोर्ट सेवा प्रभावित हुई है और कंपनी ग्राहकों के ईमेल प्राप्त नहीं कर पा रही है। एयर इंडिया ने कहा कि उसकी उड़ानों का संचालन और संचार सेवाएं प्रभावित नहीं हुई हैं। यात्रियों को निर्बाध सहायता देने के लिए कंपनी ने अस्थायी रूप से अपने ईमेल का रूट बदल दिया है। अकासा एयर ने भी यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की। हांगकांग के वित्तीय क्षेत्र में भी इस आउटेज का प्रभाव पड़ा। गोल्डमैन सैक्स और नोमुरा जैसे बड़े निवेश बैंकों के कर्मचारियों को आउटलुक पर ईमेल भेजने और प्राप्त करने में परेशानी हुई।

सूर्य उपासना और संतान के कल्याण से जुड़े महापर्व की शुरुआत

नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ छठ व्रत....4 दिन तक चलने वाले इस पर्व का खरना संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य की परंपरा के साथ किया जाएगा समापन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/ पटना

शुक्रवार से छठ पर्व की शुरुआत हो गई है। इसका धार्मिक महत्व सूर्य उपासना और संतान के कल्याण से जुड़ा है। कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को इस पर्व का मुख्य अनुष्ठान किया जाता है। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश से जुड़ी यह परंपरा अब देश के दूसरे हिस्सों तक पहुंच चुकी है। 4 दिन तक चलने वाले इस पर्व में नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य की परंपरा निभाई जाती है। मान्यता है कि सूर्य -छठी मैया की आराधना से संतान को आरोग्य, लंबी उम्र और जीवन में सफलता का आशीर्वाद मिलता है।

सात्विक भोजन की परंपरा

व्रत रखने वाली महिलाएं सुबह स्नान करने के बाद घर की साफ-सफाई करती हैं और सात्विक भोजन पकाया जाता है। इस दिन महिलाएं भोजन में मुख्य रूप से चावल, चने की दाल और कद्दू की सब्जी बनाती है।



पटना में सूर्यदेव की आराधना करतीं व्रती महिलाएं

छठ पूजा का महत्व

कार्तिक महीने में सूर्य की विशेष पूजा करने से आरोग्य और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। इस दिन व्रती भोजन करने के बाद छठ पूजा के कठिन नियमों का पालन करते हैं।नहाय-खाय के अगले दिन खरना होता है, पूरे दिन उपवास रखने के बाद शाम को गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण किया जाता है। इसके बाद लगभग 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है।

यमुना नदी में मछलियां मरने से हड़कंप

आप ने किया बवाल तो भाजपा ने पलटवार

दिल्ली में यमुना के पानी में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां मिलने से हड़कंप मच गया है। आप का दावा है पानी को साफ दिखाने के लिए उसमें केमिकल डाले गए हैं।सौरभ भारद्वाज ने सरकार से सीसीटीवी फुटेज जारी करने की मांग की है।दिल्ली सरकार में जल मंत्री और भाजपा नेता प्रवेश वर्मा ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है।

5,000 पुलिसकर्मी रहेंगे तैनात

दिल्ली में छठ पर्व के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाएगी और इसके लिए 5,000 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। यमुना घाटों, तालाबों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाएगी।

मुंबई में राज ठाकरे ने गानों पर उठाए सवाल



मुंबई । छठ पूजा और रेलवे स्टेशनों पर भोजपुरी गाने बजाने के विवाद को लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। राज ने आरोप लगाया भाजपा पूजा के नाम पर मराठी और उत्तर भारतीयों के बीच टकराव और तनाव पैदा करने की कोशिश कर रही है। ऐसी रील्स फैलाई जा रही हैं, जिनमें पूजा-पाठ को घुसपैठ को दिखाया जा रहा है।

खबर संक्षेप

जाजपुर में बस-ट्रक की टक्कर,40 पर्यटक जख्मी



जाजपुर। ओडिशा के जाजपुर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 16 पर शुक्रवार को एक खड़े ट्रक से एक बस के टकराने से पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के करीब 40 पर्यटक घायल हो गए जिनमें से 2 की हालत गंभीर है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हादसा प्रातः करीब छह बजे बडचना ओवरब्रिज के पास हुआ।

रामपुर के पूर्व मंत्री का भाजपा से इस्तीफा



शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। पूर्व मंत्री एवं रामपुर के पूर्व विधायक सिंघी राम ने भाजपा को अलविदा कह दिया है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल को अपना इस्तीफा भेज दिया है। भाजपा में खुद को सहज महसूस नहीं करने की बात कहते हुए अलग होने का निर्णय लिया है।

महादेव सट्टा एपः चंद्राकर 19 तक रिमांड पर



रायपुर। महादेव ऑनलाइन सट्टा एप मामले के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को पीएमएलए स्पेशल कोर्ट ने 19 नवंबर तक ईडी की रिमांड पर सौंप दिया है। शुक्रवार को उसे प्रोडक्शन वारंट पर हथकड़ी लगाकर रायपुर सेंट्रल जेल से कोर्ट लाया गया था। बहस के बाद कोर्ट ने ईडी के पक्ष में फैसला सुनाया। 7 दिन की ईडी रिमांड पर भेजा है।

जेईई एडवांस्ड 2027 परीक्षा की तिथि घोषित



नई दिल्ली। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजीदिल्ली ने जेईई एडवांस्ड 2027 की परीक्षा तारीख घोषित कर दी है। इस साल परीक्षा का आयोजन 23 मई 2027 को किया जाएगा। आईआईटी दिल्ली परीक्षा की आयोजन संस्था है। उम्मीदवार पोर्टल पर शर्तों और घोषणाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कर्नाटक को दी 15,000 करोड़ के प्रोजेक्ट की सौगात

मध्यम वर्ग को आर्थिक प्रगति में भागीदार बनाया जा रहा, अब ये बिजली उत्पादक बन रहे



एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु में कनेक्टिविटी और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी 15,000 करोड़ रुपएसे अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि ये परियोजनाएं कर्नाटक की विकास यात्रा को नई गति देंगी और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यपाल सुधा यादव का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके पति ने कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान दिया था। उसके बाद भी उन्होंने मां भारती की सेवा का प्रण निभाया और संसद से लेकर अब कर्नाटक में सेवाभाव से काम कर रही हैं।

परियोजनाएं विकास यात्रा को नई गति देंगी और विकसित भारत के निर्माण में योगदान

ये परियोजनाएं कर्नाटक के बुनियादी ढांचे में नई जान फूंक देंगी

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कर्नाटक की विकास यात्रा को एक नई गति देने वाला है। मेट्रो और रेलवे से जुड़ी पहलों से लेकर ऊर्जा सुरक्षा से संबंधित कार्यों तक, ये सभी परियोजनाएं कर्नाटक के बुनियादी ढांचे में नई जान फूंक देंगी।



लोगों का अभिवादन करते प्रधानमंत्री मोदी

भारत की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता अब 300 गीगावाट

पीएम मोदी ने कहा कि भारत की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता अब 300 गीगावाट को पार कर गई है। नागरिक अब सिर्फ बिजली के उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक भी बन रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि मध्यम वर्ग की बचत बढ़े, क्रय क्षमता मजबूत हो और वे अपने परिवार के सपनों के साथ देश की आर्थिक प्रगति में भी भागीदार बनें।उन्होंने सभी को नई परियोजनाओं की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये विकसित भारत के निर्माण को नई गति देंगी।

मध्यम वर्ग को किया जा रहा मजबूत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि बंगलूरू की बड़ी नव-मध्यम वर्गीय आबादी के हित भी केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। सरकार मध्यम वर्गीय परिवारों की बचत बढ़ाने और उनके हाथों में अधिक पैसा पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही है।

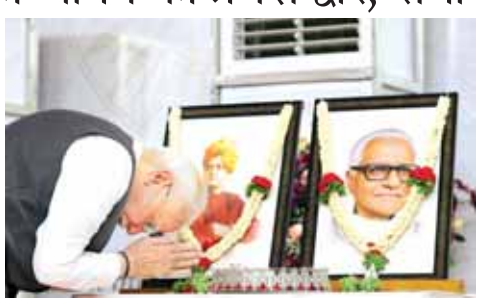
शहर की तारीफ भी की

उन्होंने कहा कि बेंगलूरू भारत की 'सिलिकॉन वैली' है। देश के आईटी निर्यात में इसका योगदान एक-तिहाई से भी अधिक है। यह शहर भारत में नवाचार और आर्थिक विकास का एक प्रमुख इंजन है।मैं इसकी सराहना करता हूं।

प्रशांति कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह में लिया हिस्सा

योग भारत को जानने का प्रवेश द्वार, सेवा के लिए सराहना की

प्रधानमंत्री ने बेंगलुरु में प्रशांति कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने 'प्रशांत कुटीरम' के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की धरती सदियों से योग का केंद्र रही है। योग से जुड़े कितने ही आचार्यों और विद्वानों ने यहां जन्म लिया है और योग की परंपरा को समृद्ध भी किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे योग की असाधारण ऊर्जा का अनुभव करने का अवसर मिला है। कर्नाटक सदियों से योग का केंद्र रहा है। यहां कई जाने-माने योग गुरुओं और विद्वानों का जन्म हुआ, जिन्होंने इस प्राचीन परंपरा को



समृद्ध किया। प्रशांति कुटीरम में जो शुरुआत हुई थी, वह अब योग शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान बन गई है। योग के साथ-साथ, आपने आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान को मिलाकर एक समग्र वेलनेस इकोसिस्टम भी विकसित किया है। तनाव से जुड़ी चुनौतियों और जीवनशैली से होने वाली बीमारियों जैसे क्षेत्रों में किए गए शोध ने दुनिया भर के लोगों की मदद की है। मैं इन उल्लेखनीय प्रयासों के लिए प्रशांति कुटीरम की सराहना करता हूं।

भारत समिट पर थरूर ने उठाए सवाल

अंतिम समय पर 115 मेहमानों की एंट्री रद्द करना शर्म की बात

यह एक फैसला, जिसे बदला नहीं जा सकता

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में हुई भारत समिट को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस द्वारा आरोप लगाया जा रहा है कि इस सम्मलेन में आने वाले करीब 115 वक्ताओं को विदेश मंत्रालय की मंजूरी के बाद रोक दिया है। केरल से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इसे देश के लिए शर्म की बात करार दिया। उन्होंने इस विदेशी मेहमानों को रोकने के इस फैसले पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह एक फैसला है, जिसे बदला नहीं जा सकता है। क्योंकि अब यह सम्मेलन हो चुका है। थरूर ने इस कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों की एंट्री पर रोक लगाने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लिखा, भारत समिट के घटनाक्रम से जुड़ी एक निराशाजनक बात सामने आई है। जब मैं हैदराबाद पहुंचा, तो मुझे पता चला कि विदेश मंत्रालय ने जिन 315 वक्ताओं को विदेश मंत्रालय ने मंजूरी दी थी, उनमें से 115 को भारत में प्रवेश करने पर रोक दिया गया या उनके वीजा रद्द कर दिए गए।

यह फैसला गलत रहा



गौरवशाली लोकतंत्र इतना असुरक्षित हो गया

थरूर ने जोर देकर पूछा कि आखिर गृह मंत्रालय ने किस नियम के आधार पर इन विदेशी नागरिकों की एंट्री को रोका है? उन्होंने लिखा, ऐसा लगता है कि यह सब गृह मंत्रालय के निर्देशों पर हुआ है। यह बिल्कुल साफ नहीं है कि आखिर गृह मंत्रालय ने किन नियमों के आधार पर इतना कठोर कदम उठाया है। लेकिन अब इसे पलटना नामुमकिन है क्योंकि यह सम्मेलन हो चुका है। कांग्रेस सांसद थरूर ने जोर देकर कहा कहा कि यह कितने शर्म की बात है कि एक गौरवशाली लोकतंत्र इतना असुरक्षित हो गया है कि उसे उन आवाजों को दबाना पड़ रहा है, जिनसे उसे आलोचना का डर है।

70 से देशों के प्रतिनिधि होंगे शामिल

हैदराबाद में आयोजित इस कार्यक्रम में 70 से देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेने वाले हैं। 13 और 14 नवंबर को होने वाले इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई बड़े नेता शामिल होंगे। इसके अलावा इसमें करीब 315 विदेशी मेहमान भी शामिल होने थे, लेकिन अंतिम समय पर 113 की भारत में एंट्री रद्द कर दी गई। जिन लोगों की भारत में एंट्री को रोका गया है उनमें पीएम मोदी से चिल्लाकर सवाल पूछने वाली नार्वेजियन पत्रकार हेले लिंग भी शामिल थीं।

बागपत के दोघट में 2 पक्षों में बवाल

पुलिस पर पथराव, 12 घायल 54 पर रिपोर्ट और 18 गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ बागपत

दोघट कस्बे की पट्टी तिरोसिया में शराब के नशे में कहासुनी होने पर अनुज कश्यप और सावन कश्यप पक्ष आपस में भिड़ गए। इनमें लाठी-डंडे, धारदार हथियार चले और पथराव हो गया। लोगों ने घरों में घुसकर जान बचाई। पुलिसकर्मियों ने मामला शांत कराने का प्रयास किया तो उन पर भी पथराव किया गया। 3महिलाओं समेत 12 लोग घायल हो गए। 34 नामजद और 20 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर 18 को गिरफ्तार कर लिया।



पुराने विवाद पर फिर उलझे

पट्टी तिरोसिया निवासी अनुज और सावन पक्ष में 10 दिन पहले झगड़ा हो गया था, जिसे लोगों ने शांत करा दिया था। बुधवार रात अनुज दुकान से घर जा रहा था। रास्ते में सावन के साथ पुराने झगड़े को लेकर कहासुनी हो गई।

सीएम विजय की सुरक्षा में बड़ी कमी

पुलिस का घेरा तोड़ मुख्यमंत्री तक पहुंचा 'अज्ञात' गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की सुरक्षा में शुक्रवार को बड़ी कमी सामने आई, जब चेन्नई के कोलाथुर में उनके अचानक किए गए रोड वॉक के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति सुरक्षा घेरा तोड़कर तेजी उनकी तरफ बढ़ने लगा। मुख्यमंत्री के आसपास मौजूद सुरक्षाकर्मियों में कुछ पल के लिए अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षा में तैनात जवानों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उस व्यक्ति को पकड़ लिया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।



वह रोड वॉक में घुसा

विजय काफिले से नीचे उतरे और लोगों के बीच रोड वॉक करने लगे। विजय के साथ मंत्री के जगदेश्वरी भी चल रही थीं। इसी बीच अज्ञात व्यक्ति भीड़ से निकलकर मंत्री के पास से तेजी से आगे बढ़ा और मंत्री की ओर बढ़ने लगा।

सीजेआई ने सुनाया पुराना किस्सा

तीन जजों ने मुझे बुलाया, आप ही सूर्यकांत हैं?

सीनियर जज की एक सलाह और डांट ने हमारी जिंदगी की दिशा बदल दी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान अपने शुरुआती करियर से जुड़ा एक पुराना और प्रेरणादायक किस्सा साझा किया। सीजेआई ने बताया कि एक पुरानी कहावत है कि जज को उसके फैसलों से जाना जाता है। इसी से जुड़ा किस्सा बताते हुए उन्होंने याद किया कि कैसे एक बार सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों ने उन्हें बुलाया था और पूछा था- क्या आप ही सूर्यकांत हैं? इसी बात ने मेरी जिंदगी ही बदल दी।



झालसा के 'प्रोजेक्ट शिशु' की सराहना की

कोरोना में हुए अनाथ बच्चों का बना था सहारा

रांची। झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के प्रोजेक्ट शिशु के तहत राज्य के करीब दो हजार बच्चों की देखभाल की जा रही है। इसके तहत उन बच्चों को पढ़ाई से लेकर सारी सुविधाएं दी जा रही हैं, जिनके माता-पिता कोरोना काल में अपनी जान गंवा चुके हैं।18 साल तक सभी बच्चों को 4 हजार रुपए प्रतिमाह खाते में पैसे भेजे जाते हैं। हर माह इन बच्चों की पढ़ाई, छात्रवृत्ति, मेडिकल रिपोर्ट तैयार की जाती है। इसकी रिपोर्ट भी झालसा को भेजी जाती है। उन्होंने कहा है कि इस तरह का प्रोजेक्ट पूरे देश में चलाया जाना चाहिए। झालसा की पहल बहुत ही सराहनीय है। इससे अनाथ बच्चों को पढ़ाई और स्वास्थ्य सुधार में मदद मिल रही है।

मौसम विभाग ने फिर जारी की चेतावनी

सभी लोग हो जाएं सावधान

अब एक और चक्रवाती तूफान आ रहा, कई राज्यों में होगी भारी बारिश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके 14 नवंबर को एक कम दाब के क्षेत्र और 15 नवंबर को डिप्रेशन में बदलने की संभावना है।

इसके बाद, उत्तर पश्चिम दिशा की ओर बढ़ेगा और 16 नवंबर की शाम के आसपास मध्य बंगाल के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। यह तीसरा चक्रवाती तूफान होगा। कई राज्यों में भारी बारिश और तूफान की आशंका है।

आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा में होगी बरसात



तूफान से आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा जैसे राज्यों में भारी बारिश होगी। 15 नवंबर और 16-19 नवंबर के बीच तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल, माहे, 19 नवंबर तक लक्षद्वीप, 14-19 नवंबर के बीच तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, रायलसीमा में बारिश होगी।

ओडिशा में सतर्क किया

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने 16 नवंबर को शाम में बंगाल की खाड़ी में एक चक्रवाती तूफान उठने के मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के बाद शुक्रवार को राज्य के तटीय और दक्षिणी हिस्सों के जिलाधिकारियों को सतर्क किया है।

महाराष्ट्र में एनसीपी के दोनों गुटों के विलय पर सियासत गरम

सुनेत्रा के घर पर एनसीपी विधायकों ने की मंत्रणा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के विलय को लेकर एक बार फिर चर्चाएं तेज हैं। इसी बीच उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के पुणे स्थित आवास पर पार्टी के कई विधायकों की मुलाकात हुई। इस बैठक के बाद महाराष्ट्र सरकार के मंत्री दत्तात्रय भरणे ने विलय की अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि विधायकों की मुलाकात का मकसद राजनीतिक चर्चा करना नहीं, बल्कि अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में सूखे की स्थिति और उससे निपटने के उपायों पर बात करना था।

सरकार के मंत्री दत्तात्रय भरणे ने विलय की अटकलों को खारिज किया

अन्य मुद्दों पर बैठक में की चर्चा: पार्टी के मंत्री

भरणे ने सुनेत्रा के आवास 'जिजाई' पर हुई मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि एनसीपी की ओर से विलय को लेकर कोई बैठक नहीं बुलाई गई थी। कुछ विधायक पुणे में मौजूद थे और उन्होंने सुनेत्रा से मुलाकात की। इस दौरान मुख्य रूप से सूखे के कारण पैदा हुई समस्याओं, किसानों की जरूरतों और विधानसभा क्षेत्रों में किए जाने वाले जरूरी कामों पर चर्चा हुई। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी के विधायकों में किसी तरह की नाराजगी नहीं है और सभी सुनेत्रा के नेतृत्व के साथ खड़े हैं।



सुनेत्रा पवार

सुले ने विलय को किया खारिज

राजनीति में राकांपा के दोनों गुटों के विलय की अटकलों के बीच सुप्रिया सुले ने विलय की संभावनाओं को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा यह अध्याय उनके भाई अजित पवार के निधन के साथ ही समाप्त हो गया था। एनसीपी की कार्यकारी अध्यक्ष सुले ने कहा कि विलय के लिए किसी ने संपर्क नहीं किया है।



इनकार के बावजूद राजनीति में हलचल

अजित के निधन के बाद एनसीपी अध्यक्ष और महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री बनीं सुनेत्रा पवार ने बारामती में विलय की अटकलों पर सीधे जवाब देने से बचते हुए कहा था कि समय आने पर सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। सुप्रिया के इनकार के बावजूद महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल जारी है।

पीएम मोदी की अपील का दिखा असर

लद्दाख की खूबसूरत वादियों में उमड़े सैलानी 10 महीने में रिकॉर्ड 66 फीसदी पर्यटक बढ़े

एजेंसी ▶▶ लेह

लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शुक्रवार को कहा कि इस केंद्र शासित प्रदेश में पर्यटकों की आमद में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है तथा 2026 के पहले 10 महीनों में यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 65.90 प्रतिशत बढ़ी है। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि लद्दाख में जनवरी से अक्टूबर 2026 के बीच 4.91 लाख पर्यटक आए, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या 2.96 लाख थी।

उपराज्यपाल ने पर्यटकों की संख्या में वृद्धि का श्रेय घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने की पीएम नरेंद्र मोदी की अपील और स्थानीय पर्यटन उद्योग को मजबूत करने के उद्देश्य से उनके प्रशासन की लक्षित नीतिगत पहलों को दिया। उन्होंने कहा कि पर्यटकों की संख्या में वृद्धि से रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं

- इस साल 4.9 लाख पर्यटक आए टूटा रिकॉर्ड
- पिछले साल की तुलना में मई माह में 121% वृद्धि


सिंधु दर्शन करते पर्यटक

अक्टूबर में पहुंचे 30,623 पर्यटक

विनय सक्सेना ने कहा कि लद्दाख में इस साल लगातार छठे महीने पर्यटन क्षेत्र में असाधारण वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2025 के इसी महीनों की तुलना में 2026 में पर्यटकों की आमद में मई में 121 प्रतिशत, जून में 43 प्रतिशत, जुलाई में 56 प्रतिशत, अगस्त में 65 प्रतिशत और सितंबर में 61 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि अक्टूबर में भी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि का सिलसिला जारी रहा। इस महीने 30,623 पर्यटक लद्दाख पहुंचे, जबकि पिछले साल अक्टूबर में यह संख्या 17,537 थी।

रोजगार के नए अवसर पैदा हुए



पर्यटकों की संख्या में वृद्धि से स्थानीय समुदायों के लिए नए रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। यह उनकी स्थायी आजीविका का भी समर्थन कर रहा है। उपराज्यपाल ने सभी यात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया है। उन्होंने लद्दाख की अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति का अनुभव करने का आग्रह किया। साथ ही, उन्होंने जिम्मेदार पर्यटन का अभ्यास करने पर भी जोर दिया।



असीम शांति और शुद्ध वातावरण का अनुभव करें

विनय सक्सेना ने एक अन्य पोस्ट में अपनी तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि लेह में वायु गुणवत्ता सूचांक 1 से 25 रहता है। दिन का तापमान 1 से 4 डिग्री सेल्सियस है। इस साफ और ताजी हवा, सुनहरे नजारे, चमकती नदियां और चोटियों पर बिछी ताजी बर्फ की चादर - पतझड़ ने लद्दाख में अपना जादुई असर बिखेर दिया है।

स्थानीय पर्यटन उद्योग मजबूत

उपराज्यपाल ने पर्यटकों की संख्या में वृद्धि का श्रेय घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने की पीएम नरेंद्र मोदी की अपील और स्थानीय पर्यटन उद्योग को मजबूत करने के उद्देश्य से उनके प्रशासन की लक्षित नीतिगत पहलों को दिया।

खबर संक्षेप

मणिपुरः 2 महिलाओं समेत 4 की हत्या

इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने दो गाड़ियों पर गोलीबारी की। इसमें चार लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना इंफाल-उखरुल सड़क पर न्यू हेवन इलाके में हुई। यहां हथियारबंद उग्रवादियों ने दो चारपहिया वाहनों पर गोलियां चलाईं। दोनों कारों में सफर कर रहे दो पुरुषों और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों गाड़ियों के सामने वाले शीशों पर गोलियों के निशान मिले। एक दिन पहले कांगपोकपी जिले के ताफू कुकी गांव के पास दो गुटों के बीच गोलीबारी हुई थी।



जाकिर के फाउंडेशन पर बैन 5 साल और बढ़ा

नई दिल्ली। भारत सरकार ने जाकिर नाइक के नेतृत्व वाली 'इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन' (आईआरएफ) पर लगे प्रतिबंध को और पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। इसे एक 'गैर-कानूनी संगठन' माना गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को इसके संबंध में अधिसूचना जारी की। इसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार का यह मानना है कि इसकी गतिविधियों को देखते हुए आईआरएफ को तत्काल प्रभाव से एक 'गैर-कानूनी संगठन' घोषित करना जरूरी है।



पीओके में यात्री वाहन नदी में गिरा, 11 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में एक यात्री वाहन के नदी में गिरने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह हादसा गुरुवार शाम उस समय हुआ, जब वाहन गिलगित से गिजर जिले की यासीन घाटी जा रहा था। मोरकाह पुल के पास चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा, जिसके कारण वाहन यासीन नदी में जा गिरा। बचाव दल ने दो महिलाओं सहित 10 यात्रियों के शव बरामद किए और एक बच्चे सहित तीन घायल यात्रियों को बचाया।



किश्तवाड़ में 2 एसपीओ की हत्या का मामला

3 आतंकियों के पोस्टर जारी कुल 30 लाख रुपए का इनाम

पहचान गोपनीय रखने का भरोसा | हिजबुल कमांडर सरूरी पर शक

हेलिकॉप्टर ड्रोन से तलाश जारी



तीन आतंकियों के पोस्टर जारी

एजेंसी ▶▶ किश्तवाड़

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) की हत्या के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। किश्तवाड़ पुलिस ने शुक्रवार को तीन आतंकियों के पोस्टर जारी किए हैं।

इनमें मोहम्मद अमीन उर्फ जहांगीर सरूरी, रियाज अहमद उर्फ हजारी और मुदस्सिर हुसैन शामिल हैं। पुलिस ने तीनों की गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना देने वाले को कुल 30 लाख रुपए का नकद इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस के मुताबिक, तीनों आतंकियों पर एसपीओ की हत्या में शामिल होने का आरोप है। आम लोगों से उनकी गतिविधियों और ठिकानों के बारे में जानकारी देने की अपील की गई है।

खुलासा: आतंकियों ने दागी थीं आर्मर-पियर्सिंग गोलियां

इस मामले में जांच के दौरान मिले सबूतों से यह खुलासा हुआ है कि आतंकवादियों ने इस वारदात को अंजाम देने के लिए बेहद घातक आर्मर-पियर्सिंग गोलियों का इस्तेमाल किया था। ये गोलियां इतनी शक्तिशाली थीं कि उन्होंने ड्यूटी पर तैनात सीआरपीएफ जवानों के बॉडी आर्मर (बुलेटप्रूफ जैकेट) को भी भेद दिया। इसी वजह से सुरक्षा कवच पहने होने के बावजूद जवानों को गंभीर चोटें आईं। शुरुआती फॉरेंसिक और बैलिस्टिक जांच में इस बात की भी पुष्टि हुई है कि हमलावरों ने इस हमले में एके-47 राइफलों का उपयोग किया था।

आतंकियों की तलाश जारी

आतंकियों की तलाश में दच्छन के दुर्गम और घने जंगलों में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। कियार से धरना-मरवाह तक के रास्ते की घेराबंदी कर अतिरिक्त जवान तैनात किए गए हैं। सुरक्षा बल तलाशी अभियान में हेलिकॉप्टर, ड्रोन कैमरों और खोजी कुत्तों की मदद ले रहे हैं। हमलावरों की संभावित आवाजाही और छिपने के ठिकानों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

क्या 'हनी ट्रैप' का शिकार हुए जेनसन हुआंग? या पर्दे के पीछे कुछ और कहानी

एनवीडिया को खरीदेंगे एलन मस्क! हुआंग को दिया अपनी कंपनी में नौकरी का प्रस्ताव

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के सबसे प्रभावशाली प्रौद्योगिकी क्षेत्र के दिग्गजों में शुमार एनवीडिया के संस्थापक और पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसन हुआंग को विवाहेतर संबंधों से जुड़े विवाद के बाद अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा है। इस पूरे घटनाक्रम ने जासूसी की एक सदियों पुरानी रणनीति 'हनी ट्रैप' यानी प्रेमजाल के जरिये किसी को फंसाकर उससे गोपनीय सूचनाएं हासिल करने के हथकंडे की ओर भी दुनिया का ध्यान खींचा है।

मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, हुआंग के सिंगापुर में रहने वाली कारोबारी अधिकारी एलिस हुआंग और दूसरी महिला किम्बर्ली पॉवेल जो एनवीडिया की हेल्थकेयर विभाग की उपाध्यक्ष हैं और सीधे हुआंग के अधीन काम करती थीं के साथ विवाहेतर संबंध थे। एलिस पर चीन की खुफिया एजेंसियों से कथित संबंध होने का संदेह जताया गया है।

अब उनके इस्तीफे के एक दिन बाद एक नई जांच में खुलासा हुआ है कि हुआंग के एनवीडिया की एक और कर्मचारी के साथ करीबी संबंध थे। इसके साथ ही 63 साल के हुआंग के ऐसे कथित संबंधों की संख्या कम से कम तीन हो गई है। हालांकि, ये सभी खबरें मीडिया की रिपोर्ट पर आधारित हैं। हुआंग ने अभी तक किसी भी महिला के नाम की पुष्टि नहीं की है।

एनवीडिया के बड़े निवेशक लियो कोगुआन ने बिना किसी सबूत के इस पूरे घटनाक्रम को हुआंग और कंपनी के खिलाफ एक 'बड़ी साजिश' करार दिया है। लियो कोगुआन एक इंडोनेशियाई मूल के चीनी-अमेरिकी अरबपति निवेशक और व्यवसायी हैं, जो वर्तमान में सिंगापुर में रहते हैं। उन्होंने एनवीडिया में लगभग 1.3 अरब डॉलर का निवेश किया है

एनवीडिया एक देश होता तो अर्थव्यवस्था में चौथे स्थान पर होता

चीन ने जासूसी के आरोपों को बेबुनियाद बताया


एलन मस्क और जेनसन हुआंग फाइल फोटो

पूरा घटनाक्रम हुआंग के खिलाफ 'बड़ी साजिश'

एनवीडिया के बड़े निवेशक लियो कोगुआन ने बिना किसी सबूत के इस पूरे घटनाक्रम को हुआंग और कंपनी के खिलाफ एक 'बड़ी साजिश' करार दिया है। लियो कोगुआन एक इंडोनेशियाई मूल के चीनी-अमेरिकी अरबपति निवेशक और व्यवसायी हैं, जो वर्तमान में सिंगापुर में रहते हैं। उन्होंने एनवीडिया में लगभग 1.3 अरब डॉलर का निवेश किया है। वहीं, चीनी विदेश मंत्रालय ने इस हफ्ते की शुरुआत में जासूसी के आरोपों को 'बेबुनियाद' बताया और कहा कि ये बीजिंग के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा हैं। जिस मेगास्पीड कंपनी में एलिस हुआंग थी उस कंपनी ने भी जासूसी के आरोपों का खंडन किया है।



5 ट्रिलियन की कंपनी है एनवीडिया

वर्तमान में एनवीडिया का मार्केट कैपिटलाइजेशन करीब 5 ट्रिलियन डॉलर (करीब 450 लाख करोड़ रुपए से अधिक) है। यह दुनिया की सबसे मूल्यवान टेक कंपनियों में से एक है। यह कंपनी आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस (एआई) और चिप निर्माण की बढ़ती मांग के कारण 4 ट्रिलियन और फिर 5 ट्रिलियन का आंकड़ा पार करने वाली इतिहास की पहली कंपनी बनी है। वर्तमान में एनवीडिया का मार्केट कैप लगभग 5.0 से 5.7 ट्रिलियन डॉलर के बीच है।

कई देशों की जीडीपी से अधिक

एनवीडिया का मार्केट कैप अमेरिका, चीन और कुछ मामलों में जर्मनी को छोड़कर दुनिया के लगभग हर देश की सालाना जीडीपी से ज्यादा है। यह जर्मनी, जापान, ब्रिटेन, फ्रांस और भारत जैसी दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से आगे निकल चुका है या उनके बराबर है। यदि इसे अलग-अलग छोटे या मध्यम आकार के देशों की जीडीपी से जोड़ा जाए, तो इसका मूल्यांकन दुनिया के 190 से अधिक देशों की कुल अर्थव्यवस्थाओं से भी अधिक बैठता है। अगर एनवीडिया एक देश होता, तो दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के बराबर होता।

मार्केट कैप 1 नवंबर को

देश	जीडीपी (जीडीपी ट्रिलियन डॉलर में)
अमेरिका	30.8
चीन	19.5
जर्मनी	05.1
एनवीडिया	05.0
जापान	04.4
यूके	04.0
भारत	04.0
फ्रांस	03.4
रूस	02.6
इटली	02.6
कनाडा	02.3

एआई क्षेत्र में धीमी होगी गति

'फॉरेस्टर' की समूह अनुसंधान निदेशक स्टेफनी बेलौरस ने कहा कि एनवीडिया का नया नेतृत्व अगर कंपनी के शेयर, वित्तीय साझेदारियों या उसके कारोबारी पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ी प्रतिबद्धताओं पर लगातार दबाव बना रहता है, इससे एआई क्षेत्र में आए उछाल के काफी कमजोर स्थिति में होने के संकेत मिलेंगे।

भारत-श्रीलंका के बीच 'मित्र शक्ति-2026' शुरू



नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास 'मित्र शक्ति 2026' के 12वें संस्करण में हिस्सा लेने के लिए 170 सदस्यीय भारतीय रक्षा बलों का दल शुक्रवार को श्रीलंका रवाना हुआ। यह सैन्य अभ्यास 13 से 26 नवंबर तक श्रीलंका के मदुरु ओया स्थित आर्मी ट्रेनिंग स्कूल में आयोजित किया जाएगा। भारतीय दल में मुख्य रूप से राजपूताना राइफल्स की एक बटालियन के जवान शामिल हैं। इसके अलावा सेना की अन्य शाखाओं और सेवाओं के सैनिकों तथा भारतीय वायुसेना के कर्मियों को भी इस दल में शामिल किया गया है।

भारत-इटली अनुसंधान में बढ़ाएंगे साझेदारी

एआई, स्वच्छ ऊर्जा और जैव चिकित्सा क्षेत्र पर रहेगा ध्यान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और इटली ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और संयुक्त अनुसंधान एवं नवाचार पहलों को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है।

इसके तहत 2027 में संयुक्त अनुसंधान के लिए नई प्रस्ताव आमंत्रण प्रक्रिया शुरू करने की योजना है। सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग, स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत जैव प्रौद्योगिकी और जैव चिकित्सा अनुसंधान शामिल होंगे। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने इटली की विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान मंत्री अन्ना मारिया बर्निनी के साथ द्विपक्षीय बैठक की।


जितेंद्र सिंह और अन्ना बर्निनी

भारत-इंडोनेशिया के बीच जेडब्ल्यूजी की बैठक

आतंकवाद से निपटने द्विपक्षीय सहयोग को देंगे और मजबूती

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और इंडोनेशिया के बीच आतंकवाद से निपटने के लिए गठित संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की सातवीं बैठक यहां आयोजित की गई। बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (काउंटर टेररिज्म) डॉ. सुहेल अजाज खान और इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक एजेंसी (बीएनपीटी) के अंतरराष्ट्रीय सहयोग उपप्रमुख डियोनिसियस एल्वान स्वासोनो ने की। दोनों देशों के संबंधित विभागों और एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भी बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदार के रूप में आतंकवाद की रोकथाम और उससे मुकाबले में द्विपक्षीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया।


डॉ. खान और डियोनिसियस स्वासोनो

भारत पहुंची ईयू रक्षा समिति की अध्यक्ष

भारत व यूरोपीय संघ के बीच सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा


मैरी जिम्मरमैन और राजेश सिंह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच रक्षा एवं सुरक्षा साझेदारी को और मजबूत करने तथा रक्षा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने दिल्ली में यूरोपीय संसद की रक्षा एवं सुरक्षा समिति की अध्यक्ष मैरी एग्नेस स्ट्रैक जिम्मरमैन से मुलाकात की।

इस दौरान दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, यह मुलाकात 12 नवंबर को रक्षा मंत्रालय में हुई। बातचीत में भारत और यूरोपीय संघ के बीच विकसित हो रही रक्षा एवं सुरक्षा साझेदारी पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही रक्षा-औद्योगिक सहयोग की उन संभावनाओं पर चर्चा हुई, जिनका अभी पूरी तरह उपयोग नहीं हो पाया है।

पूर्व सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का बड़ा खुलासा

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 427 जिलों में सक्रिय था सिविल डिफेंस नेटवर्क

निजी सुरक्षा एजेंसियां और नागरिक सुरक्षा नेटवर्क की भूमिका अहम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पूर्व सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर में मदद के लिए 7 मई को देश भर के करीब 427 जिलों में नागरिक सुरक्षा नेटवर्क (सीडीएन) को सक्रिय किया गया था। उन्होंने कहा कि सक्रियता व्यापक तैयारियों का हिस्सा थी। इससे भारत को रणनीतिक रूप से मदद मिली। उन्होंने कहा कि इस देश की सुरक्षा सिर्फ नियंत्रण रेखा पर ही नहीं, बल्कि सुबह तीन बजे एक बिजली संयंत्र के गेट पर भी तय होती है। ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया कि आप अगले युद्ध में भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।


पूर्व सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी

कई मोर्चों पर एक साथ किया काम

पूर्व सेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की वायु रक्षा प्रतिक्रिया की प्रभावशीलता किसी एक हथियार या प्रणाली का परिणाम नहीं थी, बल्कि कई परतों के एक साथ काम करने का परिणाम थी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में ड्रोन को रोकने वाला कोई एक हथियार नहीं था। यह परतें थीं, एक संगठन के सेंसर, दूसरे के जैमर और तीसरे की बंदूकें, सभी एक फ्रेम में जुड़े हुए थे।

निजी सुरक्षा कर्मी संदिग्ध गतिविधियों का पहला सेंसर

उन्होंने कहा कि इसी सिद्धांत को भारत की आंतरिक सुरक्षा वास्तुकला का मार्गदर्शन करना चाहिए, जिसमें निजी सुरक्षा कर्मी पहचान की पहली परत के रूप में काम करते हैं। निजी सुरक्षा कर्मियों को देश का सबसे बड़ा संभावित मानव सेंसर नेटवर्क बताते हुए उन्होंने उन्हें देश का पहला सेंसर कहा जो संदिग्ध गतिविधि का पता लगाने और जमीन से महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी प्रदान करने में सक्षम है।

आंतरिक सुरक्षा में अहम सीडीएन

भारत में नागरिक सुरक्षा नेटवर्क (सिविल डिफेंस नेटवर्क) एक स्वयंसेवी और समुदाय-आधारित व्यवस्था है, जिसका उद्देश्य युद्ध, बाहरी आक्रमण, प्राकृतिक आपदाओं या अन्य आपातकालीन परिस्थितियों के दौरान नागरिकों की रक्षा करना, जान-माल के नुकसान को कम करना और देश की आंतरिक व्यवस्था को बनाए रखना है। इसका गठन युद्ध के समय देश की आंतरिक व्यवस्था में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो व नागरिकों का मनोबल बना रहे इस उद्देश्य से किया गया है।

युद्ध बुनियादी ढांचे पर भी होंगे

उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्ध केवल सीमाओं पर ही तय नहीं होंगे बल्कि बिजली संयंत्रों, औद्योगिक संस्थाओं, खदानों, अस्पतालों और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के द्वार पर भी होंगे। ऐसे समय में निजी सुरक्षा एजेंसियां और नागरिक सुरक्षा नेटवर्क देश को भविष्य के संघर्षों के लिए तैयार करने में समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

निर्वाचन सदन में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित

मतदाता सूची का हुआ प्रारूप प्रकाशन, मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को होगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

- 127 नए मतदान केंद्र बने, 21 विलोपित - युक्तियुक्तकरण के बाद बढ़ी संख्या
- 1 जनवरी 2027 को 18 साल पूरे करने वाले युवा कराएं नाम दर्ज, प्रक्रिया निःशुल्क

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मप्र में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत आज 12 नवंबर को प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों की प्रारूप फोटो निर्वाचक नामावली का प्रकाशन किया गया। प्रारूप मतदाता सूची निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के कार्यालयों के साथ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश की वेबसाइट ceoelection.mp.gov.in पर भी उपलब्ध है।



राजनीतिक दलों को दी गई सूची की सॉफ्ट कॉपी

इस संबंध में राज्य एवं जिला स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय बैठक में आम आदमी पार्टी से राघव पटेल, बहुजन समाज पार्टी से एडवोकेट सुधीर उबनारे, भारतीय जनता पार्टी से एसएस उप्पल तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जेपी धनोपिया एवं ललित सेन उपस्थित रहे। प्रतिनिधियों को फोटो रहित निर्वाचक नामावली की सॉफ्ट कॉपी हार्ड डिस्क के माध्यम से उपलब्ध कराई गई।

12 नवंबर से 11 दिसंबर तक दावे-आपत्तियां प्राप्त होंगी

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचक नामावली का प्रारूप प्रकाशन 12 नवंबर 2026 को किया गया है। दावे एवं आपत्तियां 12 नवंबर से 11 दिसंबर तक प्राप्त की जाएंगी। इसके लिए 21 एवं 22 नवंबर तथा 5 एवं 6 दिसंबर को विशेष अभियान आयोजित किए जाएंगे। विशेष अभियान के लिए अवकाश के दिनों का चयन किया गया है ताकि नागरिकों को सुविधा रहे। प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर तक किया जाएगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को होगा।

प्रदेश में अब 72 हजार 36 मतदान केंद्र

मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के तहत प्रदेश में 127 नवीन मतदान केंद्र जोड़े गए हैं, जबकि 21 मतदान केंद्र विलोपित किए गए हैं। इस प्रकार अब प्रदेश में कुल मतदान केंद्रों की संख्या 72 हजार 36 हो गई है। नाम जुड़वाने एवं ईपिक कार्ड प्राप्त करने की प्रक्रिया निःशुल्क है। मतदाता सूची से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए निर्वाचन हेल्पलाइन नंबर 1950 पर कार्यालयीन समय में संपर्क किया जा सकता है।

18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा कराएं नाम दर्ज

निर्वाचन विभाग की ओर से सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से प्रत्येक मतदान केंद्र पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने तथा पुनरीक्षण कार्य में सक्रिय सहयोग करने की अपील की गई है। साथ ही ऐसे सभी युवा, जिनकी आयु 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही है, उनसे मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की अपील की गई है। इसके लिए संबंधित बीएलओ से संपर्क किया जा सकता है। मतदाता वोटर हेल्पलाइन ऐप एवं वोटर पोर्टल (https://voters.eci.gov.in) के माध्यम से भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

स्वच्छता से जुड़ा यह उद्योग हमारी सामाजिक जिम्मेदारी का बनेगा प्रतीक

सीएम ने जर्मनी के बेनेकोर समूह की हाइजीन नॉनवोवन मटेरियल निर्माण इकाई का किया शुभारंभ, मिलेगा रोजगार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

- मप्र ने औद्योगिक विकास में बनाई अपनी नई पहचान
- सरकार और उद्योग समूहों के एक साथ काम करने से क्षमताएं बढ़ती हैं कई गुना
- संयंत्र के पहले चरण में 160 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है
- भोपाल के अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित हुई इकाई

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार और उद्योग जब एक साथ मिलकर काम करते हैं, तो उनकी क्षमता कई गुना बढ़ जाती है। इसी का परिणाम है कि जर्मनी के बेनेकोर समूह के संयंत्र का अगस्त 2024 में भूमि-पूजन हुआ था और सिर्फ दो साल में उत्पादन शुरू हो गया। राज्य सरकार जो कहती है, वो करती है और समय पर करती है। इससे औद्योगिक विकास के क्षेत्र में मप्र की नई पहचान बनी है।

सीएम डॉ. यादव गुरुवार को बेनेकोर प्रायवेट लिमिटेड के भोपाल के अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित संयंत्र के शुभारंभ कार्यक्रम को नई दिल्ली से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का शुभारंभ जर्मनी की तकनीक और भारत की लगभग सौ साल पुरानी विरासत की साझेदारी है। संयंत्र के पहले चरण में 160 करोड़ का निवेश है, 300 करोड़ सालाना कारोबार की क्षमता है, इससे बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा। यहां माताओं-बहनों और बच्चों की स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़ी सामग्री का निर्माण होगा, यह उद्योग आर्थिक गतिविधियों के साथ-साथ हमारी सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक बनेगा।



हाइजीन नॉनवोवन मटेरियल निर्माण शुभारंभ करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

संयंत्र पर्यावरण अनुकूल, पानी का नहीं होगा अपव्यय

संयंत्र में डायपर और सैनिटरी नैपकिन में उपयोग होने वाला हाइजीन नॉनवोवन मटेरियल तैयार किया जाएगा। अब तक यह मटेरियल बाहर से मंगाना पड़ता था, अब यह देश में ही बनेगा, यह उत्पादन आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मजबूत कदम होगा। संयंत्र पर्यावरण के अनुकूल है, इसमें बॉयलर नहीं है, पानी की बर्बादी बहुत कम होगी, संयंत्र ग्रीन बिल्डिंग मानकों के आधार पर तैयार किया गया है। बेनेकोर की योजना तीन वर्षों में अपनी क्षमता दोगुना करने की है। अचारपुरा में आयोजित कार्यक्रम में औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन विभाग के अधिकारी, बेनेकोर समूह के प्रतिनिधि, इंजीनियर और बड़ी संख्या में स्थानीय जन उपस्थित थे।

भोपाल, मध्य भारत का आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि देश और दुनिया का हर बड़ा निवेशक मध्यप्रदेश आए। प्रदेश में औद्योगिक मित्र नीतियों के साथ-साथ भूमि के ऑनलाइन आमंत्रण और सिंगल विंडो से मंजूरियों की व्यवस्था के परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बना है। अब भोपाल, मध्य भारत का आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है। हमारा समन्वित प्रयास है कि उद्योग युवाओं को प्रशिक्षण दें, उन्हें अपने यहां काम दें ताकि युवाओं को रोजगार के लिए राज्य से बाहर नहीं जाना पड़े।

19 हजार एकड़ में विकसित हो रहे हैं 48 नए औद्योगिक पार्क

प्रदेश में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए अधोसंरचना और सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। लगभग 19 हजार एकड़ क्षेत्र में 48 नए औद्योगिक पार्क विकसित किए जा रहे हैं। ऑनलाइन भूमि आवंटन, सिंगल विंडो सिस्टम और 30 दिन में व्यवसाय प्रारंभ करने की सुविधा से निवेशकों के लिए प्रक्रियाएं सरल बनाई गई हैं। सरकार का प्रयास है कि निवेशकों को आवश्यक सुविधाएं और स्वीकृतियां समय पर मिलें तथा उद्योग शीघ्र उत्पादन प्रारंभ कर सकें। मप्र टेक्सटाइल उद्योग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्रदेश में 100 से अधिक बड़ी टेक्सटाइल इकाइयां और 43 हजार से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम कार्यरत हैं।

सीएम ने किया कुलैथ में विशाल पशुपालक सम्मेलन का शुभारंभ

> कन्हैया लोकगीत, बैलगाड़ी व घुड़दौड़ जैसे पारंपरिक खेल भी होंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर जिले के ग्राम कुलैथ में शुक्रवार 13 नवम्बर को विशाल पशुपालक सम्मेलन सह पशु मेले का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर जिले में कृषि, पशुपालन एवं अन्य विभागीय योजनाओं के तहत विभिन्न हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किया। किसान कल्याण वर्ष में आयोजित होने जा रहे इस सम्मेलन में उत्कृष्ट पशुपालन एवं उन्नत खेती-किसानी पर केन्द्रित प्रदर्शनी लगेगी। साथ ही कन्हैया लोकगीत, पारंपरिक बैलगाड़ी दौड़ एवं घुड़दौड़ जैसे आयोजन भी हुए।

उन्नत खेती-किसानी पर केंद्रित प्रदर्शनी रहेगी आकर्षण का केंद्र

सम्मेलन में उत्कृष्ट पशुपालन एवं उन्नत खेती-किसानी पर केंद्रित विशेष प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रहेगी। इसमें उन्नत नस्ल के पशुओं के प्रदर्शन के साथ पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं, आधुनिक तकनीकों और पशुपालकों के हित में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी जाएगी। इससे पशुपालकों को नवीन तकनीकों, बेहतर पशु प्रबंधन और आय संवर्धन के अवसरों से परिचित होने का अवसर मिलेगा।

हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया

सम्मेलन में भारतीय ग्रामीण संस्कृति और लोक परंपराओं की झलक भी देखने को मिली। कन्हैया लोकगीतों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ ही पारंपरिक बैलगाड़ी दौड़ एवं घुड़दौड़ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पशुपालन एवं कृषि सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य पशुपालकों और किसानों को शासन की योजनाओं से जोड़ना, उन्नत पशुपालन के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा कृषि एवं पशुधन आधारित आजीविका के नए अवसरों को प्रोत्साहित करना है।

दो प्रतिशत सुखत और सुविधाओं की मांग

मंडी प्रबंधकों ने खरीदी कार्य के बहिष्कार की चेतावनी दी



हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने से ठीक एक दिन पहले मंडी प्रबंधक जनवरी से धान उठाव करने के फैसले के विरोध में लामबंद हो गए हैं। कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार की नई धान खरीदी नीति के तहत 15 नवंबर से 15 जनवरी तक धान उठाव के लिए डीईओ जारी नहीं करने का प्रावधान है। इससे सुखत की समस्या होगी, जबकि सरकार ने शून्य सुखत की नीति भी जारी रखी है।

जशपुर के गम्हरिया मंडी प्रबंधक राजेश साहू ने कहा कि खरीदी के समय धान में नमी की मात्रा 17 प्रतिशत होती है। खुले में धान जमा रहने से धूप और गर्मी के कारण नमी घटेगी और सुखत की समस्या आएगी। इससे मंडी प्रबंधन को आर्थिक नुकसान के साथ कार्रवाई का सामना भी करना पड़ सकता है। कुरोग मंडी प्रबंधक जगदीश यादव के अनुसार, 15 जनवरी तक जिले में अधिकांश धान खरीदा जा चुका होता है। उठाव में देरी से मंडियों में धान रखने और उसकी सुरक्षा की समस्या होगी। बारिश होने पर बड़ी मात्रा में जमा धान को सुरक्षित रखना भी व्यावहारिक रूप से कठिन होगा। जामझोर मंडी प्रबंधक राजकुमार बंजारा ने बताया कि छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी संघ ने दो प्रतिशत सुखत और नियम के अनुसार समितियों को मिलने वाली सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। ज्ञापन में मांगें पूरी नहीं होने पर धान खरीदी प्रक्रिया से अलग रहने की चेतावनी दी गई है।

49 उपार्जन केंद्रों में होगी खरीदी

जशपुर जिले में 15 नवंबर से 49 उपार्जन केंद्रों पर किसानों से धान खरीदी की तैयारी है। प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदा जाएगा। विपणन वर्ष 2026-27 के लिए जिले को 32 लाख क्विंटल खरीदी का लक्ष्य मिला है, हालांकि यह अंतिम लक्ष्य नहीं है। पंजीकृत किसानों को तीन टोकन जारी किए जाएंगे और उन्हें इन्हीं के जरिए निर्धारित मात्रा में धान बेचना होगा। किसानों की सुविधा के लिए विपणन वर्ष 2026-27 में जिले में तीन नए उपार्जन केंद्र शुरू करने की स्वीकृति दी है।

पारिवारिक विवाद में पुलिस से मामला खत्म कराने का झांसा दिया

पुरानी दोस्त से 1,88,000 रुपए की धोखाधड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी में ठगी का अनोखा मामला सामने आया है। खुद को सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता और राजस्थान कैडर की चयनित सिविल जज बताकर पुरानी दोस्त से 1.88 लाख रुपए की ठगी कर ली गई। आरोपी पूजा सिंह उर्फ मीठी सिंह ने पीड़िता के भाई के पारिवारिक विवाद में पुलिस से मामला खत्म कराने और कानूनी राहत दिलाने का भरोसा दिया था। इसके लिए पुलिस अधिकारी और बड़े वकील को पैसे देने की बात कहकर अलग-अलग किस्तों में रकम ली गई। बाद में काम नहीं होने और दावों पर संदेह होने पर पीड़िता ने पैसे वापस मांगे तो गाली-गलौज और धमकी देने का आरोप है। खमतराई पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

स्कूल की दोस्ती को बनाया निशाना

शिकायतकर्ता आरजू शर्मा (24) निजी शिक्षिका हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि पूजा से उनकी पहचान स्कूल के समय से थी। दोनों डैजल पब्लिक स्कूल में साथ पढ़ती थीं और बाद में इंस्टाग्राम के जरिए संपर्क बना रहा। अप्रैल 2025 में पूजा ने इंटरनेट मीडिया पर काले कोट में तस्वीरें साझा कर खुद को सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता बताया। बाद में राजस्थान कैडर में सिविल जज के पद पर चयन होने और प्रशिक्षण लेने का दावा भी किया। आरजू के भाई की शादी के बाद पारिवारिक विवाद हुआ और उनकी भाभी ने परिवार के खिलाफ शिकायत की थी। इसी मामले में मदद मांगने पर पूजा ने पुलिस अधिकारियों और मजिस्ट्रेटों से संपर्क होने का भरोसा दिया। रायपुर आने के नाम पर पांच हजार रुपए लिए। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अमानत उल्ला खान से मुलाकात कराई और उनके माध्यम से केस संभालने की बात कही।

अवैध सूदखोरी पर आरोपी से 48 ब्लैंक स्टाम्प, 24 पासबुक बरामद

महासमुंद। गरीब और जरूरतमंद लोगों को कर्ज देकर उनसे हस्ताक्षरयुक्त खाली चेक, बैंक पासबुक और जमीन के दस्तावेज लेकर अवैध रूप से वसूली करने के मामले में बसना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मामले के आरोपी कुलदीप सिंह छाबड़ा (53) को रायपुर के मोवा स्थित उसके निवास से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 160 हस्ताक्षरयुक्त ब्लैंक चेक, 48 ब्लैंक स्टांप पेपर, 27 एटीएम, डेबिट व क्रेडिट कार्ड, 24 बैंक पासबुक, जमीन और ऋण संबंधी नौ दस्तावेज, दो ब्याज के हिसाब वाली डायरियां तथा 1.20 लाख रुपए नकद जब्त किए हैं।

व्यापार प्रभावित और हादसों का खतरा

उखड़ी सड़कें, धूल और कीचड़ से लोग परेशान बड़े-बड़े गड्ढों ने आवाजाही मुश्किल कर दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर



शहर के बाहरी इलाकों में सड़कों की बदहाली अब लोगों की रोजमर्रा की परेशानी के साथ हादसों का खतरा भी बढ़ा रही है। बिरगांव के बंजारी के पास सड़क की हालत ऐसी हो गई है कि लोगों को गड्ढों से बचते हुए रास्ता तय करना पड़ रहा है। जगह-जगह सड़क उखड़ चुकी है और बड़े-बड़े गड्ढों ने आवाजाही मुश्किल कर दी है। दफ्तर जाने वाले कर्मचारी हों या स्कूल पहुंचने वाले बच्चे, हर किसी को इस बदहाल रास्ते से गुजरने के दौरान दुर्घटना का डर बना रहता है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए स्थिति ज्यादा खतरनाक है। गड्ढों से बचने के लिए अचानक वाहन मोड़ने पड़ते हैं, जिससे सामने से आने वाले वाहनों से टकराने का खतरा रहता है।

सड़क की बदहाली का असर सिर्फ यातायात पर नहीं, आसपास रहने वाले लोगों और कारोबारियों पर भी पड़ रहा है। सूखे मौसम में वाहनों के गुजरने से दिनभर धूल उड़ती है। दुकानों और घरों में धूल पहुंचने से लोगों को परेशानी हो रही है। बारिश के दौरान यही सड़क कीचड़ और गंदे पानी से भर जाती है।

पैदल चलने वालों को रास्ता पार करने में भी मुश्किल होती है। खराब सड़क के कारण वाहनों के टायर, सस्पेंशन और अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंच रहा है। लोगों को मरम्मत पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ रहा है। स्थानीय स्तर पर समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

गड्ढों से बचने में और बढ़ जाता है खतरा

बंजारी के पास सड़क पर बने गड्ढे वाहन चालकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं। कई जगह सड़क की ऊपरी परत पूरी तरह उखड़ चुकी है। वाहन चालकों को गड्ढों से बचने के लिए बार-बार दिशा बदलनी पड़ती है। इस दौरान पीछे और सामने से आने वाले वाहनों से टकराने की आशंका बनी रहती है। रात में कम रोशनी के कारण गड्ढे समय पर दिखाई नहीं देते। ऐसे में दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। लोगों का कहना है कि सड़क की मरम्मत में देरी का खामियाजा रोजाना हजारों राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है। कारोबारियों के लिए भी स्थिति परेशानी भरी है।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय मंडला एवं मध्यप्रदेश जनजातीय कार्य विभाग को मिला सम्मान

राष्ट्रपति मुर्मू ने एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों को उत्कृष्ट कार्य के लिए किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

- प्रमुख सचिव बामरा ने किया पुरस्कार ग्रहण
- एमपी सरस को भी मिला सम्मान
- मुर्मू ने मेधावी विद्यार्थियों के साथ संवाद किया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के लिए उत्कृष्ट कार्य के लिए मध्यप्रदेश जनजातीय कार्य विभाग तथा एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय मंडला को सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग एवं अध्यक्ष कार्यकारी समिति एमपी सरस गुलशन बामरा द्वारा ग्रहण किया गया।

भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा किए गए मूल्यांकन के आधार पर प्रदेश के एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और संस्थागत विकास में बहुमूल्य योगदान में उत्कृष्टता के लिए मध्यप्रदेश स्पेशल एंड रेजिडेंशियल ऐकडेमिक सोसाइटी (एमपी सरस) को यह पुरस्कार दिया गया।



राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से सम्मान ग्रहण करते जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी और मंडला एकलव्य विद्यालय के प्रतिनिधि।

समारोह में कलेक्टर और प्राचार्य रहे मौजूद

राष्ट्रपति ने एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों के साथ संवाद भी किया। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय मंडला को राष्ट्र स्तर पर उत्कृष्ट एकलव्य विद्यालय के लिए चयन किया गया। यह सम्मान श्री राहुल नामदेव धोटे अध्यक्ष एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय मंडला एवं कलेक्टर जिला मंडला तथा रीना प्राचार्य एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय मंडला द्वारा भी ग्रहण किया गया।

जनजातीय गौरव पखवाड़ा में हुआ सम्मान समारोह

कार्यक्रम में केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुयाल उराम और राज्य मंत्री दुर्गादास उइके, सचिव केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय श्रीमती रंजना चोपड़ा, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के शिक्षकगण एवं मेधावी विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा 'जनजातीय गौरव पखवाड़ा' के अंतर्गत आयोजित किया गया था। यह पखवाड़ा प्रत्येक वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष में मनाया जाता है।

कोरोना योद्धाओं का महाआंदोलन 16 से

भोपाल। कोविड-19 महामारी के दौरान लगभग दो वर्षों तक स्वास्थ्य सेवाओं में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हजारों अस्थायी कोरोना योद्धा एक बार फिर अपनी पुनर्बहाली की मांग को लेकर 16, 17 एवं 18 नवंबर को तीन दिवसीय महाआंदोलन भोपाल में आयोजित किया जाएगा। मप्र कोविड-19 आयुष चिकित्सक संघ एवं पैरामेडिकल स्टाफ के नेतृत्व में प्रदेश के विभिन्न जिलों से चार हजार कोरोना योद्धाओं के अपने परिवारों सहित महाआंदोलन में शामिल होंगे। संघ के प्रदेश संयोजक डॉ. अंकित असाटी ने कहा कि कोरोना योद्धाओं ने महामारी के समय सरकार और प्रदेश की जनता के लिए पूरी निष्ठा से सेवाएं दी थी। आज वहीं कर्मचारी रोजगार के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं।

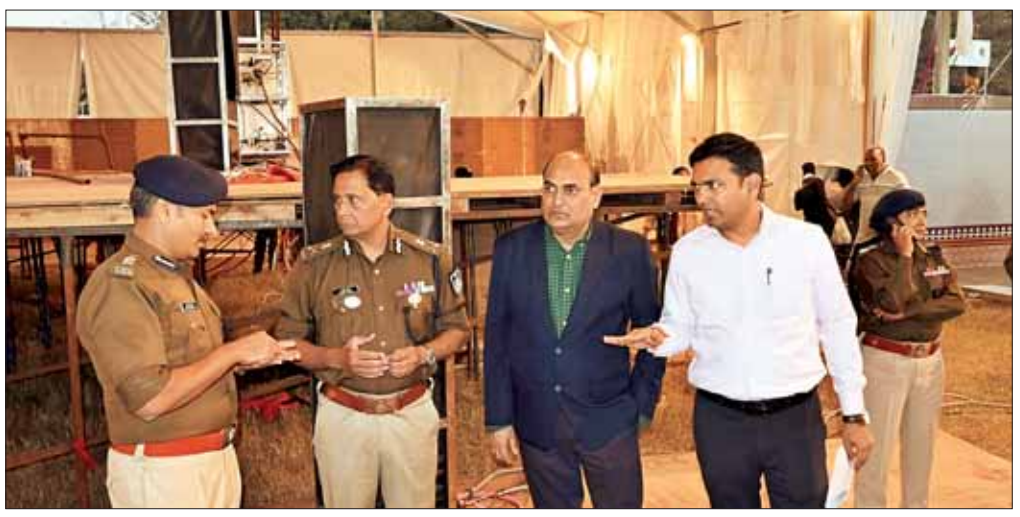
भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर गैरिसन ग्राउंड में आयोजित किया जा रहा प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम

संस्कारधानी में जनजातीय अस्मिता का महाकुंभ आज से सीएम करेंगे त्रिदिवसीय राष्ट्रीय गौरव दिवस समारोह का शंखनाद

- रानी दुर्गावती से टंट्या भील तक जननायकों की शौर्यगाथा को मिलेगा सम्मान
- प्रदेशभर से जुटेंगे जनजातीय समाज के लोग, धर्मगुरुओं का सम्मान और हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ

जबलपुर। जनजातीय स्वाभिमान, संघर्ष, संस्कृति और गौरवशाली इतिहास का राष्ट्रीय संदेश देने के लिए संस्कारधानी जबलपुर शनिवार से तीन दिवसीय ऐतिहासिक आयोजन की साक्षी बनेगी। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 14 नवंबर को सदर स्थित गैरिसन ग्राउंड से करेंगे। 14 से 16 नवंबर तक चलने वाले इस भव्य राज्य स्तरीय समारोह में जनजातीय समाज के बलिदान, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया जाएगा। मुख्यमंत्री इस अवसर पर अधारताल तिराहा पहुंचकर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन करेंगे। आयोजन में जनजातीय समाज के गौरवशाली अतीत के साथ उसके वर्तमान और उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर भी सामने आएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार सुबह 9.40 बजे भोपाल से वायुयान द्वारा जबलपुर के लिए रवाना होंगे और सुबह 10.15 बजे डुमना एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से वे कार्यक्रम स्थल पहुंचकर समारोह में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोपहर एक बजे वे वायुयान से बेंगलुरु के लिए रवाना होंगे।



जल, जंगल, जमीन के अधिकारों की लड़ाई को राष्ट्रीय नमन

जनजातीय गौरव दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि उन महान जननायकों के संघर्ष और बलिदान को स्मरण करने का अवसर है, जिन्होंने अन्याय, शोषण और विदेशी शासन के विरुद्ध अपने प्राणों की आहुति दी। भारत सरकार ने वर्ष 2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। आदिवासी समाज में भगवान और धरती आबा के रूप में पूजनीय बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी हुकूमत, शोषणकारी व्यवस्था और जमींदारी प्रथा के विरुद्ध ऐतिहासिक आंदोलन खड़ा किया था। उनका संघर्ष केवल राजनीतिक स्वतंत्रता के लिए नहीं, बल्कि जल, जंगल और जमीन पर जनजातीय समुदाय के अधिकार, सांस्कृतिक अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए भी था। जबलपुर में होने वाला यह आयोजन उसी संघर्षशील परंपरा को राष्ट्रीय मंच पर सम्मान देने का माध्यम बनेगा।

बिरसा मुंडा के साथ रानी दुर्गावती, शंकर शाह और टंट्या भील को नमन

गैरिसन ग्राउंड में आयोजित समारोह में भगवान बिरसा मुंडा के साथ वीरांगना रानी दुर्गावती, राजा शंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह और जननायक टंट्या भील के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इन महान जनजातीय नायकों के जीवन, संघर्ष, शौर्य और राष्ट्र के प्रति योगदान पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां समारोह का प्रमुख आकर्षण रहेंगी। जनजातीय समाज की लोककला, लोकनृत्य, परंपराओं और सांस्कृतिक विविधता की झलक भी देखने को मिलेगी। इस अवसर पर जनजातीय धर्मगुरुओं का सम्मान किया जाएगा तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के चिन्हित हितग्राहियों को मंच से हितलाभ वितरित किए जाएंगे। समारोह के माध्यम से जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को नई पीढ़ी से जोड़ने, उसकी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार का संदेश भी दिया जाएगा।

कलेक्टर ने संभाली तैयारियों की कमान

राज्य स्तरीय समारोह की व्यापकता और संभावित जनभागीदारी को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को गैरिसन ग्राउंड में कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में अधिकारियों की बैठक आयोजित कर विभागवार और सेक्टरवार जिम्मेदारियों की समीक्षा की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, नगर निगम आयुक्त अग्रिम कुमार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गेहलोत तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर विश्वकर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आयोजन से जुड़ी प्रत्येक व्यवस्था समय सीमा में और पूरी जिम्मेदारी के साथ सुनिश्चित की जाए। अतिथियों के स्वागत, आमंत्रण पत्रों के वितरण, हितग्राहियों की सहभागिता और सम्मान समारोह की तैयारियों की समीक्षा की गई। हितग्राहियों के नाम, मोबाइल नंबर और उन्हें कार्यक्रम स्थल तक लाने की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों को सौंपने के निर्देश दिए गए। मंच पर सम्मानित होने वाले हितग्राहियों के लिए अलग बैठक व्यवस्था तथा मंच पर आने-जाने के लिए पृथक मार्ग निर्धारित करने को कहा गया।

अंतिम यात्री की वापसी तक रहेगी निगरानी

दूसरे जिलों से आने वाले जनजातीय समाज के लोगों की सुविधा के लिए परिवहन व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया है। कलेक्टर ने बसों की संख्या, निर्धारित रूट, पहुंचने का समय, चालक के नाम और मोबाइल नंबर की जानकारी संकलित करने तथा प्रत्येक बस के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए। बसों की पार्किंग पुलिस के समन्वय से सुनिश्चित करने और कार्यक्रम समाप्त होने के बाद ही बसों को रवाना करने को कहा गया। अंतिम बस के गंतव्य तक पहुंचने तक कंट्रोल रूम सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं।

पेयजल, भोजन, बिजली, सफाई और चिकित्सा के पुख्ता इंतजाम

कार्यक्रम स्थल से लेकर पार्किंग तक पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए टैंकरों के स्थान तय किए गए हैं। अतिथियों एवं अन्य लोगों के भोजन की गुणवत्ता, सांस्कृतिक दलों के ग्रीन रूम में पेयजल, कूलर और भोजन की व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं। मंच पर साउंड सिस्टम, विद्युत आपूर्ति और जनरेटर सहित वैकल्पिक व्यवस्था तैयार रखने को कहा गया है। भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थल और आसपास की सड़कों की साफ-सफाई भी रात में ही पूरी कराने के निर्देश दिए गए। आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए कार्यक्रम स्थल और पार्किंग में मेडिकल टीम, एम्बुलेंस तथा फायर ब्रिगेड तैनात रहेगी।

अधिकारियों ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

समारोह की तैयारियों का शुक्रवार को संभागायुक्त धनंजय सिंह, पुलिस महानिरीक्षक प्रमोद वर्मा और कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, नगर निगम आयुक्त अग्रिम कुमार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गेहलोत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गैरिसन ग्राउंड में तैयार किए जा रहे मंच, पंडाल, दर्शकों की बैठक व्यवस्था, पार्किंग, आवागमन, पेयजल, साफ-सफाई और विद्युत व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। अतिथियों के स्वागत, हितग्राहियों के सम्मान, सांस्कृतिक दलों के ग्रीन रूम तथा अन्य व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, बसों के संचालन, मेडिकल टीम, एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड की तैनाती के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली गई। संभागायुक्त, आईजी और कलेक्टर ने सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय में पूरी करने तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।

चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए ऑटो को पीछे से टक्कर मार दी

अज्ञात वाहन की टक्कर से ऑटो चालक की मौत

जबलपुर। सत्ताईस मील टोल नाके के पास शुक्रवार सुबह सड़क दुर्घटना में एक ऑटो चालक की दर्दनाक मौत हो गई। अज्ञात वाहन ने ऑटो को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी और चालक को गंभीर रूप से घायल करने के बाद मौके से फरार हो गया। घायल चालक को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे सत्ताईस मील टोल नाके के पास हाईमास्ट खंभे के नजदीक लोगों की भीड़ लगी थी। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एनएचएआई एंबुलेंस चालक अजय कुमार चक्रवर्ती ने देखा कि करीब 35 वर्षीय एक व्यक्ति सड़क पर बेहोशी की हालत में पड़ा है। उसके सिर, माथे, चेहरे, नाक, कमर सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें थीं। पास ही नीले रंग का बिना नंबर का टीवीएस कंपनी का ऑटो भी क्षतिग्रस्त हालत में खड़ा था। अजय ने तत्काल डायल 112 और एंबुलेंस को सूचना दी। पुलिस की मौजूदगी में घायल को उपचार के लिए शासकीय अस्पताल कटंगी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में अस्पताल पहुंचे मृतक के भाई दीपक सेन ने उसकी पहचान 32 वर्षीय नीलेश सेन, निवासी बजरिया मोहल्ला कटंगी के रूप में की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नीलेश ऑटो लेकर जा रहा था, तभी किसी अज्ञात वाहन के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए ऑटो को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। टक्कर से आई गंभीर चोटों के कारण नीलेश की मौत हो गई। कटंगी पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 एवं 106(1) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस फरार वाहन और उसके चालक की तलाश कर रही है।

लोडिंग वाहन की रस्सी टूटने से हादसा, एक छात्रा घायल, बड़ी दुर्घटना टली

स्कूल वैन में घुसे लोहे के पाइप, 9 बच्चे थे सवार

जबलपुर। शहर के बल्देवबाग-दमोह नाका मार्ग पर शुक्रवार दोपहर एक बड़ा हादसा टल गया। चेरीताल शराब दुकान के सामने निर्माण सामग्री से भरे लोडिंग वाहन की रस्सी टूटने से लंबे लोहे के पाइप आगे चल रही क्राइस्ट चर्च स्कूल की वैन का पिछला कांच तोड़कर अंदर घुस गए। वैन में 8-9 बच्चे सवार थे। हादसे में एक छात्रा घायल हुई, जबकि अन्य बच्चे बाल-बाल बच गए। जानकारी के अनुसार छोटा हाथी वाहन क्रमांक एमपी 20 जेडवाय 3422 में लोहे की रॉड और लंबे पाइप लदे थे। शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाने पर सामान बांधने वाली रस्सी टूट गई। इससे पाइप खिसककर स्कूल वैन में जा घुसे।

घटना ने मालवाहक वाहनों में निर्माण सामग्री की असुरक्षित ढुलाई पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर लंबे और भारी पाइपों को सुरक्षित बांधने के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं थे? पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा ऐसे वाहनों की जांच और सुरक्षा मानकों के पालन की निगरानी जरूरी है। स्कूल वैन में बच्चे सवार होने के कारण हादसे की गंभीरता और बढ़ गई।

क्राईम ब्रांच एवं बेलबाग पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

5 किलो गांजा के साथ युवक गिरफ्तार, तस्करी का खुलासा

जबलपुर। बेलबाग पुलिस और क्राईम ब्रांच की टीम ने जंजीरा पुल सुलभ कॉम्प्लेक्स के पास मादक पदार्थ गांजा की तस्करी कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 5 किलो 272 ग्राम गांजा और मोबाइल जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत लगभग 2 लाख 66 हजार 600 रुपए बताई गई है।



बेलबाग थाना प्रभारी जितेंद्र पाटकर ने बताया कि गत दिवस मुखबिर की सूचना पर क्राईम ब्रांच व बेलबाग पुलिस की टीम ने जंजीरा पुल सुलभ काम्पलेक्स के पास पिट्ठू बैग में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखे खड़े बाबाटोला दुर्गा चौक हनुमानताल निवासी 21 वर्षीय मनीष चौधरी को गिरफ्तार कर उसके पास से 5 किलो 272 ग्राम गांजा जब्त किया है, जिसकी कीमत लगभग 2 लाख 66 हजार 600 रुपए बताई गई है। गांजा के संबंध में पूछताछ करने पर आरोपी ने जानकारी दी कि सिंधी केम्प निवासी कालू उर्फ सनी सोनकर के कहने पर वह जिला कलाहांडी उड़ीसा जाकर दीपू कुमार निवासी नरल जिला कालाहांडी उड़ीसा से गांजा लेकर यहां कालू उर्फ सनी सोनकर को गांजा सप्लाई करने के लिए खड़ा था, इस काम के बदले उसे एक हजार रुपए की मजदूरी मिलती है। आरोपी मनीष सोनकर के कब्जे से 5 किलो 272 ग्राम गांजा, 1 मोबाइल जप्त करते हुये तीनों आरोपियों के विरूद्ध धारा 8/20, 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

जिला उपभोक्ता आयोग का फैसला, मानसिक कष्ट के लिए तीन हजार रुपये अतिरिक्त देने के निर्देश

कोचिंग संस्थान ने छात्र को लौटाए 1.14 लाख रुपये फीस

जबलपुर। कोरोना महामारी के दौरान कोचिंग सेंटर बंद होने के बावजूद फीस वापस नहीं करना संस्थान को महंगा पड़ गया। जिला उपभोक्ता आयोग ने नई दिल्ली स्थित एक्स्ट्रा मार्क्स कोचिंग संस्थान को निर्देश दिए हैं कि वह दो माह के भीतर छात्र की जमा 1.14 लाख रुपये फीस वापस करे। साथ ही मानसिक कष्ट के लिए तीन हजार रुपये अतिरिक्त अदा करे। जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष नवीन कुमार सक्सेना व सदस्य मनोज कुमार मिश्रा और सुषमा पटेल की पीठ ने यह आदेश अब्दुल हमीद की ओर से दायर परिवाद पर सुनवाई के बाद दिया।

बहोराबाग निवासी अब्दुल हमीद ने अपने पुत्र मोहम्मद शादाब खान का नवंबर 2019 में एक्स्ट्रा मार्क्स कोचिंग, नई दिल्ली में कक्षा नौवीं से बारहवीं तक की पढ़ाई के लिए दाखिला कराया था। इसके लिए 1.14 लाख रुपये फीस जमा की गई थी। कोर्ट को बताया गया कि दाखिले के कुछ समय बाद कोरोना महामारी के कारण कोचिंग संस्थान का जबलपुर स्थित सेंटर बंद हो गया। इसके बावजूद संस्थान ने छात्र की जमा फीस वापस नहीं की। इससे परिवादी को आर्थिक नुकसान और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा। आयोग ने मामले के तथ्यों और प्रस्तुत पक्षों पर विचार करने के बाद कोचिंग संस्थान को दो माह के भीतर 1.14 लाख रुपये फीस लौटाने तथा मानसिक कष्ट के लिए तीन हजार रुपये अदा करने का आदेश दिया।

धनवंतरी नगर में बेखौफ बदमाशों का आतंक एक्टिवा सवार महिला को गिराकर चेन लूटी

जबलपुर। अपने भाई को तिलक लगाने जा रही 60 वर्षीय महिला को बाइक सवार दो बदमाशों ने निशाना बना लिया। धनवंतरी नगर क्षेत्र में बदमाशों ने महिला की एक्टिवा रोककर गले से सोने की चेन झपट ली और उसे सड़क पर गिराकर फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।पुलिस के अनुसार, संजीवनी नगर निवासी 60 वर्षीय आशा बाघेला गुरुवार शाम करीब 4 बजे अपनी एक्टिवा से धनवंतरी नगर स्थित अपने भाई के घर भाईदूज का टीका लगाने जा रही थीं। जैसे ही वह दीपचंद साहू के मकान के सामने सड़क पर पहुंचीं, पीछे से नीले रंग की पल्सर बाइक पर सवार दो युवक आए। दोनों की उम्र करीब 25 से 30 वर्ष बताई जा रही है। बाइक चला रहे युवक ने हेलमेट पहन रखा था, जबकि पीछे बैठे युवक ने चेहरे पर सफेद कपड़ा बांध रखा था।बदमाशों ने अपनी बाइक महिला की एक्टिवा के पास लगाकर उन्हें रोक लिया और गले में पहनी सोने की चेन छीनने लगे। महिला ने चेन पकड़कर बचाने का प्रयास किया, लेकिन पीछे बैठे बदमाश ने जोर से झपट्टा मारकर चेन खींच ली। इस दौरान बदमाश ने महिला की एक्टिवा में लात भी मार दी, जिससे वह सड़क पर गिर गईं। चेन का करीब आधा तोला हिस्सा बदमाश के हाथ लग गया, जबकि शेष हिस्सा महिला के हाथ में रह गया। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लोगों को आता देख दोनों बदमाश पल्सर बाइक से धनवंतरी नगर चौक की ओर भाग निकले। महिला ने बताया कि वह दोनों आरोपियों को उनके हुलिए और शारीरिक बनावट के आधार पर पहचान सकती हैं।घटना की रिपोर्ट पर थाना संजीवनी नगर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(4) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

---

660 मेगावाट के अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रतिरूप पर दो सप्ताह का अभ्यास शुरू

बिजलीघरों के कंट्रोल रूम का वास्तविक अनुभव ले रहे युवा अभियंता

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी ने युवा अभियंताओं को आधुनिक तकनीक से प्रशिक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। नयागांव स्थित मध्यप्रदेश पावर जनरेशन प्रशिक्षण संस्थान में स्थापित अत्याधुनिक बहुउद्देशीय विद्युत उत्पादन प्रशिक्षण प्रतिरूप पर कंपनी के 15 युवा अभियंताओं के पहले बैच का दो सप्ताह का प्रशिक्षण शुरू हुआ। यह प्रशिक्षण प्रतिरूप 660 मेगावाट क्षमता वाले आधुनिक सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत गृह की कार्यप्रणाली पर आधारित है। इसमें अभियंताओं को संयंत्र संचालन, विद्युत ग्रिड से समन्वय, टरबाइन नियंत्रण तथा आपातकालीन परिस्थितियों से



निपटने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसकी मदद से वास्तविक बिजलीघरों जैसी परिस्थितियों में बिना किसी जोखिम के अभ्यास किया जा सकेगा। इस प्रतिरूप की स्थापना के साथ मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी देश की चुनिंदा सार्वजनिक विद्युत उत्पादन कंपनियों में शामिल हो गई है, जिनके पास अपनी आधुनिक प्रशिक्षण सुविधा है। कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने कहा कि यह युवा अभियंताओं के भविष्य में महत्वपूर्ण निवेश है। इस अवसर पर निदेशक तकनीकी सुबोध निगम, निदेशक वाणिज्यिक मिलिंद भान्दक्कर, कार्यपालक निदेशक दीपक कश्यप एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता डॉ. अशोक तिवारी सहित वरिष्ठ अभियंता उपस्थित रहे।

जनविश्वास अभियान : कैंट क्षेत्र की शासकीय संस्थाओं का किया निरीक्षण

जबलपुर। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को कैंट विधानसभा क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के दल ने विभिन्न शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया। विधायक अशोक रोहाणी, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, एसपी सम्पत उपाध्याय और नगर निगम आयुक्त अग्रिम कुमार ने स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनवाड़ी, स्कूलों, दीनदयाल अंत्योदय रसोई और नगर निगम कार्यालय पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान नागरिकों, विद्यार्थियों और हितग्राहियों से संवाद कर उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी भी ली गई। निरीक्षण की शुरुआत सर्रा पीपल स्थित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक से हुई। इसके बाद आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों के पोषण आहार और शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली गई। बड़ा पत्थर रांझी स्थित दीनदयाल अंत्योदय रसोई में अधिकारियों ने भोजन की गुणवत्ता परखी। जनप्रतिनिधियों और कलेक्टर ने हितग्राहियों के साथ बैठकर भोजन भी किया। इसके बाद लक्ष्मी नारायण यादव हायर सेकेंडरी स्कूल और ग्राम करौंदी में निर्माणाधीन सांदीपनि विद्यालय का निरीक्षण किया गया। सांदीपनि विद्यालय का निर्माण पांच एकड़ में किया जा रहा है। इसकी अनुबंधित लागत 28.63 करोड़ रुपए है और निर्माण की अवधि 18 माह निर्धारित की गई है। विद्यालय में 2360 विद्यार्थियों के अध्ययन की क्षमता होगी। अधिकारियों ने करौंदी स्थित सांदीपनि कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की स्मार्ट क्लास और कंप्यूटर लैब भी देखी। इसके अलावा आधारताल के नगर निगम संभागीय कार्यालय क्रमांक 7, शासकीय एकीकृत प्राथमिक बालक शाला और आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया गया। कंचनपुर स्थित सीएम राइज प्राथमिक शाला में विद्यार्थियों से पढ़ाई के संबंध में चर्चा की गई तथा आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों के पोषण और देखभाल की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

महिला एएसआई ने आईजी को सौंपी लिखित शिकायत

रेडियो एसपी पर महिला एएसआई को प्रताड़ित करने का आरोप

जबलपुर। पुलिस रेडियो विभाग में कार्यप्रणाली को लेकर विवाद सामने आया है। विभाग के पुलिस अधीक्षक सुनील राजोरे पर एक महिला सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) ने मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और नौकरी से हटाने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला एएसआई ने इस संबंध में पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) को लिखित शिकायत सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत में महिला एएसआई ने आरोप लगाया है कि एसपी द्वारा प्रतिदिन दो से तीन घंटे तक लंबी बैठकें आयोजित की जाती हैं। इन बैठकों का कोई ठोस औचित्य नहीं बताया जाता, जिसके चलते नियमित विभागीय कामकाज भी प्रभावित होता है। उनका कहना है कि लगातार बैठकों और अनावश्यक विभागीय दबाव के कारण उन्हें मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नौकरी से हटाने की धमकी देने का आरोप

महिला एएसआई ने अपनी शिकायत में यह भी दावा किया है कि उन्हें नौकरी से हटाने की धमकी दी जाती है। कथित व्यवहार के कारण वह खुद को असहज और मानसिक दबाव में महसूस कर रही हैं। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से हस्तक्षेप कर इस स्थिति से राहत दिलाने की मांग की है।

आईजी तक पहुंचा मामला

महिला एएसआई द्वारा सीधे पुलिस महानिरीक्षक को शिकायत सौंपे जाने के बाद मामला वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में आ गया है। अब शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच और संबंधित पक्षों से जानकारी लेकर उचित कार्रवाई किए जाने की अपेक्षा की जा रही है।फिलहाल एसपी सुनील राजोरे का पक्ष सामने नहीं आया है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि भी नहीं हुई है। विभागीय स्तर पर जांच शुरू होने अथवा किसी कार्रवाई की जानकारी भी फिलहाल सामने नहीं आई है।

तिपहियो की लगाम नाबालिगो के हाथ

दो पहिया पर सितम तिपहिया पर रहम ये कैसा भेदभाव

सिहोरा। शहर में तिपहियों आटो की भरमार होने के साथ साथ तिपहियो की लगाम नाबालिगो के हाथ में होने से इनके बेलगाम दौड़ने से जहां दुर्घटनाएं हो रही हैं वहीं बेतरतीब खड़े किए जाने से सड़कों पर जाम की समस्या बढ़ रही है। ऐसे में लोगों को परेशानी झेलनी पड़ती है। यातायात नियमों को धता बता रहे अधिकतर तिपहियों पर नंबर प्लेट तक नहीं है। जिनमें है वे अन्य जिले की पासिंग है। हालात यह है कि इतनी सवारी नहीं होती जितने कि तिपहिये। मारामारी के कारण तिपहिया चालक यातायात नियमों को दरकिनार करने से नहीं चूकते। इसके लिए उन्हे चाहे तिपहिया बीच सड़क पर क्यों न खड़ा करना पड़े।



दो पहिया पर शक्ति

सिहोरा पुलिस थाने के गेट पर तिपहियों का आतंक किसी से छिपा नहीं है इसके बावजूद सिहोरा थाने का बल आए दिन थाने के सामने दो पहिया वाहन चालकों के दस्तावेज एवं हेलमेट चैकिंग के नाम पर शक्ति से पेश आती है वही आतंक मचा रहे तिपहिया वाहन चालकों के आवश्यक दस्तावेज इंश्योरेंस लाइसेंस,ओवर लोड आदि चेक न करना चर्चा का विषय बना हुआ है।

रेल्वे स्टेशन पुराना बस स्टैंड में धमाचौकड़ी

शहर के सबसे व्यस्त यातायात क्षेत्र पुराने बस स्टैंड में तिपहिए आटो चालकों की मनमानी दिन प्रतिदिन प्रशासन पर हावी होती जा रही है। प्रशासनिक अधिकारी तिपहिया चालकों के गदर को रोकने में पूरी तरह लाचार नजर आ रहे हैं। शहर के तमाम चौराहे के अलावा शहर के बीचों बीच बस स्टैंड चौराहा के आसपास एवं सिहोरा पुलिस थाने के मुख्य द्वार पर तिपहिया चालकों के कारण अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। तिपहिया चालकों की मनमानी के चलते पैदल महिला तथा छोटे-छोटे बच्चों का तो निकलना ही दूभर हो गया है। कई बार तो पुलिस,एसडीएम तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के वाहन भी आटो रिक्शा द्वारा लगाए गए जाम में फंसे दिखाई देते हैं। यात्री बसों के आगमन पर बस के गेट के सामने तिपहिया लगाने के कारण यात्रिगण भी अब इनकी गदर से भारी परेशान है। शहर का प्रमुख चौक हो या आम रास्ता ये तिपहिया चालक अपने वाहन को आड़ा-तिरछा खड़ा कर रास्ते को अवरुद्ध करना अपनी शान समझतें हैं। राहगीरों को रास्ता न देना और या इस बारे मे कुछ भी बोलने वालों के साथ अभद्र व्यवहार करना तिपहिया चालकों का अधिकार बन चुका है।

स्टेशन बना लूट का अड्डा

देर रात रेल से आने वाले यात्रियो की मजबूरी का फायदा उठाने वाले तीन पहिया चालकों का आतंक किसी से छिपा नहीं है। बताया जाता हे कि रंगदारी की दम पर न केवल यात्रियों से अभद्र व्यवहार किया जाता है वरन कई गुना किराया बसूला जाता है।लोगो का कहना है कि यदि सिहोरा खितौला थाने की पुलिस केवल रात्री में चलने वाले तिपहियों के दस्तावेज की जांच कर लें तो अनेक अनियमितता सामने आ सकती है वहीं चर्चा है की अपराधिक पृष्ठभूमि वाले अनेक लोग नशे की हालत में रेल्वे स्टेशन के बाहर यात्रियों के साथ किराये को लेकर आये दिन वाद विवाद करते नजर आते हैं।

भोपाल की टीम ने सांदीपनी स्कूल और पीएमश्री कन्या शाला का किया निरीक्षण

बरेला। भोपाल से आई अधिकारियों की टीम ने नगर स्थित सांदीपनी स्कूल एवं पीएमश्री कन्या शाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सांदीपनी स्कूल में कई कमियां पाए जाने पर अधिकारियों ने नाराजगी जताई। वहीं पीएमश्री कन्या शाला की भवन स्थिति पर भी अप्रसन्नता जाहिर की। अधिकारियों ने दोनों विद्यालयों की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित प्राचार्यों को कमियां दूर करने और आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। निरीक्षण दल में डीपीआई भोपाल के अधिकारी, ज्वाइंट डायरेक्टर घनश्याम सोनी एवं जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे शामिल रहे।

मंगलसूत्र लूटकर बाइक सवार बदमाश फरार

जबलपुर। शहर में बाइक सवार लुटेरों के हौसले बुलंद हैं। विजय नगर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े पल्सर सवार दो बदमाशों ने एक महिला को निशाना बनाते हुए उसके गले से मंगलसूत्र झपट लिया और फरार हो गए। वारदात के दौरान महिला ने मंगलसूत्र बचाने का प्रयास किया, लेकिन बदमाश उसका अधिकांश हिस्सा लूटकर ले जाने में सफल रहे।पुलिस के अनुसार, ग्रीन सिटी ट्रीमलैंड, गजानन परिसर निवासी 53 वर्षीय ज्योति चिंचोलकर बिजनेस करती हैं। 12 नवंबर को दोपहर करीब 1:45 बजे वह अपनी एक्सिस से पोस्ट ऑफिस कलेक्शन के लिए एसबीआई चौक की ओर जा रहा था। जस हा वह वत्सला पराडाइज के पहल थायरोकेयर वाली गली में पहुंचीं, सामने से पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक आए। दोनों बदमाशों ने महिला को डराया और उनके गले से मंगलसूत्र झपटकर भाग निकले। बाइक चला रहे युवक ने हेलमेट पहन रखा था, जबकि पीछे बैठे दूसरे युवक ने कपड़े से अपना चेहरा ढक रखा था। झपट्टा मारने के दौरान मंगलसूत्र का पिछला हिस्सा महिला के गले में ही रह गया, जबकि दो कटोरी वाले लॉकेट और आधी चेन सहित बाकी हिस्सा बदमाश लूटकर ले गए। घटना के बाद महिला ने विजय नगर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ धारा 309(4) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है। पुलिस आरोपियों की पहचान और तलाश में जुटी है।



मां की ममता और वर्दी का फर्ज

बेटी को गोद में लेकर ड्यूटी पर लौटीं आईपीएस अनु बेनीवाल

जबलपुर। मां बनना किसी भी महिला के जीवन का सबसे खूबसूरत और भावनात्मक अनुभव होता है। वहीं मातृत्व के साथ पेशेवर जिम्मेदारियों का निर्वहन करना अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। इस चुनौती को हौसले, आत्मविश्वास और समर्पण के साथ स्वीकार करते हुए जबलपुर की आईपीएस अधिकारी एवं एएसपी अनु बेनीवाल एक बार फिर चर्चा में हैं। मातृत्व अवकाश पूरा होने के बाद वह अपनी नन्ही बेटी को गोद में लेकर कार्यालय पहुंचीं और अपनी जिम्मेदारियों को फिर से संभाल लिया। अनु बेनीवाल की बेटी के साथ सामने आई तस्वीर ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। तस्वीर में एक तरफ मां की ममता झलक रही है, तो दूसरी तरफ खाकी वर्दी में अपने कर्तव्य के प्रति उनका समर्पण दिखाई दे रहा है। बताया गया है कि अनु बेनीवाल करीब 10 सप्ताह के मातृत्व अवकाश पर थीं। इस दौरान उन्होंने मां बनने के नए अनुभवों के साथ कई चुनौतियों का सामना किया। उन्होंने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि इस दौरान कई रातें ऐसी भी गुजरीं, जब उन्हें ठीक से सोने का अवसर नहीं मिला। इसके बावजूद उन्होंने जीवन के इस नए अध्याय को अपनी ताकत बनाया। खास बात यह है कि गर्भावस्था के आखिरी महीने तक भी वह अपनी फिटनेस को लेकर सजग रहीं और नियमित दौड़ सहित शारीरिक गतिविधियों पर ध्यान देती रहीं। उनकी इस दिनचर्या और अब बेटी के साथ कार्यस्थल पर वापसी की तस्वीर ने एक बार फिर उनकी चर्चा शुरू कर दी है। अनु बेनीवाल की यह वापसी केवल एक अधिकारी के ड्यूटी ज्वाइन करने की तस्वीर नहीं है, बल्कि उस संघर्ष और संतुलन की कहानी है, जिससे अनेक कामकाजी महिलाएं गुजरती हैं। एक ओर बच्चे की देखभाल, रातों की अधूरी नींद और मातृत्व की जिम्मेदारी, तो दूसरी ओर समाज और विभाग के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन।

जुए के फड़ पर छापा

जबलपुर। कैंट पुलिस ने कार वॉशिंग मैदान गोल्छा बारात घर के पास स्ट्रीट लाईट के उजाले में जुआ मन्ना खेल रहे चार जुआड़ियों को गिरफ्तार कर उनके पास से नगद 9 हजार 400 रुपए जब्त किए हैं। कैंट थाना प्रभारी पुष्पेंद्र पटले ने बताया कि गत रात मुखबिर की सूचना पर कार वासिंग मैदान गोल्छा बारात घर के पास स्ट्रीट लाईट के उजाले में जुआ मन्ना खेल रहे मनीष जायसवाल, सूरज पासी, हेमंत सिंह, अक्षत लकोटिया को गिरफ्तार कर उनके पास से ताश के 52 पत्ते तथा 9 हजार 400 रूपये जप्त करते हुये धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

मझौली में आज लगेगा विशाल चंडी मड़ई मेला



मझौली। नगर में प्रतिवर्ष दीपावली के पांचवें दिन आयोजित होने वाला विशाल चंडी मड़ई मेला इस वर्ष 14 नवंबर, शनिवार को बाजार प्लाट स्थित चंडी माता के स्थान पर आयोजित किया जाएगा। मेले को लेकर नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है। मंदिर के पुजारी सुरेश कुम्हार एवं राकेश कुम्हार ने बताया कि मेले में प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु दूर-दूर से पहुंचकर चंडी माता के दर्शन एवं पूजा-अर्चना करते हैं। मेले में धार्मिक आयोजनों के साथ बाजार, झूले और विभिन्न प्रकार की दुकानें आकर्षण का केंद्र रहेंगी। आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं।

अग्निकांड पीड़ित सात परिवारों के आशियाने बनवा रहे पार्षद शफीक हीरा

जबलपुर। गोहलपुर के लेमा गार्डन स्थित गाजी नगर में हुए भीषण अग्निकांड से प्रभावित गरीब परिवारों की मदद के लिए क्षेत्रीय पार्षद शफीक हीरा आगे आए हैं। अग्निकांड में उजड़े सात परिवारों के लिए वे अपने निजी खर्च से नई झुग्गियां बनवा रहे हैं, ताकि प्रभावित परिवारों को दोबारा आशियाना मिल सके। जानकारी के अनुसार शुरुआत में 50 झुग्गियां जलने की खबर सामने आई थी, जबकि बाद में 18 परिवारों को प्रभावित बताया गया। स्थानीय पड़ताल के अनुसार सात आबाद झुग्गियां और एक खाली झुग्गी आग की चपेट में आई थीं। वास्तविक प्रभावितों में बानो बी, मोहम्मद शब्बीर, मोहम्मद साबिर, ज्योति डोमार, माया बाई डोमार, अख्तरी बी एवं मोहम्मद पीरू के नाम सामने आए हैं। पार्षद शफीक हीरा ने बिना सरकारी सहायता लिए सात परिवारों के मकान बनवाने की जिम्मेदारी उठाई है। पार्षद प्रतिनिधि सोनू खान एवं सहयोगी निर्माण कार्य में जुटे हैं। प्रभावित परिवारों ने इस पहल के लिए पार्षद का आभार जताया है। वहीं राहत सूची में 18 नाम शामिल किए जाने के आधार और अग्निकांड के वास्तविक कारणों को लेकर स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि आग आसपास के कबाड़खानों में रखे ज्वलनशील सामान से फैली थी।



धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने प्रताड़ित करने का आरोप

जबलपुर। गोरखपुर थाना क्षेत्र में रहने वाले पं. सर्वेश्वर शर्मा पिता श्री हनुमान प्रसाद शर्मा ने अपने पड़ोसियों जाहिद अली, उनकी पत्नी अफसाना अली एवं पुत्र मुशाहिद अली के विरुद्ध परेशान एवं प्रताड़ित किए जाने की शिकायत पुलिस को दी है। शिकायतकर्ता के अनुसार, पड़ोसियों द्वारा धार्मिक विषयों को लेकर लगातार आपत्तिजनक टिप्पणियां की जाती थीं। उन्होंने आरोप लगाया है कि उन्हें इस्लाम धर्म अपनाने के लिए भी कहा जाता था तथा धर्म परिवर्तन को लेकर दबाव बनाया जाता था। शिकायत में धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली बातें कहने, घर के सामने गाड़ी खड़ी कर आवागमन में परेशानी उत्पन्न करने तथा दीपावली के दौरान घर के बाहर बनाई गई रंगोली पर पानी डालने जैसी घटनाओं का भी उल्लेख किया गया है।

पिछोर को जिला बनाने की घोषणा से बढ़ी नाराजगी

वादे के 11 माह बाद भी सिहोरा नहीं आए सीएम

18 नवंबर को काल भैरव चौक में आंदोलन की बनेगी आगामी रणनीती

सिहोरा। सिहोरा को जिला बनाने की मांग को लेकर पिछले वर्ष 3 नवंबर 2025 से 26 दिसंबर 2025 तक चले लंबे आंदोलन को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भोपाल में हुई वार्ता के बाद स्थगित कर दिया गया था। इस आंदोलन के दौरान सिहोरा वासियों ने क्रमिक भूख हड़ताल से लेकर आमरण सत्याग्रह तक के कई चरणों में संघर्ष किया था।26 दिसंबर 2025 को भोपाल में मुख्यमंत्री के साथ हुई वार्ता में मुख्यमंत्री ने सिहोरा आने का आश्वासन दिया था लेकिन लगभग 11 माह बीत जाने के बाद भी उनका यह वादा पूरा नहीं हुआ। वहीं हाल ही में पिछोर को जिला बनाने के संबंध में मुख्यमंत्री की स्वयं की सहमति की घोषणा ने सिहोरा वासियों को एक बार फिर निराश और आक्रोशित कर दिया है।इस घटनाक्रम के बाद आंदोलन समिति ने आगामी 18 नवंबर को शाम 7 बजे काल भैरव चौक स्थित मंदिर में एक आवश्यक बैठक बुलाई है। बैठक में सिहोरा को जिला बनाने की मांग को लेकर आगामी संघर्ष की रणनीति तय की जाएगी। साथ ही आंदोलन को नए सिरे से गति देने और शासन-प्रशासन तक अपनी आवाज पहुंचाने के लिए आगे की कार्ययोजना पर विचार किया जाएगा।समिति के अनिल जैन, विकास दुबे, कृष्णकुमार कुररिया, मानस तिवारी, नंदकुमार परौहा, अमित बक्शी, रामजी शुक्ला, संतोष वर्मा, संजय पाठक, नितेश खरया, संतोष पांडे एवं जितेंद्र श्रीवास सहित अन्य सदस्यों ने समस्त सिहोरा वासियों से 18 नवंबर को आयोजित बैठक में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।



आदिवासी कांग्रेस ने सौंपा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

बरेला। विश्व आदिवासी दिवस (9 अगस्त) को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कथित बयान पर आदिवासी कांग्रेस ने नाराजगी जताते हुए राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री के इस्तीफे, उनके बयान पर सार्वजनिक स्पष्टीकरण देने तथा 9 अगस्त को मध्यप्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग की गई।इस अवसर पर ग्रामीण जिला आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष नीलेश बरकड़े, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरविंद तिवारी, संजू ठाकुर, सुम्मारू कोल, मुकेश पटेल एवं जिला पंचायत सदस्य मुन्नी उइके सहित कांग्रेस और आदिवासी कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



महामना मालवीय को पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन

जबलपुर। महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की पुण्यतिथि पर मालवीय चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर इंका नेता विष्णु विनोदिया ने कहा कि महामना मालवीय ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए देशभर में भ्रमण कर जनसहयोग जुटाया और शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक योगदान दिया। स्वतंत्रता संग्राम में भी उनकी भूमिका अविस्मरणीय रही। इस दौरान प्रतिमा स्थल पर बैनर एवं पोस्टर लगे होने पर विष्णु विनोदिया ने चिंता जताते हुए कहा कि महापुरुषों की प्रतिमाओं की गरिमा बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रशासन से प्रतिमा स्थल को बैनर-पोस्टरों से मुक्त रखने तथा नियमित साफ-सफाई एवं उचित रखरखाव सुनिश्चित करने की मांग की। इस अवसर पर विष्णु विनोदिया, उमेश पटेल, मेघना लोधी, अजीत गुलाबचंद जैन एवं सपना साहू सहित अन्य लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर महामना के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

बच्चे सबसे अनमोल उपहार और राष्ट्र की उज्ज्वल आशा

बाल दिवस पर रयान ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन ने बच्चों को दिया प्रेरणादायक संदेश

जबलपुर। रयान ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. ए.एफ. पिंटो ने बाल दिवस के अवसर पर बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चे मानवता के सबसे अनमोल उपहार और राष्ट्र की सबसे उज्ज्वल आशा हैं। उनकी मासूम मुस्कान, जिज्ञासा और कल्पनाशक्ति समाज को नई संभावनाओं की दिशा देती है। उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू को स्मरण करते हुए कहा कि बच्चों के प्रति उनका स्नेह इस विश्वास का प्रतीक था कि बच्चे ही राष्ट्र के भविष्य के निर्माता हैं। डॉ. पिंटो ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक और रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि बच्चों की प्रतिभा निखारना, आत्मविश्वास बढ़ाना और उनमें अच्छे संस्कार विकसित करना है।



रयान एवं सेंट जेवियर्स समूह का प्रयास संवेदनशील, जिम्मेदार और योग्य नागरिक तैयार करना है। उन्होंने कहा कि बच्चों को जिज्ञासु, रचनात्मक और आत्मनिर्भर बनाने के साथ उनमें दया, ईमानदारी, करुणा एवं दूसरों के प्रति सम्मान जैसे मूल्य विकसित करना आवश्यक है। समूह की स्वर्ण जयंती के अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों की उपलब्धियों को संस्थान की सबसे बड़ी सफलता बताया।

निधन

श्री शंभू तिवारी- कैलाशपुरी गुप्तेश्वर सेठी नगर निवासी श्री शंभू तिवारी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री अजय जाटव- सिद्धबाबा रज्जन डेयरी के पास निवासी श्री दीपचंद जाटव के पुत्र श्री अजय जाटव (30) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राकेश पटेल- पुरानी बस्ती गौरीघाट निवासी श्री मूलचंद पटेल के पुत्र श्री राकेश पटेल (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सविता जायसवाल- करियापाथर सेवक की दुकान के पास निवासी श्री कृष्ण जायसवाल की धर्मपत्नी श्रीमती सविता जायसवाल (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सीता राम पटेल- कस्तूरी सिटी रैगवां पाटन रोड निवासी श्री सीता राम पटेल (99) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शांति बाई लोधी- करियापाथर आचार्य विनोबा भावे वार्ड निवासी श्रीमती शांति बाई लोधी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री गुरूदीन वनराज- बादशाह हलवाई मंदिर मोड़ गौरीघाट रोड निवासी श्री गुरूदीन वनराज (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती गीता पटेल- तुलसी मोहल्ला घमापुर निवासी श्री आशीष पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती गीता पटेल (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री विमल कुमार श्रीवास्तव- पुनीत नगर अधारताल निवासी श्री विमल कुमार श्रीवास्तव (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती ज्योति दाहिया- बर्न कम्पनी रोड श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री पुन्नू लाल दाहिया की धर्मपत्नी श्रीमती ज्योति दाहिया (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती मुन्नी रैकवार- आजाद चौक रामपुर निवासी श्री संतोष रैकवार की धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी रैकवार (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अजय यादव- चुंगी चौकी कांचघर निवासी श्री अजय यादव (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती रेवा बाई नागवंशी- कवर्धा हाउस पुल नं. 2 के पास निवासी श्री गुरूदयाल नागवंशी की धर्मपत्नी श्रीमती रेवा बाई नागवंशी (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उमा देवी गुप्ता- जगमोहन सिंह का बाड़ा बेलबाग रोड निवासी श्री ठुन्नू लाल गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती उमा देवी गुप्ता (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री कमल सिंह राजपूत- बेदी नगर नागपुर रोड निवासी श्री कमल सिंह राजपूत (89) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री आदेश दीवान- वल्दी कोरी की दफाई सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री राजू दीवान के पुत्र श्री आदेश दीवान (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री विवेक बहादुर- सर्रापीपल रांझी निवासी श्री केपी गुटम के पुत्र श्री विवेक बहादुर (31) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कमल किशोर सोनकर- प्रेमसागर झंडा चौक निवासी श्री कमल किशोर सोनकर (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री विजय कुमार चौधरी- जानकी परिसर साकेत धाम एमआर फोर रोड निवासी श्री विजय कुमार चौधरी (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम चरण प्रजापति- गोपाल होटल लालमाटी निवासी श्री राम चरण प्रजापति (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती पार्वती बाई रजक- कालीमठ आमनपुर मदनमहल निवासी श्री प्रेम कुमार रजक की धर्मपत्नी श्रीमती पार्वती बाई रजक (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि बिजी/शोक/उद्घाटन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 400/- प्रति कालम से.मी.
डिस्प्ले साइज:- 1x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
डिस्प्ले साइज:- 1x4 से.मी. रंगीन 400/-
डिस्प्ले साइज 1x8 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

सोने में ढाई हजार रुपए की गिरावट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



- सोने के दाम 1.40 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर
- चांदी की कीमतें भी 3500 रुपए लुढ़की

राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमतों में शुक्रवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही और यह 2,500 रुपये टूटकर 1,40,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। दिवाली के बाद मांग में कमी और वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के कारण सोने की कीमतों में गिरावट आई। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना बृहस्पतिवार के 1,43,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) से 2,500 रुपये गिरकर शुक्रवार को 1,40,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। चांदी की कीमतों में भी पिछले सत्र में स्थिर रहने के बाद फिर गिरावट आई। चांदी 3,500 रुपये टूटकर 1,84,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में इसका भाव 1,87,500 रुपये प्रति किलोग्राम था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के जिंस विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा कि घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमतों पर दबाव बना रहा।

ग्रासिम इंडस्ट्रीज को 234 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा

नई दिल्ली। ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 234 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा उठाना पड़ा। एक साल पहले की समान तिमाही में उसने 595 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कनाडा के अपने संयुक्त उद्यम कंपनी एवी ग्रुप एनबी इंक में निवेश के मूल्य में कमी और अनुमानित देनदारी के लिए प्रावधान के कारण उसे 766.7 करोड़ रुपये का नुकसान दर्ज करना पड़ा।

दो सुपरकंप्यूटिंग परिसर बनाएगी स्पेसएक्स

ह्यूस्टन (अमेरिका)। स्पेसएक्स ने टेक्सास और एरिजोना में कृत्रिम मेधा (एआई) के लिए दो सुपरकंप्यूटिंग परिसर बनाने में 74 अरब डॉलर से अधिक निवेश करने की योजना की घोषणा की है। स्पेसएक्स ने बताया कि वह टेक्सास में सुपरकंप्यूटिंग सुविधा स्थापित करने के लिए 24 अरब डॉलर से अधिक और एरिजोना में एक अलग परिसर बनाने के लिए करीब 50 अरब डॉलर का निवेश करेगी। कंपनी के अनुसार, दोनों परियोजनाओं के लिए बिजली की अलग-अलग व्यवस्था होगी।

देश का चालू खाता घाटा बढ़कर 7.4 अरब डॉलर

एजेंसी ▶▶ मुंबई



- एक साल पहले इसी माह 5 .2 अरब डॉलर रहा
- सितंबर में वस्तु व्यापार घाटा 30 अरब डॉलर पर

भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) आयात में वृद्धि के कारण सितंबर, 2026 में बढ़कर 7.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 5.2 अरब डॉलर था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

जब कोई देश निर्यात से होने वाली आय की तुलना में आयात पर अधिक खर्च करता है तो चालू खाते का घाटा होता है। चालू वित्त वर्ष के सितंबर महीने में वस्तु व्यापार घाटा 30 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल के इसी महीने के 33.4 अरब डॉलर से कम है। समीक्षाधीन महीने में वस्तुओं का आयात 69.8 अरब डॉलर से बढ़कर 75.3 अरब डॉलर हो गया, जबकि निर्यात 36.4 अरब डॉलर से बढ़कर 45.3 अरब डॉलर रहा।

सितंबर, 2026 के लिए भारत के भुगतान संतुलन के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, सेवाओं से होने वाली शुद्ध प्राप्तियां मामूली रूप से बढ़कर 19.2 अरब डॉलर हो गईं, जो पिछले साल सितंबर में 18.8 अरब डॉलर थीं। सेवाओं का निर्यात 36.7 अरब डॉलर से बढ़कर 39.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जबकि आयात 17.8 अरब डॉलर से बढ़कर 20.1 अरब डॉलर था।

पहली छमाही में चालू खाता घाटा बढ़ा

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में चालू खाते का घाटा बढ़कर 25.8 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 18 अरब डॉलर था। इस दौरान वस्तु व्यापार घाटा 158.1 अरब डॉलर से बढ़कर 176.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया, क्योंकि आयात 379.6 अरब डॉलर से बढ़कर 441.4 अरब डॉलर था। वहीं, निर्यात 221.5 अरब डॉलर से बढ़कर 265.3 अरब डॉलर रहा।

भारत का कुल निर्यात अक्टूबर में रिकॉर्ड 89.99 अरब डॉलर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



- देश का वस्तुओं और सेवाओं का कुल निर्यात बढ़ा
- व्यापार घाटा कम होकर 20 .09 अरब डॉलर रह गया

भारत का वस्तुओं और सेवाओं सहित कुल निर्यात अक्टूबर में 29.9 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 89.99 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया जबकि व्यापार घाटा कम होकर 20.09 अरब डॉलर रह गया। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने शुक्रवार को अक्टूबर महीने के ये व्यापार आंकड़े जारी किए।

देश का वस्तुओं एवं सेवाओं सहित कुल निर्यात पिछले साल इसी महीने में 69.27 अरब डॉलर रहा था। अक्टूबर 2025 में भारत का व्यापार घाटा 25.15 अरब डॉलर था। भारत का आयात अक्टूबर में बढ़कर 110.07 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल इसी महीने में 94.42 अरब डॉलर था।

अक्टूबर में वस्तुओं का निर्यात बढ़कर 49.47 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल इसी महीने में 34.11 अरब डॉलर था। वहीं, सेवाओं का निर्यात भी अक्टूबर 2025 के 35.17 अरब डॉलर से बढ़कर 40.51 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये बातचीत में कहा, ''अक्टूबर में वस्तुओं के निर्यात ने 49.47 अरब डॉलर का नया उच्च स्तर हासिल किया। यह अब तक का सबसे अधिक मासिक वस्तु निर्यात मूल्य है। साथ ही, पिछले पांच वर्षों में 45.06 प्रतिशत की सबसे अधिक मासिक वृद्धि भी दर्ज की गई। सचिव ने कहा, ''अक्टूबर 2026 में देश का कुल निर्यात भी 89.99 अरब डॉलर रहने का अनुमान है, जो अब तक का सबसे अधिक मासिक निर्यात मूल्य है। अब तक किसी भी महीने में हमने 89.99 अरब डॉलर का निर्यात हासिल नहीं किया था। पिछले पांच वर्षों में यह 29.90 प्रतिशत की तीसरी सबसे अधिक मासिक वृद्धि भी है।''

निर्यात बाजार में सकारात्मक वृद्धि दर्ज

वाणिज्य सचिव ने कहा कि इस वृद्धि की उत्साहजनक बात यह है कि यह किसी खास क्षेत्र या भूगोल तक सीमित नहीं है, बल्कि विभिन्न देशों और क्षेत्रों में व्यापक आधार पर दर्ज की गई है। उन्होंने कहा, ''अक्टूबर 2026 में हमारे शीर्ष 50 निर्यात बाजारों में से 43 में 2025 की तुलना में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई।

नैटको फार्मा का लाभ 60.8% घटकर 202.6 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। दवा कंपनी नैटको फार्मा का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में 60.8 प्रतिशत घटकर 202.6 करोड़ रुपये रह



गया। कंपनी के राजस्व में गिरावट का असर उसके मुनाफे पर पड़ा। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में कंपनी ने 517.9 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

नैटको फार्मा ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि जुलाई-सितंबर 2026 तिमाही में उसकी परिचालन आय घटकर 967.3 करोड़ रुपये रह गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,363 करोड़ रुपये थी।

OFFICE OF THE DEAN COLLEGE OF AGRICULTURE, JABALPUR

Empanelment of teachers on Honorarium basis Walk-in-Interview.

Eligible candidate may appear for Walk-in-Interview along with the original Documents and an application form self attested photographs and photocopy of all documents on Dated 25 November 2026 at 11:00 am in the office of the Dean College of Agriculture, Jabalpur for the Empanelment of teachers on Honorarium basis. Details of the post and essential qualification can be downloaded from http://www.jnkvv.org.

IPRO/Dean/2026-27/129

Dean
College of Agriculture Jabalpur

M.P. STATE ELECTRONICS DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED
State IT Centre, 47-A, Arera Hills, Bhopal-462011 (M.P.)
www.mpsedc.mp.gov.in, 0755-2518300, marketing@mpsedc.com

NOTICE INVITING TENDERS (NIT)

MPSEDC invites online proposals for following bids on MP Tender:

S.No.	Tender No.	NIT
1	MPSEDC/ DRONE/2026/718	RFP for Drone-As-A service (Daas) for various projects of the State Government.

For detailed scope of work, terms and conditions please refer to the respective bid document available on MP Tender Portal **(www.mptenders.gov.in).**

M.P. Madhyam/129086/2026 EXECUTIVE DIRECTOR

वनमंडल अधिकारी दक्षिण (सा.) वनमंडल बालाघाट

सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि श्री देवेन्द्र करमेले पिता श्री तुकाराम करमेले संचालक मां भगवती सॉ मिल कटंगी जिला बालाघाट के द्वारा अपने स्वामित्व की आरामशीन (मां भगवती सॉ मिल) श्री रूपेन्द्र गिरी गोस्वामी पिता श्री अन्तुगिरी गोस्वामी निवासी वार्ड नम्बर 4 रेल्वे स्टेशन रोड कटंगी जिला बालाघाट को विक्रय की गई है, आरामशिन का संचालन हेतु संचालक का नाम विलोपित कर श्री रूपेन्द्र गिरी गोस्वामी पिता श्री अन्तुगिरी गोस्वामी का नाम दर्ज किये जाने बाबत् आवेदन पत्र इस कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है।

कलेण्डर वर्ष 2024 से 2028 तक आरामशीन के संचालक का नाम श्री देवेन्द्र करमेले पिता श्री तुकाराम करमेले संचालक मां भगवती सॉ मिल दर्ज है। अब आवेदन पत्र अनुसार श्री रूपेन्द्र गिरी गोस्वामी पिता श्री अन्तुगिरी गोस्वामी का नाम प्रारूप ग (1) में दर्ज किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी अन्य व्यक्ति को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशित होने के दिनांक से 15 दिनों के भीतर आपत्ति मूल दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरकर्ता/अनुज्ञप्ति अधिकारी के कार्यालय में प्रस्तुत करें। इस अवधि के पश्चात किसी भी प्रकार के दावें को मान्य नही किया जावेगा ।

G-21429/26

वनमंडल अधिकारी / अनुज्ञप्ति अधिकारी,
दक्षिण (सा.) वनमंडल बालाघाट

क्षेत्रीय कार्यालय, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जबलपुर

लोक सुनवाई की आम सूचना

भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव ऑकलन अधिसूचना क्रमांक एस.ओ. 1533 दिनांक 14.9.2006 यथा संशोधित प्रावधानों के अन्तर्गत सर्व सबंधितों को सूचित किया जाता है कि श्रीमती ममता भार्गव पत्नी श्री ब्रिज किशोर भार्गव, (हृदयनगर लेटेराईट एवं क्ले माईन) माईनिंग ऑफ मिनरल्स, प्रस्तावित रनऑफ माईन क्षमता 196593.50 टन/वर्ष (लेटेराईट-150001.20 टन/वर्ष, क्ले-5000.60, ओवर बर्डन /वेस्ट-41591.70 टन/वर्ष) रकवा 20.00 हेक्टेयर, ख. क. 428 (पार्ट) ग्राम हृदयनगर, तहसील-सिहोरा जिला-जबलपुर (म.प्र.) हेतु पर्यावरण स्वीकृति के लिये भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा गठित राज्य स्तरीय विशेषज्ञ ऑकलन समिति भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने के अनुक्रम में लोक सुनवाई कराने हेतु परियोजना प्रस्तावक द्वारा म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त परियोजना से संबंधित ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं परियोजना का कार्यकारी सारांश हिन्दी व अँग्रेजी में सॉफ्ट कॉपी सहित, का अवलोकन (1) कार्यालय कलेक्टर जबलपुर (2) कार्यालय जिला पंचायत, जबलपुर, (3) कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जबलपुर, (4) ग्राम पंचायत हृदयनगर, तहसील-सिहोरा जिला जबलपुर (5) अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक, केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन लिंक रोड क्रमांक 3 राजयोग भवन के पास ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल (6) मुख्यालय म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल एवं (7) क्षेत्रीय कार्यालय म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्लॉट नं 455/456 विजयनगर, जबलपुर में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है तथा इसे बोर्ड की वेबसाइट **www.mppcb.nic.in** पर भी देखा जा सकता है।

अत: जिस किसी व्यक्ति को उक्त खनन परियोजना के पर्यावरणीय विषय के संबंध में कोई सुझाव, विचार, टीका टिप्पणी एवं आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय अधिकारी म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विजय नगर जबलपुर (म.प्र.) के कार्यालय में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय मे प्रस्तुत की जा सकती है। उक्त परियोजना के लिए लोक सुनवाई दिनांक 18.12.2026 दिन शुक्रवार को अपरान्ह 1.00 बजे से ग्राम हृदयनगर खदान क्षेत्र के पास, तह. सिहोरा जिला-जबलपुर (म.प्र.) में आयोजित की जायेगी, इस दौरान भी सुझाव, विचार, टीका/टिप्पणी एवं आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

क्षेत्रीय अधिकारी

कार्यालय वनसंरक्षक, सामाजिक वानिकी वृत्त, जबलपुर (म.प्र.)
Phone- 761-2668554, E-mail : ccfre.jbp@mp.gov.in

// ई - निविदा सूचना //

क्र./स्टोर/2026/3040 जबलपुर, दिनांक-06/11/26

(1) निविदा प्रपत्र म.प्र. शासन की वेबसाईट **https://mptenders.gov.in** से डाउनलोड करें। (2) यह निविदा सामाजिक वानिकी वृत्त, जबलपुर के अंतर्गत शहरी रोपणी, जिला - जबलपुर, सरसवाही रोपणी जिला - कटनी, कटरा रोपणी जिला- मंडला तथा अमेरा रोपणी जिला - डिंडौरी में फेंसिंग कार्य के अंतर्गत चैनलिंक / बारबेड बायर / जी.आई. बायर तथा आर.सी.सी. फेंसिंग पोल्स का क्रय रोपणी स्थल तकं परिवहन सहित प्रदाय हेतु आमंत्रित की जा रही है। (3) सामग्री क्रय हेतु निविदा को निर्धारित प्रारूप में वेबसाईट **https://mptenders.gov.in** पर ऑन-लाईन पद्धति से प्रस्तुत किया जाना है। (4) निविदा प्रपत्र का मूल्य राशि रुपए 500/- है, निविदाऐं ऑनलाईन ही क्रय की जा सकेंगी एवं ऑनलाईन ही प्रस्तुत करने पर मान्य होंगी। (5) निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का विवरण निम्नानुसार हैं :-

विवरण	दिनांक	समय
Tender Publishing Date and Time	12-11-2026 03.00PM	निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का समय वेबसाईट https://mptenders.gov.in तथा www.mpforest.gov.in पर दर्शित है
Document Download Tender Sale Start Date and Time	12-11-2026 05.00 PM	
Bid Submission Start Date and Time	13-11-2026 12.00 PM	
Pre-Bid Meeting Date and Time	19-11-2026 03.00 PM	
Bid Submission Close Date and Time	23-11-2026 02.00 PM	
Bid Technical Openning Date and Time	25-11-2026 03.00 PM	

वनमंडल अधिकारी
सामाजिक वानिकी वृत्त, जबलपुर (म. प्र.)

G-21374/26

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी उत्तर शहडोल वनमण्डल - 484001 (म. प्र.)
फोन - 07652-245167 ई - मेल - dfotshahd@mp.gov.in

क्रमांक / व्यय / 2371 **ई - विज्ञप्ति** दिनांक- 12-11-2026

वनमण्डल अंतर्गत अनुभूति कार्यक्रम हेतु आवश्यक सामग्रियो के आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का नाम	निविदा का मूल्य	संत्याकार निधि
1	अनुभूति कार्यक्रम हेतु आवश्यक सामग्रियां	480000 .00	14400 .00

निविदा के संबंध मे संपूर्ण जानकारी एमपी ई टेन्डर http://mptenders.gov.in/ की ई निविदा क्रमांक **2026_MPFD_548228_1** से प्राप्त करे ।

(तरुणा वर्मा) भा.व. से.
वनमण्डलाधिकारी,
वनमण्डल उत्तर शहडोल

G-21393/26

मध्यप्रदेश शासन
नर्मदा घाटी विकास विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता अपर नर्मदा जोन, बरगी हिल्स, जबलपुर
Tel.No.- 0761-2673450 FAX No. - 0761-2672373 E-mail: ceunz.2010@rediffmail.com

निविदा क्रमांक 321/G/CE/2026, **निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय आमंत्रण)** जबलपुर, दिनांक 10/11/2026

निम्न कार्यों की ऑन लाईन निविदा ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम पार्टल से वेबसाईट **http://mptenders.gov.in** पर जारी की जा रही है। निविदा की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है :-

निविदा आई.डी. क्रमांक	:	2026_NVDA_548551_1
कार्य का विवरण	:	बरगी व्यपवर्तन परियोजना की दायी तट मुख्य नहर की आर.डी. 83.00 कि.मी. से आर.डी. 102.00 कि.मी. एवं आर.डी. 129.00 कि.मी. से आर.डी. 154.00 कि.मी. तक वितरण प्रणाली सहित के हिस्से की मरम्मत, रख रखाव और सिस्टम सुधार का काम 'टर्न की आधार पर किया जाएगा। इसमें नहर के तल (bed) और अंदरुनी व बाहरी ढलानों से झाड़-झंखाड़ हटाना, नहर के तल से गाद (silt) निकालना,ड्रेनेज साइफन, ड्रेनेज कलवर्ट,सुपर पैसेज आदि की सफाई शामिल है। साथ ही, तटबंध और ढलानों को उनकी भूल स्थिति में बहाल करना, नहर की लाइनिंग और अन्य संरचनाओं को तोड़कर फिर से बनाना भी इसमें शामिल है। लाइनिंग के खांचों (grooves) की सफाई और सीलिंग, खराब हो चुके ढलानों पर पत्थर की पिचिंग, क्रॉस ड्रेनेज संरचनाओं के लिए एप्रन लगाना, शफ्ड पर अप्रोच स्लैब का निर्माण, सुपर पैसेज ब्रिज स्लैब और पैरापेट की मरम्मत जैसे काम भी करने होंगे। ये सभी काम MPWRD एवं MPRRDA के डिजाइन, ड्रॉइंग और स्पेसिफिकेशन के अनुसार पूरे किए जाएंगे, जिसमें सभी सामग्री, लेबर, मशीनरी और अन्य खर्च शामिल होंगे। काम का दायरा विस्तृत होगा और इसमें ये सभी चीजें शामिल होंगी। प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद 12 महीने की 'डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड (खामियों के लिए ज़िम्मेदारी की अवधि) भी इस काम का हिस्सा है। (द्वितीय आमंत्रण)
अनुबंध की अनुमानित राशि (रू.लाख में)	:	रू.3095.94 लाख (जी.एस.टी. के बिना)
धरोहर राशि (रुपये में)	:	रू.1548000.00
निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपए में)	:	रु.50000.00 (नान रिफन्डेबल)
निविदा प्रपत्र क्रय करने का दिनांक	:	10-11-2026, 17:31 बजे से 27-11-2026, 17:30 बजे तक
धरोहर राशि प्रपत्र खोलने का दिनांक	:	30-11-2028, 10:30 बजे
कार्य पूर्णता अवधि	:	18 माह (वर्षाकाल सहित)

1. निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाईट पर केवल ऑनलाईन क्रय किया जा सकता है। ऑनलाईन भुगतान क्रेडिट कार्ड या इंटरनेट एकाउण्ट के माध्यम से किया जा सकता है। 2. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये उपरोक्त वेबसाईट का अवलोकन करें ।

(डी.एल.वर्मा) मुख्य अभियंता
अपर नर्मदा जोन, बरगी हिल्स, जबलपुर (म.प्र.)

G-21382/26 "स्वच्छता ही सेवा"

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव
मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग, जिला-जबलपुर (म.प्र.)

प्रारंभिक अधिसूचना

(देखिये धारा-11)

क्रमांक 44/अ.वि.अ./भू-अर्जन/2026 जबलपुर, दिनांक : 12.03.2026
रा.प्र.क्र. 0004/अ-82/2025-26

मौजा ग्राम-झलौन प.ह.नं.-44 न.ब.-165 तहसील-शहपुरा, जिला जबलपुर

चूँकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि अनुसूची-1 में कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी सागर नहर संभाग नरसिंहपुर को नर्मदा नदी पर चिनकी बोरास बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना के लिये डूब क्षेत्र हेतु भूमि की आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है।

सर्व संबंधित को यह सूचित किया जाता है कि चिनकी बोरास बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति (EC Identification No.-EC23B000MP119529) को राज्य स्तरीय पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण द्वारा दिनांक 30.01.2023 प्रदाय की गई है। भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-6 की उपधारा-2 के अनुसार सिंचाई परियोजनाओं के संबंध में जहां पर्यावरणीय प्रभाव निर्धारण की प्रक्रिया की तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के प्रावधानों के अधीन अपेक्षा की जाती, सामाजिक प्रभाव निर्धारण से संबंधित इस अधिनियम के प्रावधान लागू नही होंगे। अत: भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन सार्वजनिक सूचना के जरिये सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है, कि इसके द्वारा उक्त परियोजना हेतु अर्जित की जाने वाली प्रस्तावित भूमियों का विवरण- अनुसूची (1-2) में निम्नानुसार है :-

अनुसूची-1

1. परियोजना का नाम : चिनकी बोरास बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना के लिये डूब क्षेत्र हेतु ।
2. **भूमि का विवरण**
   1. जिला : जबलपुर
   2. तहसील : शहपुरा
   3. ग्राम : **झलौन**
   4. प.ह.न. : 44
   5. नं.बं. : 165
   6. अर्जित भूमि का क्षेत्रफल : 1.590 हेक्टेयर

अनुसूची-2

स. क्र.	हितबद्ध भूमिस्वामी का नाम एवं पता	स्वामित्व का प्रकार	खसरा नंबर	अर्जन हेतु प्रस्तावित रकबा हे. में
1.	बड़ीबाई पिता मथुरा प्रसाद पता जबलपुर मध्यप्रदेश किशन पिता विजय, पवन पिता विजय, गोपाल पिता विजय, कुंतीबाई बेवा विजय, मुनियाबाई पिता विजय पता झलौन शहपुरा जबलपुर	भूमिस्वामी	276 (s)	1.458
2.	दिब्बू पिता अनारी अहीर पता जबलपुर मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	281 (s)	0.004
3.	सन्तू पिता रामचरन पता जबलपुर मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	311/1 (s)	0.010
4.	घनश्याम पिता रामचरन मेहरा पता झलौन शहपुरा जबलपुर	भूमिस्वामी	311/2/1 (s)	0.019
5.	प्रभाबाई पत्नी दशरथ पता जबलपुर मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	313/1 (s)	0.016
6.	दुर्गाबाई पत्नी ईश्वरदास पता जबलपुर मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	313/2 (s)	0.063
7.	ज्योति बाजपेई पत्नी हरिकांत ब्राम्हण पता झलौन शहपुरा जबलपुर	भूमिस्वामी	161 (s)	0.020
			कुल योग	1.590

1. यह अधिसूचना इससे संबंधित सभी व्यक्तियों के लिये भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (2013 का 30) की धारा 11 (1) उपबंधों के अधीन जारी की गई है।
2. राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक-एफ भोपाल दिनांक-एफ 16-15(7)-2014-सात-शा, 2ए भोपाल दिनांक 29.09.2014 जिसका मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 03.10.2014 के पृष्ठ क्रमांक 2895 पर प्रकाशन किया गया है। उक्त अधिसूचना के परिपालन में अनुविभागीय अधिकारी (रा.) शहपुरा को अधिनियम की धारा-12 द्वारा दी गई शक्ति का प्रयोग करने के लिए निर्देशित किया जाता है।
3. सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-12 में यथा उपबंधित एवं विनिर्दिष्ट कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी सागर नहर संभाग नरसिंहपुर और उसके कर्मचारिवृंद को भूमि में प्रवेश करने और उसका सर्वेक्षण करने, किसी भी भूमि के स्तर लेने, अवमृदा में खुदाई करने या वेधन करने और अपने कार्य के उचित निष्पादन के लिये अपेक्षित सभी अन्य कार्य करने के लिये प्राधिकृत करती है।
4. अधिनियम की धारा-11(4) के अधीन कोई भी व्यक्ति कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से भूमि का कोई भी, किसी भी तरह का संव्यवहार नहीं करेगा या कोई भी संव्यवहार नहीं होने देगा अर्थात क्रय/विक्रय आदि नहीं करेगा या ऐसी भूमि पर कोई भी विल्लंगम सृजित नहीं करेगा।
5. अधिनियम की धारा-15 (1) के अधीन यथा उपबंधित इस सूचना के **प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर** किसी हित प्रभावित व्यक्ति द्वारा भूमि अर्जन के बारे में अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी (रा.) अनुभाग-शहपुरा, जबलपुर के कार्यालय में आक्षेप यदि कोई हों फाइल किए जा सकेंगे।
6. अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि का नक्षा प्लान का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.) शहपुरा कार्यालय जिला जबलपुर और कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी सागर नहर संभाग नरसिंहपुर को नर्मदा नदी पर चिनकी बोरास बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को कार्य समय के दौरान देखा जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
हस्ता./- (राघवेंद्र सिंह IAS)
कलेक्टर जबलपुर एवं पदेन अपर सचिव
मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

म.प्र. माध्यम/129079/2026

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)

निविदा सूचना क्रमांक 19/मु. अ. (सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2026-27 **निविदा सूचना** भोपाल, दिनांक 11/11/2026

मध्य प्रदेश लो.नि.वि. द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है ।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु ।
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2026_PWDRB_548707_1	अनूपपुर	पुल कार्य	अनूपपुर जिले के अंतर्गत अनूपपुर जैतपुर मार्ग के कि. मी. 3/8 में सोन नदी पर पहुँचमार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य ।	द्वितीय	1029.06	केवल ऑन-लाईन
2	2026_PWDRB_548708_1	शहडोल	पुल कार्य	शहडोल जिले के अंतर्गत मैका - लफदा - चुहिरी मार्ग के कि.मी. 9/10 में सोन नदी पर पहुँच मार्ग सहित उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य ।	द्वितीय	1024.39	केवल ऑन-लाईन
				कुल योग		2053.45	

निविदा प्रपत्र वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त क्रय किया जा सकेगा निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 02/12/2026 (17:30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधनों का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा ।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि. सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल

G-21423/26 "पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन), लोक निर्माण विभाग, मण्डला (म. प्र.)

NIT NO. 30/2026/Centralized Tender/G/CE(B) JABALPUR, DATED - 06.11.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपर्युक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	ठेके की अनु मानित लागत पी.ए.सी (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यपूर्ण करने का समय वर्षाकाल सहित	कार्यालय का नाम जहाँ ई.एम.डी एवं बिड प्राप्त की जावेगी	निविदा की श्रेणी/ निविदा काल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWPIU_548421_1	चुटका परियोजना अंतर्गत विस्थापितों हेतु ग्राम गोंझी तहसील मण्डला में पूर्व से निर्मित आवासीय 330 भवनों में एक नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित (प्रथम आमंत्रण)	1072.21	1000000/-	30000/-	18 माह वर्षाकाल सहित	मुख्य अभियंता (भवन), लो.नि.वि. परिक्षेत्र - जबलपुर	लोक निर्माण विभाग में नवीन श्रेणी का पंजीकरण (प्रथम आमंत्रण)

1 निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट http://mptenders.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किए जा सकेंगे ।
2 निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट / डेबिट / कैशकार्ड / इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3 निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 13.11.2026 समय 9.00 बजे से दिनांक 04.12.2026 समय 18.00 बजे तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देख

चिंतन

अच्छी सड़कों के बाद अब हादसों पर लगाम जरूरी

सड़कों का विकास किसी भी देश की आर्थिक प्रगति और आधुनिक बुनियादी ढांचे का महत्वपूर्ण पैमाना है। बेहतर सड़कें आवागमन आसान बनाती हैं, समय और ईंधन बचाती हैं तथा कारोबार को गति देती हैं, लेकिन इनका वास्तविक लाभ तभी है, जब सफर सुरक्षित भी हो। देश में एक्सप्रेसवे, हाइवे और चौड़ी सड़कों का जाल बिछाने के साथ अब सड़क हादसों पर प्रभावी अंकुश लगाना भी उतना ही जरूरी हो गया है। असम के काजीरंगा में मिनी बस और कंटेनर ट्रक की आमने-सामने टक्कर में विद्यार्थियों समेत कई लोगों की मौत इसी गंभीर चुनौती की याद दिलाती है। इस हादसे में करीब 23 लोगों की मौत हो गई है, लेकिन यह तथ्य चिंताजनक है कि दुर्घटनाग्रस्त मिनी बस के पहले ही 12 चालान कट चुके थे। सवाल है कि बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाला वाहन सड़कों पर बेखौफ कैसे दौड़ता रहा? केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़े देश में सड़क सुरक्षा की भयावह तस्वीर पेश करते हैं। संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में देश में 5,13,563 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 1,83,382 लोगों की जान चली गई। यानी हर दिन औसतन 500 से अधिक लोग सड़क हादसों में दम तोड़ रहे हैं। हर साल 4.71 लाख से अधिक लोगों का घायल होना भी बताता है कि सड़क दुर्घटनाएं कितने बड़े सामाजिक और आर्थिक संकट का रूप ले चुकी हैं। इन हादसों के पीछे सबसे बड़ा कारण तेज रफ्तार है। आंकड़ों के मुताबिक, सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में करीब 70.3 प्रतिशत हिस्सेदारी ओवरस्पीड की है। गलत दिशा में वाहन चलाना, शराब पीकर गाड़ी चलाना और हेलमेट या सीटबेल्ट का इस्तेमाल नहीं करना भी जानलेवा साबित हो रहा है। हादसों में मरने वालों में 66 प्रतिशत से अधिक युवा हैं। दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों में 46.2 प्रतिशत हिस्सेदारी दोपहिया वाहन चालकों की है। स्पष्ट है कि सड़क पर सबसे ज्यादा जोखिम उन लोगों को उठाना पड़ रहा है, जिनके पास सुरक्षा के साधन भी सीमित हैं। सड़क सुरक्षा की समस्या का समाधान केवल नए हाइवे बनाने या दुर्घटना के बाद मुआवजा देने से नहीं होगा। इसके लिए नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना होगा। बार-बार नियम तोड़ने वाले चालकों के लाइसेंस निलंबित करने, वाहनों के परमिट रद्द करने और उनकी फिटनेस की अनिवार्य जांच जैसी कार्रवाई होनी चाहिए। ओवरस्पीडिंग रोकने के लिए कैमरों, स्पीड गन और तकनीक आधारित निगरानी का दायरा बढ़ाना होगा। इसके साथ ही सड़क इंजीनियरिंग की खामियों को दूर करना, ब्लैक स्पॉट चिह्नित करना, पर्याप्त संकेतक लगाना और दोपहिया चालकों के लिए सुरक्षित लेन जैसी व्यवस्थाएं भी जरूरी हैं। दुर्घटना के बाद शुरुआती एक घंटे को गोल्डन आवर कहा जाता है। इस दौरान घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस, प्रशिक्षित बचाव दल और ट्रॉमा सेंटर की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। सड़क सुरक्षा केवल सरकार या यातायात पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है। वाहन चालकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। हेलमेट और सीटबेल्ट का इस्तेमाल, निर्धारित गति सीमा का पालन और नशे में वाहन न चलाने जैसी सावधानियां जीवन बचा सकती हैं। स्कूलों और कॉलेजों में भी सड़क सुरक्षा को जागरूकता अभियान तक सीमित रखने के बजाय व्यवहार का हिस्सा बनाने की जरूरत है। विकसित भारत का सपना तभी सार्थक होगा, जब सड़कें केवल तेज रफ्तार और सुविधाजनक सफर का माध्यम नहीं, बल्कि सुरक्षित यात्रा की गारंटी भी बनें।



मुद्दा
अखिलेश आर्येन्दु

वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ते कदम

पिछले कुछ महीनों में विश्व राजनीति के समीकरण तेजी से बदले हैं। इनमें भारत की भूमिका महत्वपूर्ण और दुनिया के लिए विश्वसनीय बन रही है। ऐसे में सवाल उठाया जा रहा है कि क्या आने वाले वक्त में भारत की वैश्विक शक्ति बनने की आकांक्षा पूरी हो पाएगी, ऐसे में जब देश के सामने आर्थिक, सामाजिक और लोकतांत्रिक चुनौतियों का भी प्रभावी समाधान करने की चुनौती होगी? भारत के लिए आजादी के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है, जब सयुंक्त राष्ट्र संघ में भारत के वीटो पावर के अधिकार के लिए कुछ देशों को छोड़, भारत के लिए स्थायी सदस्यता पर सहमति बनी है। यही नहीं, चीन और अमेरिका ने भी भारत को स्थायी सदस्यता देने में कोई रोड़ा खड़ा नहीं किया है। दुनिया इस समय ऐसे संक्रमण काल से गुजर रही है, जिनमें पुरानी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की सीमाएं स्पष्ट दिखाई देने लगी हैं।

पिछले कुछ महीनों में विश्व राजनीति के समीकरण तेजी से बदले हैं। इनमें भारत की भूमिका महत्वपूर्ण और दुनिया के लिए विश्वसनीय बन रही है। ऐसे में सवाल उठाया जा रहा है कि क्या आने वाले वक्त में भारत की वैश्विक शक्ति बनने की आकांक्षा पूरी हो पाएगी, ऐसे में जब देश के सामने आर्थिक, सामाजिक और लोकतांत्रिक चुनौतियों का भी प्रभावी समाधान करने की चुनौती होगी? भारत के लिए आजादी के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है, जब सयुंक्त राष्ट्र संघ में भारत के वीटो पावर के अधिकार के लिए कुछ देशों को छोड़, भारत के लिए स्थायी सदस्यता पर सहमति बनी है। यही नहीं, चीन और अमेरिका ने भी भारत को स्थायी सदस्यता देने में कोई रोड़ा खड़ा नहीं किया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका-चीन के बीच राजनीतिक स्पर्धा, वैश्विक व्यापार में संरक्षणवाद और तकनीकी वर्चस्व की होड़ ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को जटिल बना दिया है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद स्थापित वैश्विक संस्थाएं भी बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने में कठिनाई महसूस कर रही हैं। ऐसे समय में भारत के सामने अवसर भी हैं और जिम्मेदारियां भी। सवाल महज यह नहीं है कि भारत विश्व की प्रमुख तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगा कि नहीं, बल्कि यह भी है कि वह अंतरराष्ट्रीय निर्णय प्रक्रिया को अधिक महत्वपूर्ण और न्यायपूर्ण संतुलित बनाने में प्रभावी भूमिका निभा पाएगा? पिछले दस सालों में भारत जिस तरह से दुनिया के लिए विश्वसनीय देश बनकर उभरा है, उसमें वैश्विक भूमिका निभाने के अवसर अब साफ-साफ दिखाई देने लगे हैं। पिछले दिनों घटनाक्रमों के वैश्विक घटनाक्रम पर नजर दौड़ाएं तो साफ दिखाई दे रहा है कि भारत की भूमिका दुनिया में सबसे सशक्त और निष्पक्ष बात करने वाले देश के रूप में हर मंच पर स्वीकार की जा रही है। वह चाहे ब्रिक्स हो, संयुक्त राष्ट्र संघ हो या अन्य कोई संस्था हो। भारत ने वैश्विक मंच पर जिस तरह से एक जिम्मेदार और सबको साथ लेकर चलने वाले देश के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है, उससे दुनिया के देश भारत को एक नेतृत्वकर्ता शक्ति सम्पन्न देश के रूप में सम्मान देने लगे हैं। यही वजह है अमेरिका, चीन, सऊदी अरब जैसे देश भारत के बढ़ते प्रभाव से बेचैन दिखते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी को विश्व के अधिकांश देशों का समर्थन यह बताता है कि भारत वह भारत नहीं रहा जो तीन-चार दशक पहले था। आज भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश ही नहीं, बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र, तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और संयुक्त राष्ट्र संघ के शांति अभियानों में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता होने के कारण दुनिया बेहद आशापूर्ण नजरों से देख रही है। वहीं, दूसरी तरफ भारत के सामने आंतरिक चुनौतियां कम नहीं है। ये चुनौतियां ऐसी हैं जिसका समाधान जमीनी स्तर पर नहीं किया गया तो कई और बेहद गंभीर चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। यानी सरकार के सामने दो बड़ी चुनौतियां हैं-एक वैश्विक मंच पर अपनी बेहतर भूमिका और जिम्मेदारी के तहत अपनी छवि को बरकरार रखना और दूसरी देशविरोधी



ताकतों को उभरने से रोकना और विकास दर को लगातार बढ़ाते रहना व साम्प्रदायिक सद्भाव को हर कीमत पर बनाए रखना। सितंबर 2026 में नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्कता की चर्चा को केंद्र में रखा। भारत के लिए ब्रिक्स महज आर्थिक मदद का मंच नहीं, बल्कि विकासशील देशों की समस्याओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने का बेहतरीन अवसर भी है। खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, विकास वित्त और तकनीकी असमानता ऐसे विषय हैं, जिन पर भारत प्रभावी ढंग से पहल कर सकता है। इसके माध्यम से पश्चिम एशिया के बढ़ते घटनाक्रम को किसी नकारात्मक परिणाम पर पहुंचने से रोकने की जो कवायदें की गईं, उससे ब्रिक्स की अहमियत सारी दुनिया ने अनुभव किया। भारत जिस तरह से ब्रिक्स के माध्यम से महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर अपनी भूमिका को बेहतर तरीके से रखता रहा है, उससे साफ है कि सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर, वह चाहे जलवायु परिवर्तन हो या ग्रीन हाउस गैसों की कटौती का मामला हो, अमेरिका के दबाव में आने वाला नहीं है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की रणनीतिक स्वयत्तता खास महत्व रखती है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीक और व्यापारिक संबंध महत्वपूर्ण हैं। रूस के साथ ऐतिहासिक रक्षा सहयोग और ऊर्जा संबंध हैं। चीन के साथ सीमा विवाद तथा आर्थिक प्रतिस्पर्धा की परिस्थितियां हैं। यूरोपीय देशों के साथ निवेश और तकनीकी सहयोग की संभावनाएं हैं। वहीं पश्चिम एशिया भारत की ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों के हितों से जुड़ा हुआ है। ऐसी परिस्थितियों में भारत की किसी एक शक्ति के प्रभाव में आए बिना अपने राष्ट्रीय हितों के बारे में निर्णय लेने होंगे। लेकिन वैश्विक प्रतिष्ठा का मूल्यांकन महज विदेश नीति से नहीं होता। देश की आंतरिक आर्थिक और सामाजिक स्थिति भी अंतरराष्ट्रीय छवि को प्रभावित करती है। भारत की अर्थव्यवस्था में बुनियादी ढांचे, डिजिटल भुगतान, परिवहन, आंतरिक अनुसंधान और विनिर्माण के क्षेत्र में विस्तार हुआ है। इसके बावजूद विकास का फायदा समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाना बहुत बड़ी चुनौती है। सरकार के सामने महंगाई और रोजगार के अलावा स्वास्थ्य ऐसे बड़े सवाल हैं जिनका सीधा संबंध आम आदमी से है। सितंबर 2026 में भारत की खुदरा महंगाई दर 5.54 प्रतिशत दर्ज की गई थी, जबकि खाद्य महंगाई दर 7.74 प्रतिशत रही। अक्टूबर के लिए अर्थशास्त्रियों के सर्वेक्षण में खुदरा महंगाई दर 6.21 प्रतिशत पहुंच गई। इसकी वजह खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि, निम्न और मध्यम आय वाले परिवारों को प्रभावित करती है। इसलिए आर्थिक विकास के साथ महंगाई पर नियंत्रण और रोजमर्रा की वस्तुओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करना भी जरूरी है। इसी तरह रोजगार के मोर्चे पर भी विकास की गुणवत्ता का सवाल अत्यंत महत्वपूर्ण है। 10 नवंबर 2026 को जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार बेरोजगारी दर में मामूली घटकर 5.1 दर्ज की गई। यदि हम देश के सामने चुनौतियों पर समग्र रूप से नजर डालें तो रोजगार में गिरावट, महंगाई दर में बढ़ोत्तरी, स्वास्थ्य सेवा-क्षेत्र में नकली दवाइयों से बढ़ती स्वास्थ्य समस्याएं और मौतों का बढ़ता आंकड़ा और जलवायु परिवर्तन की वजह से कृषि क्षेत्र में बढ़ती तमाम तरह की चुनौतियां, यह स्पष्ट करती हैं कि केंद्र और राज्य सरकारों को और भी कारगर कदम उठाने होंगे जिससे आंतरिक चुनौतियों से निपटा जा सके। अभी केंद्र सरकार के सभी फैसले जनहित में रहे हैं, लेकिन और भी बेहतर करने की जरूरत है जिससे सब का साथ, सब का विश्वास, सब का प्रयास और सब का विकास समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्पष्ट दिखाई दे।

(लेखक स्वतंत्र स्तम्भकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

बाल दिवस विशेष
रोहित कौशिक



बचपन बचाने की सतही चिंता

बच्चे किसी भी समाज या राष्ट्र का भविष्य होते हैं। भारत वर्ष में बच्चों की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। हमारे देश का दुर्भाग्य यही है कि यहां बचपन बचाने की चिन्ता मात्र खोखले आदर्शवाद के दायरे में ही सिमट कर रह गई है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि व्यावसायिकता से परिपूर्ण एवं भाग-दौड़ भरी जिन्दगी में सम्पूर्ण वर्ष हमें बच्चों का ख्याल ही नहीं आता है और बचपन बचाने की चिन्ता का यह पिटारा बाल-दिवस के आसपास खुलता है। इसके बाद समाज का बुद्धिजीवी वर्ग सक्रिय हो उठता है और उसे यह चिन्ता सताने लगती है कि आज बच्चों का बचपन कैसे बचाया जाए। यदि मात्र बाल दिवस पर परिचर्चाएं एवं गोष्ठियां आयोजित कर पूरे वर्ष चुप बैठने से ही इस प्रश्न का हल ढूंढा जा सकता तो अब तक बच्चों के बचपन पर छाई धुन्ध हट गई होती । यह विडंबनापूर्ण ही है कि आज बच्चों के बचपन पर छाई धुंध और गहराती जा रही है। आज एक ओर विभिन्न चैनलों द्वारा टीवी पर परोसी जा रही अश्लीलता से बच्चों का बचपन असुरक्षित होता जा रहा है तो वही हिंसापूर्ण फिल्में बाल भावनाओं को विकृत कर रही हैं। कहीं बस्तों के बोझ से बच्चों का बचपन दब गया है तो कहीं शिक्षा के अभाव में बच्चे दर-दर की ठोकरे खाने को मजबूर हैं। एक ओर बच्चे मानवीय अत्याचार से पीड़ित हैं तो दूसरी ओर पारिवारिक विघटन का असर बच्चों पर पड़ रहा है। आशानुरूप परिणाम न मिलने के कारण माता-पिता के डर से अनेक बच्चे आत्महत्या करने पर मजबूर हो जाते हैं। इस तरह की अनेक घटनाएं अक्सर प्रकाश में आती रहती हैं। आज बच्चों के बचपन से सम्बन्धित ऐसे ही अनेक प्रश्नों पर गम्भीरता के साथ पुनर्विचार की आवश्यकता है। सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च द्वारा जारी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि टीवी पर दिखाई जाने वाली हिंसा से बच्चों के दिलो दिमाग पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। सस्पेंस ,थ्रिलर, हॉरर शॉ और सोप ओपेरा देखने वाले बच्चे जटिल मनोवैज्ञानिक समस्याओं से प्रभावित हो जाते हैं। आज यह भी देखने में आ रहा है कि हम अक्सर बच्चों के मनोविज्ञान को समझे बिना अपनी इच्छाएं उन पर थोप देते हैं। ऐसे में बच्चे जिस अन्तर्द्वन्द्व की अवस्था से गुजरते हैं, वह अन्ततः अनेक समस्याओं को जन्म देता है। यदि बच्चों की इच्छाओं के समक्ष घुटने टेक दिए जाएंगे तो उनके और अधिक जिद्दी बनने और गलत रास्ते पर चलने की सम्भावना बढ़ जाएगी। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि हम बच्चों की इच्छाओं को कोई महत्व ही न दें।

अमूमन होता यह है कि हम शुरू में बच्चे को बहुत अधिक प्यार करते हैं। ऐसे में माता-पिता से बच्चे की अपेक्षाएं भी बढ़ जाती हैं। अपनी इन्हीं अपेक्षाओं के अनुरूप जब बच्चा अपनी इच्छाएं माता-पिता से बताता है तो वे उसे डांट-फटकार कर चुप कर देते हैं। माता-पिता का यह व्यवहार ही बच्चों को विद्रोही एवं चिड़चिड़ा बना देता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम प्रारम्भ से ही बच्चों के साथ एक संतुलित रवैया अपनाएं। बच्चों को ठीक ढंग से समझने के लिए हमें अपने अंदर एक मनोवैज्ञानिक दृष्टि भी विकसित करनी होगी। हमें कोशिश करनी होगी कि हम बच्चों को विश्वास में ले सकें। अक्सर यह देखने में आया है कि माता-पिता स्वयं जिस लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाते हैं वे उस लक्ष्य तक अपने बच्चों को पहुंचाने की कोशिश करते हैं। वे इस जुनून में यह भी परवाह नहीं करते कि वास्तव में बच्चे की अपनी इच्छा क्या है? वे यह भी जानने की कोशिश नहीं करते कि बच्चे में उस लक्ष्य तक पहुंचने की क्षमता है भी या नहीं। निश्चित रूप से बच्चे के उज्जवल भविष्य का स्वप्न देखना और उस स्वप्न को साकार करने का प्रयास करना गलत नहीं है, लेकिन यह सब यथार्थ के धरातल पर होना चाहिए। आज की महानगरीय जीवन शैली में माता और पिता दोनों ही अपने-2 कामों में व्यस्त रहते हैं। ऐसे में भी बच्चों की उचित एवं सम्पूर्ण देखभाल प्रभावित होती है। बच्चों को आया या नौकर के सहारे छोड़ दिया जाता है। व्यावसायिकता के इस दौर में किड गार्डन संस्कृति भी खूब फल-फूल रही है। नौकर एवं किड गार्डन कुछ समय तक तो बच्चों की देखभाल कर सकते हैं लेकिन समस्या तब आती है, जब अत्यधिक व्यवस्ता के कारण माता-पिता बच्चों को मात्र इस व्यवस्था के सहारे ही छोड़ देते हैं। कुछ मामलों में तो पति और पत्नी दोनों का काम पर जाना मजबूरी होती है लेकिन महानगरों में दोनों ही अपनी अलग-अलग जिन्दगी जीना चाहते हैं। ऐसे में बच्चों को भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है। बच्चों के लालन-पोषण के लिए मात्र सुख-सुविधाओं की ही आवश्यकता नहीं होती है बल्कि सबसे अधिक आवश्यकता होती है, उस स्नेह की जो सच्चे अर्थों में उनके अन्दर एक विश्वास पैदा करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि आज हमने और अधिक पैसा कमाने की होड़ एवं आधुनिक बनने के चक्कर में मानवीय मूल्यों को भी तिलांजलि दे दी है। इस दौर में बचपन बचाने की सतही चिंता छोड़कर हमें पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर कुछ ठोस प्रयास करने होंगे।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संयमहीनता लक्ष्य विमुख कर देती है



संकलित
दर्शन

भगवान श्रीराम हर पल आत्मस्थिति में रहे। वे तनिक भी असंयमित नहीं हुए। असंयम लक्ष्य विमुख कर देता है। जब हम किसी से प्रतिस्पर्धा का भाव रखते हैं, तब उस व्यक्ति के गुण और उसके कार्यों को हम किसी और ढंग से देखते हैं। उसी व्यक्ति से जब हमारा राग होता है, तो हम उसके हर कार्य में श्रेष्ठता ही देखते हैं। द्वेष होने पर हम न्यूनता और दोषों को ही खोजते हैं। आसक्ति होने पर उसके प्रति हम अपना सर्वस्व न्योछावर करने में भी तनिक संकोच नहीं करते हैं। हमारी यह इंद्वधनुषीय दृष्टि और वृत्ति जब किसी पद और अधिकार प्राप्त व्यक्ति के साथ जुड़ जाती हैं, तब वह व्यक्ति विकार को और भी विकृत कर उसे व्यापक बना देता है, तब उस मनःस्थिति में निर्णय देने, सामाजिक व्यवहार करने में वह अपने अधिकारों का दुरुपयोग करता हुआ स्वयं और समाज को गर्त में डाल देता है। श्रीरामचरितमानस में गुरु वशिष्ठ ने श्रीभरत के अंदर तब इस त्रिपुटी की प्रधानता स्वीकारी, जब श्रीभरत भगवान की पादुकाओं को अपने सिर पर लेकर आए और गुरुदेव वशिष्ठ से पूछा कि यदि आपका मंगलाशासन हो तो मैं पादुका रूप प्रभु को नंदीग्राम जाकर सिंहासनासीन कर वहीं से राज्य का कार्य संभाल लूंगा? तब गुरुदेव ने मानो भरत से यही कहा कि समुझाव (समझ) के रूप में तुम्हारे अंदर विधायिका के गुण हैं, कहब (कथन) के रूप में न्यायपालिका के गुण हैं और करब (करनी) के रूप में कार्यपालिका के गुण हैं। भरत ऐसे भक्त हैं, जिन्होंने अपनी समझ, कथन, और करनी का योग भगवान के चरणों में अर्पित कर दिया। गुरु वशिष्ठ ने कहा कि भरत! तुम्हारे जीवन में तो धर्मसार है। भरत में यदि किंचित मात्र भी मैं होता तो वे लोक, वेद, राजनीत या साधुनीति में से किसी एक का खंडन अपने स्वाभिमान के नाम पर अपनी स्थापना कर देते।

ईर्ष्यालु किसी को सुखी नहीं देख सकता



संकलित
प्रेरणा

एक महिला कुबड़ी थी जिसकी वजह से वह झुककर चलती थी। सभी लोग उसका उपहास उड़ाते थे। बच्चे तो जब-तब उसे 'कुबड़ी-कुबड़ी' कहकर परेशान करते रहते थे। एक दिन वह कहीं जा रही थी कि सहसा रास्ते में उसकी भेंट नारद जी से हो गई। नारद ने उस महिला पर तरस खाते हुए कहा, 'आओ बहन! मेरे पास आओ। मैं अपने योगबल से तुम्हारा कूबड़ ठीक कर दूंगा।' महिला बोली, 'भगवान! आप अंतर्यामी हैं। आप तो जानते ही है कि लोग मेरा कितना मजाक उड़ाते हैं। मुझे सदैव यह कहकर चिढ़ाते रहते हैं कि, देखो वह कुबड़ी जा रही है। यदि आप मुझ पर मेहरबानी कर ही रहे हैं तो मेरे कूबड़ की फिक्र मत कीजिए। आप बस इतना कर दीजिए कि जो लोग मेरा मजाक उड़ाते हैं, उन सबके भी कूबड़ निकल आए।' नारद जी ने उस महिला का उत्तर सुना तो हक्के-बक्के रह गए। आश्चर्यचकित होकर बोले, 'बहन, दूसरों के कूबड़ निकल आने से तुम्हें क्या मिलेगा।' बुढ़िया बोली, 'मैं उन्हें भी अपनी तरह चलते और दूसरों द्वारा उपहास होते देखूंगी तो मन को शांति मिलेगी।' नारद जी सोचने लगे यह महिला चाहती तो मेरी कृपा से अपना कूबड़ ठीक करा सकती थी। लेकिन उसने हाथ आए अवसर को दूसरों के नुकसान के रूप में ही भुनाने की कामना की। ईर्ष्यालु व्यक्ति की प्रकृति यही होती है कि वह दूसरों को सुखी-संपन्न देखकर उनके जैसा उन्नत, संपन्न और सुखी होने की प्रेरणा ग्रहण नहीं करता, बल्कि सुखी लोगों को दुखी करने और नीचे गिराने का प्रयास करता है। बुढ़िया का मनोरथ पूरा करने का उनका कोई इरादा नहीं था।

अंतर्मन



आज की पाती

इस बार भी मनाई गई धुएं वाली दिवाली

दुनिया का सबसे बड़ा पर्व दीपावली भारत सहित दुनियाभर के अनेक देशों में मनाया गया। दीपावली के त्योहार पर हर बार अपील होती है कि इसे इस तरह मनाया जाए कि प्रदूषण न फैले और अग्निकांड भी न हों। परंतु हर बार की तरह इस बार भी धुएं वाली दिवाली मनाई गई और लोगों ने खूब पटाखे फोड़े। आश्चर्य की बात तो यह है कि रात दो बजे भी पटाखे चलते सुने गए। अब दिवाली खत्म हो गई है, परंतु पटाखे अब भी चल रहे हैं। दिल्ली सहित हर प्रदेश में खूब प्रदूषण फैला। वायु गुणवत्ता सूचकांक के अनुसार हर शहर और कस्बे को प्रदूषण की मार झेलनी पड़ी। स्वच्छ हवा में सांस लेना तक मुश्किल हो गया। आग की घटनाएं भी इस बार पहले की अपेक्षा बढ़ गईं।

- **सुनीता शर्मा,** पंचकूला

ट्रेंड

टीबी से मौतों में कमी



टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई उत्साहजनक परिणाम दिखा रही है! डब्ल्यूएचओ की 'ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट 2026' भारत की उल्लेखनीय प्रगति को दर्शाती है। 2015 के बाद से टीबी से होने वाली मौतों में 38% की कमी आई है, जो 35% की वैश्विक गिरावट से बेहतर है।

- **जेपी नड्डा,** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

केंद्र सरकार की आदत



केंद्र सरकार की आदत बन गई है कि वह हर बात के लिए पंजाब को दोष देती है। हमारी सरकार के सहयोग, मशीनों की उपलब्धता और किसानों की जागरूकता की बदौलत, इस बार पराली जलाने की घटनाओं में काफी कमी आई है।

- **भगवंत मान,** सीएम, पंजाब

महापर्व 'छठ पूजा'



लोक आस्था के महापर्व 'छठ पूजा' का पहला अनुष्ठान 'नहाय-खाय', शरीर और मन की शुद्धि, आत्मा की पवित्रता और सूर्य देव की उपासना के पावन संकल्प का प्रतीक है। हमारी सरकार ने इस वर्ष पूरी दिल्ली में 1,400 छठ घाटों पर विशेष प्रबंध किए हैं।

- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

लोकतंत्र का मूल सार



लोकतंत्र का मूल सार ही यह है कि सवालों के जवाब पूरे आत्मविश्वास, सच्चाई और साहस के साथ दिए जाएं। राहुल गांधी की चुनौती इसी लोकतांत्रिक परंपरा को आगे बढ़ाने के बारे में है। आइए, बहस के लिए मंच तैयार करें, खुली बातचीत करें।

- **सचिन पायलट,** पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री

करंट अफेयर

हुआंग की ताइवान में छवि धूमिल, लोकप्रियता भी घटी

एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसेन हुआंग अपने जन्मस्थान ताइवान में किसी रॉक स्टार की तरह लोकप्रिय थे। हालांकि, एक कथित चीनी एजेंट के साथ उनके प्रेम संबंधों की अमेरिकी संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) द्वारा जांच शुरू किए जाने के बाद उनकी यह छवि धूमिल हो गई है। दुनिया के अन्य हिस्सों की तरह ताइवान में भी हुआंग और एलिस हुआंग नाम की एक चीनी कारोबारी महिला के संबंधों को लेकर सामने आए विवाद से लोग हैरान हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने कथित तौर पर एलिस को चीनी जासूस बताया है। वर्ष 2025 में राजधानी ताइपे के एक रेस्तरां में दोनों के जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और दुनियाभर के समाचार माध्यमों में प्रसारित हुआ। हुआंग ने बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे दिया। बुधवार देर रात मीडिया में आई उन खबरों के बाद उनकी मुश्किलें और बढ़ गईं, जिनमें कहा गया था कि एनवीडिया के एक कर्मचारी के साथ भी उनके विवाहेतर संबंध थे और वह कर्मचारी सीधे उन्हें रिपोर्ट करता था।



ऑफ बीट

बच्चे को नुकसान पहुंचाने के डरावने विचार आना सामान्य

माता-पिता बनने की खबर दोस्तों और परिवार को देते ही आपको उनकी ओर से ढेरों सलाह मिलने लग जाती हैं। हर कोई बताने लगता है कि बच्चे की देखभाल कैसे करनी है, किन बातों का ध्यान रखना है और क्या करना चाहिए। लेकिन इस दौरान होने वाले एक ऐसे आम अनुभव के बारे में शायद ही कोई बात करता है, जिसका असर माता-पिता की मानसिक सेहत पर लंबे समय तक रह सकता है। चिकित्सकीय भाषा में इसे 'पेरिनेटल इंट्रूसिव थॉट' (प्रसवकालीन अनचाहे विचार) कहा जाता है यानी गर्भावस्था के दौरान या बच्चे के जन्म के बाद के पहले वर्ष में अचानक मन में अवांछित, डरावने और परेशान करने वाले विचारों का आना। ये ऐसे विचार होते हैं जो अचानक मन में आते हैं और ये नकारात्मक होते हैं। आमतौर पर ये उन घटनाओं से जुड़े होते हैं जिनसे हम डरते हैं या जिन्हें घटित होते नहीं देखना चाहते। मसलन, किसी बैठक में अचानक मुंह से कोई अनुचित बात निकल जाने का ख्याल आना। बच्चे के जीवन के पहले वर्ष को यहां प्रसवकालीन अवधि कहा गया है।



हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

कुल देवी देवताओं के पूजन के साथ व्रत प्रारंभ

नहाए खाए के साथ छठ पर्व की शुरुआत

जबलपुर। छठ महापर्व पूजा का रीति और परम्परा की दृष्टि से भी विशेष महत्व है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की छठवीं तिथि को सूर्य उपासना का यह पवित्र पर्व उत्तर प्रदेश तथा बिहार प्रांत के पूर्वांचल वासियों द्वारा जिस तरह की आस्था और उपासना के भाव प्रदर्शन के साथ मनाये जाने की परंपरा है। वह बिरले ही देखने को मिलता है। शुक्रवार 13 नवंबर को नहाए खाए के साथ पर्व का शुभारंभ हुआ। शनिवार की संध्याकाल में कुलदेवी देवता का पूजन अर्चन कर छठ व्रतधारी गुड़ की खीर तैयार कर उसका भोजन करते है इसके उपरांत निर्जला व्रत रखते हैं।



आज होगा खरना

नहाय खाय के अगले दिन यानी आज पंचमी तिथि को 'खरना होता है। इस दिन व्रती सुबह स्नान आदि से निवृत्त होकर सूर्य की पूजा करते हैं। पूरा दिन निर्जला व्रत रखा जाता है। दिन भर भजन कीर्तन होगा। फिर शाम ढलते ही चंद्रमा को अर्घ्य दान, शशि पूजन बाद बखीर (गुड़ से बनी खीर) या लौकी की खीर के साथ रोटी का सेवन किया जाता है। इसमें नमक से सर्वथा परहेज होता है। इसे ही खरना कहते है।

यह शुद्धता और संकल्प का प्रतीक पर्व

सुबह जल्दी उठकर तिलवारा घाट माँ नर्मदा के जलाशय में स्नान किया स्नान के बाद पूरे घर और पूजा स्थल की अच्छी तरह से सफाई की सफाई के बाद स्वच्छ और नए वस्त्र धारण किए एवम छठ पूजा का व्रत रखने का संकल्प लिया आज पहला दिन, जिसे नहाय-खाय कहा जाता है, वही लौकी भात खाया जाता है जिसकी तैयारी की इस भोजन को सबसे पहले भगवान सूर्य को अर्पित करेंगे और फिर इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करके व्रत की शुरुआत करेंगे। व्रतीधारी प्रिया तिवारी ने बताया कि आज का दिन का मुख्य उद्देश्य शरीर और मन को शुद्ध करना है, ताकि हम व्रती अगले 36 घंटे के निर्जला (बिना पानी के) व्रत सहित पूरे कठिन अनुष्ठान के लिए तैयार हो सकें।

पहली पारी में 30 रन की बढ़त से बालाघाट को हराया

अबू हमजा की घातक गेंदबाजी से सिवनी विजयी



जबलपुर। अंतर जिला दो दिवसीय अंडर-18 बालक क्रिकेट प्रतियोगिता में सिवनी ने बालाघाट को पहली पारी में 30 रनों की बढ़त के आधार पर पराजित किया। 12 एवं 13 नवंबर को सुभाष स्टेडियम, वेस्टलैंड खमरिया में खेला गया मुकाबला ड्रॉ रहा। बालाघाट की पहली पारी 47.2 ओवर में 148 रनों पर सिमट गई। मयूर ने 62 और जितेंद्र ने 48 रन बनाए। सिवनी के अबू हमजा खान ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 49 रन देकर 8 विकेट झटके। दूसरी पारी में सिवनी ने 45 ओवर में 6 विकेट पर 173 रन बनाए। तनिष्क कुमार ने 64, रूसिल खाड़ेकर और अबू हमजा ने 25-25 रन बनाए। तनिष्क सिंह 25 रन बनाकर नाबाद रहे। शानदार गेंदबाजी के लिए अबू हमजा खान को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें अंपायर पवन सिंधिया ने प्रतीक खरे, सचिन साहू एवं युवराज सिंह की उपस्थिति में पुरस्कृत किया। मैच में पवन सिंधिया एवं प्रतीक खरे अंपायर तथा सचिन साहू स्कोरर रहे। प्रतियोगिता का अगला मुकाबला 14 नवंबर को सुबह 9 बजे ओलिंपिक स्टेडियम, ईस्टलैंड खमरिया में जबलपुर और सिवनी के बीच खेला जाएगा।



विश्व मधुमेह दिवस पर आज लगेगा विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर

जबलपुर। विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर आरएंडआर हार्मोन क्लीनिक एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, जबलपुर द्वारा शनिवार, 14 नवंबर को विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर प्रातः 9 बजे से 11:30 बजे तक आईएमए सभागृह में लगेगा। आईएमए सचिव एवं हार्मोन, मधुमेह तथा मोटापा विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव और आईएमए अध्यक्ष डॉ. अमिता सक्सेना ने बताया कि शिविर में थायराइड, मधुमेह, रक्त में वसा, यूरिक एसिड, रक्तचाप, रक्त शर्करा एवं नसों से संबंधित जांच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा कि मधुमेह का समय पर पता नहीं चलने से हृदय, गुर्दे, आंखों एवं नसों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। वहीं डॉ. अमिता सक्सेना ने नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, शारीरिक सक्रियता और समय पर चिकित्सकीय परामर्श को आवश्यक बताया।



नेत्रहीन कन्या विद्यालय में बच्चियों संग मनाई दीपावली और छठ की खुशियां

जबलपुर। दीपावली एवं छठ पर्व के अवसर पर मानव अधिकार क्रांति संगठन द्वारा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. गीता पाण्डेय के नेतृत्व में नेत्रहीन कन्या विद्यालय में बच्चियों के साथ त्योहार की खुशियां साझा की गईं। इस दौरान बच्चियों को फल एवं मिष्ठान वितरित किए गए तथा उनके साथ समय बिताकर पर्व की खुशियां मनाई गईं। डॉ. गीता पाण्डेय ने कहा कि त्योहारों की वास्तविक खुशी दूसरों के साथ खुशियां बांटने में है। समाज के जरूरतमंद एवं दिव्यांग बच्चों को स्नेह, सहयोग और अपनत्व देना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में विनय जी. डेविड, यशवंत कोष्टा, आदर्श भाटिया, नीलम शर्मा, ऋषि उपाध्याय, भरत नामदेव, शरद शाह, अशोक यादव, संजय शर्मा, ममता ठाकुर, धर्मेंद्र पाण्डेय, सोनू कछवाहा, संजय सोनी, शैलि सोनी, राजेश पाण्डेय, गौरी सोनी, स्मृति पाण्डेय, सुमित पाण्डेय एवं सोनू गुप्ता सहित संगठन के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। संगठन ने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प लिया।

जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के 1991 बैच का दो दिवसीय पुनर्मिलन समारोह

दिल में हमेशा के लिए बस गए दोस्तों संग बिताए पल

जबलपुर। पुराने दोस्तों से मिलना, कॉलेज की यादें ताजा करना और साथ बिताए पलों को फिर से जीना। कुछ ऐसे ही भावुक और खुशनुमा माहौल में जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के 1991 बैच के पूर्व छात्रों का पुनर्मिलन समारोह संपन्न हुआ। होटल शान एलिजे में आयोजित समारोह के दूसरे दिन मनोरंजक खेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया।



दिन की शुरुआत कॉलेज परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा से हुई, जहां पूर्व छात्रों ने अपने दिवंगत मित्रों एवं प्रोफेसरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद DSOI में GRC जैज बैंड की संगीतमयी प्रस्तुति का आनंद लिया। शाम को बॉलीवुड नाइट में अंतरराष्ट्रीय बैंड 'सुनहरे पल' के कलाकारों ने शानदार गीतों की प्रस्तुति दी। डांस दल ने भी सभी को थिरकने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण 1990 के दशक की सुपरहिट फिल्मों के पोस्टर रहे, जिनमें पूर्व छात्रों की तस्वीरें लगाकर उन्हें सरप्राइज दिया गया। 'हम आपके हैं कौन', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'घातक', 'वास्तव' और 'बॉर्डर' जैसी फिल्मों के पोस्टरों में दोस्तों को देखकर सभी रोमांचित हो उठे। आयोजन में विक्रांत नेमा, मनीष अग्रवाल, आलोक तिवारी, अनिल मिश्रा, संतोष नायर एवं धीरज मिनोचा सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहा। समारोह के अगले दो दिनों का आयोजन पेंच में होगा, जहां सभी मित्र प्रकृति के बीच यादगार पल बिताएंगे।



60 बच्चों के चेहरों पर बिखेरी दीपावली की खुशियां

जबलपुर। दीपावली के अवसर पर समाजसेवी हेमंत बड़गैया एवं उनकी धर्मपत्नी नीलम बड़गैया ने बिलखिरवां गांव स्थित श्री राधाकृष्ण मंदिर परिसर में लगभग 60 बच्चों को पटाखे एवं मिठाइयां वितरित कर त्योहार की खुशियां साझा कीं।उल्लेखनीय है कि दंपती द्वारा पिछले कई वर्षों से यह सेवा कार्य निरंतर किया जा रहा है। हेमंत बड़गैया ने कहा कि बच्चों के चेहरों पर मुस्कान देखकर आत्मिक आनंद मिलता है। त्योहारों की वास्तविक खुशी दूसरों को अपनी खुशियों में सहभागी बनाने से मिलती है। ऐसे प्रयास समाज में प्रेम, सद्भाव और अपनत्व बढ़ाते हैं। दंपती के इस सेवा कार्य की ग्रामीणों ने सराहना की। इस अवसर पर मंदिर अध्यक्ष उषा तिवारी, विक्की उपाध्याय, अभिनय तिवारी एवं नारायण विश्वकर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आज होगा सफाई मित्रों का सम्मान समारोह

जबलपुर। शहर की स्वच्छता व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सफाई मित्रों के सम्मान में शनिवार, 14 नवंबर को मानस भवन के प्रेक्षागृह में सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 10:30 बजे से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होगा। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि समारोह में शहर की सफाई व्यवस्था में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सफाई मित्रों को सम्मान पत्र एवं सुरक्षा किट प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

सुबह की पाली में ई-अटेंडेंस का विकल्प नहीं, शिक्षक परेशान

जबलपुर। जिले की दो पालियों में संचालित शासकीय शालाओं में सुबह की पाली के शिक्षकों को ई-अटेंडेंस लगाने में परेशानी हो रही है। मध्यप्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह समस्या उठाई है। उन्होंने बताया कि शिक्षक ऐप में दोपहर की पाली के लिए उपस्थिति दर्ज करने की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन सुबह की पाली में 7:15 बजे से पहले लॉगिन का विकल्प नहीं खुलता। वहीं साढ़े छह घंटे की ड्यूटी पूरी होने के बाद लॉगआउट की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। इससे पूरी ड्यूटी करने के बावजूद शिक्षकों की उपस्थिति अधूरी दर्ज हो रही है और वेतन कटने की आशंका बनी हुई है। संगठन ने आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय से सुबह की पाली के लिए लॉगिन एवं लॉगआउट का विकल्प शीघ्र शुरू करने की मांग की है। इस मांग का समर्थन हेमंत ठाकरे, राजेश सहरिया, राकेश श्रीवास, दिनेश गोंड, रऊफ खान, गुडविन चार्ल्स, सुरेंद्र चौधरी, दीपेश जैन, फिलिप एंथोनी, सोनल दुबे, रामेश्वर प्रसाद दुबे, राजकुमार यादव, अनस विक्टर, मनमोहन चौधरी, मकसूद अहमद अंसारी, धनराज पिल्ले एवं सुधीर अवधिया ने किया।

जबलपुर में 15 नवंबर को होगा मराठी साहित्य सम्मेलन

100वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के उपलक्ष्य में होगा आयोजन

जबलपुर। जनवरी 2027 में पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित होने वाले 100वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के उपलक्ष्य में देशभर में स्थानीय स्तर पर साहित्यिक आयोजन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जबलपुर की महाराष्ट्र शिक्षण मंडल, बृहन्महाराष्ट्र मंडल एवं महाराष्ट्र व्यायामशाला द्वारा संयुक्त रूप से रविवार, 15 नवंबर को शहीद स्मारक सभागृह में सुबह 10:30 से शाम 6 बजे तक एक दिवसीय मराठी साहित्य सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।



सम्मेलन में पुणे के सुविख्यात नाट्यकर्मी, सिने कलाकार एवं साहित्यकार योगेश सोमण विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। सम्मेलनाध्यक्ष प्रसिद्ध उद्यमी एवं साहित्यकार प्रशांत पोल तथा स्वागताध्यक्ष अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ. जितेंद्र जामदार होंगे। आयोजन में कवि सम्मेलन, कविता पाठ एवं परिसंवाद, मराठी भाषा के संवर्धन पर चर्चा, साहित्यिक कार्यकर्ताओं एवं शिक्षकों का सम्मान, मराठी नाट्यगीतों की प्रस्तुति तथा पुरस्कार वितरण होगा। आयोजकों ने नगर के साहित्यकारों, पाठकों एवं नागरिकों से बड़ी संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

बालक और बालिका दोनों वर्गों के फाइनल में दर्ज की शानदार जीत

राज्यस्तरीय जूनियर खो-खो में जबलपुर का दोहरा खिताब

जबलपुर। एमएलबी खेल परिसर में 11 से 13 नवंबर तक आयोजित 45वीं राज्यस्तरीय जूनियर खो-खो प्रतियोगिता में जबलपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बालक एवं बालिका दोनों वर्गों का खिताब अपने नाम किया।

बालिका वर्ग के सेमीफाइनल में खंडवा ने नरसिंहपुर को 4 अंकों से हराया, जबकि जबलपुर ने मंडला को 5-1 पारी से पराजित किया। फाइनल में जबलपुर ने खंडवा को 4 अंकों से हराकर खिताब जीता। बालक वर्ग के सेमीफाइनल में जबलपुर ने विदिशा को 2 अंकों तथा बैतूल ने मंडला को 2 अंकों से हराया। फाइनल में जबलपुर ने बैतूल को 3 अंकों से पराजित कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि मप्र ओलंपिक संघ के सचिव दिग्विजय सिंह एवं विशिष्ट अतिथि आराधना मालवीय का स्वागत मप्र एमेच्योर खो-खो संघ के सचिव संजय यादव, विनोद पोद्दार, नैंसी जैन, आफरीन शेख एवं पूजा बर्मन ने किया। शेखर मिश्रा, सुभाष मांझी, नागेंद्र सिंह, दीपक कुमार एवं नर्मदा प्रसाद उपस्थित रहे। प्रतियोगिता से चयनित मप्र टीम 21 से 25 नवंबर तक बड़ौदा (गुजरात) में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेगी। खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर महाराष्ट्र व्यायामशाला में लगेगा।



फाइनल में एलीट क्रिकेट अकादमी को 208 रनों से दी करारी शिकस्त

गोलबाजार क्रिकेट अकादमी बनी 'गोलबाजार कप' की विजेता

जबलपुर। महाकौशल शहीद स्मारक ट्रस्ट एवं गोलबाजार क्रिकेट अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंडर-16 इंटर क्लब लीग क्रिकेट टूर्नामेंट 'गोलबाजार कप' का खिताब गोलबाजार क्रिकेट अकादमी ने जीत लिया। शहीद स्मारक गोलबाजार मैदान पर खेले गए 30-30 ओवर के फाइनल मुकाबले में गोलबाजार ने एलीट क्रिकेट अकादमी को 208 रनों से पराजित किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गोलबाजार ने 30 ओवर में 291 रन बनाए। मनोनीत नाथन ने 78, यश पटेल ने 50, केशव विश्वकर्मा ने 32, अरमान ने 29, राघव गुप्ता ने 26 और मोक्ष शुक्ला ने 23 रन बनाए। एलीट की ओर से संस्कार, वेदांश और ईश्वर ने दो-दो विकेट लिए। 292 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी एलीट की टीम 17.1 ओवर में 83 रन पर सिमट गई। संस्कार ने 29 और उत्कल नाग ने 22 रन बनाए। गोलबाजार की ओर से आर्थिक तिवारी एवं अनुभव वर्मा ने दो-दो विकेट तथा निहाल और अरमान ने एक-एक विकेट लिया। मैच के बाद गोलबाजार क्रिकेट अकादमी के उपाध्यक्ष एवं सचिव द्वारा खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में दर्शक, अभिभावक, कोच एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।



सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ ने उठाईं सात सूत्रीय मांगें

दीपावली मिलन समारोह में पेंशनरों की समस्याओं पर चर्चा

जबलपुर। सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ की महाकौशल क्षेत्रीय एवं जिला समिति जबलपुर की बैठक एवं दीपावली मिलन समारोह 13 नवंबर को आयोजित किया गया। बैठक में पेंशनरों की सात सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जनप्रतिनिधियों के माध्यम से ज्ञापन प्रस्तुत करने पर विचार-विमर्श हुआ। प्रमुख मांगों में केंद्र के समान अंतरिम राहत, 20 लाख रुपये तक कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा, 35 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले डिप्लोमाधारी उपयंत्रियों को चतुर्थ समयमान वेतनमान का लाभ, 65, 70, 75 एवं 80 वर्ष की आयु पर अतिरिक्त पेंशन, न्यायालयीन आदेशानुसार वेतनवृद्धि एवं पेंशन पुनरीक्षण का लाभ तथा छठवें और सातवें वेतनमान के लंबित एरियर का भुगतान शामिल है।



वर्ष 2016 के बाद बिना पदोन्नति सेवानिवृत्त हुए 35 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों को भी चतुर्थ समयमान देने की मांग की गई। बैठक में 27 दिसंबर को सागर में प्रस्तावित प्रांतीय त्रैमासिक बैठक एवं आमसभा पर भी चर्चा हुई।

इस अवसर पर वरिष्ठ उपप्रांताध्यक्ष इंजी. आरबी नामदेव, इंजी. विजय प्रताप सिंह परिहार, क्षेत्रीय अध्यक्ष इंजी. आरपी चौबे, क्षेत्रीय सचिव इंजी. पीके दीक्षित, जिला अध्यक्ष इंजी. एसके खरे, जिला सचिव इंजी. सतीश राय सहित इंजी. डीके साहू, इंजी. डीके गोंटिया एवं अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सार्वजनिक सूचना

समस्त आमजन को सूचित किया जाता है कि न्यायालय श्रीमान श्वेता खरे, सत्ताईसवें व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-1, जबलपुर (म.प्र.) के समक्ष प्रकरण क्रमांक MJC SUC/124/2026, आवेदिका शीला नैमा पति भागचंद नैमा निवासी बरगी नगर हरदुली द्वारा अपने मृत पुत्र स्व. शैलेश नैमा के उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण में आगामी पेशी दिनांक 17.11.2026 नियत है। अतः जिस किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में कोई आपत्ति हो, वह आगामी पेशी दिनांक 17.11.2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

रूपेंद्र तिवारी (एडवोकेट)
मध्यप्रदेश हाईकोर्ट, जबलपुर
मो.नं.8319556298

अगले दो साल में दुनिया में होने जा रहे 2 लंबे पूर्ण सूर्य ग्रहण, दिन में छा जाएगा अंधेरा

वॉशिंगटन। खगोलीय घटनाओं में दिलचस्पी रखने वालों के लिए आने वाले दो साल बहुत ही खास होने वाले हैं। इस दौरान दो बहुत दुर्लभ सूर्य ग्रहण होने वाले हैं, जो खगोल वैज्ञानिकों के लिए अंतरिक्ष को बारीकी से समझने का मौका लेकर आएंगे। पहला ग्रहण साल 2027 में 2 अगस्त को होगा जिसे सदी का सबसे बड़ा सूर्य ग्रहण कहा जा रहा है। इस दौरान 6 मिनट 23 सेकंड तक दुनिया में अंधेरा छा जाएगा। इस घटना के लगभग 1 साल बाद 22 जुलाई 2028 एक और लंबा सूर्य ग्रहण ऑस्ट्रेलिया के ऊपर से होकर गुजरेगा।

सूर्य ग्रहण क्या है ?

हमारा ग्रह यानी धरती दो काम लगातार करती रहती है। पहला, यह अपनी धुरी पर लगातार घूमती रहती है, और दूसरा, घूमते हुए यह सूर्य का चक्कर लगाती है। पृथ्वी का उपग्रह है चंद्रमा, जो लगातार इसका चक्कर लगाता रहता है। पृथ्वी को सूर्य का चक्कर लगाने में 1 साल लगते हैं तो चंद्रमा पृथ्वी का चक्कर 29.5 दिन में पूरा कर लेता है। इस चक्कर लगाने के दौरान कई बार ऐसा होता है जब सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी क्रमशः एक सीध में आ जाते हैं।

सदी का सबसे बड़ा सूर्य ग्रहण

वैसे तो दोनों सूर्य ग्रहण बेहद शानदार नजारा लेकर आएंगे, लेकिन अगस्त 2027 में होने वाली घटना सबसे अलग होगी। 2 अगस्त 2027 को लगने वाले पूर्ण ग्रहण की टोटलिटी 6 मिनट 23 सेकंड होगी। इसका मतलब है कि इतने लंबे समय तक सूर्य का कोरोना चंद्रमा के पीछे छिपा रहेगा। 1991 से लेकर 2114 तक यह धरती से देखा जाने वाला सबसे लंबा पूर्ण ग्रहण होगा। यही वजह है कि इसे सदी का लंबा सूर्य ग्रहण कहा जा रहा है।

किस रास्ते से गुजरेगी पूर्ण ग्रहण की छाया?



22 जुलाई 2028 को लगने वाला पूर्ण सूर्य ग्रहण कोकोस आइलैंड्स, क्रिसमस आइलैंड और ऑस्ट्रेलिया से होकर गुजरेगा। यह उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की ओर बढ़ते हुए यह सिडनी के ठीक ऊपर से गुजरेगा। आगे यह तस्मान सागर को पार करते हुए न्यूजीलैंड के साउथ आइलैंड तक जाएगा। इस दौरान 63 लाख लोग इसे देख पाएंगे।

कौन सी जगह देखने के लिए सबसे सटीक?

अगस्त 2027 में होने वाले सूर्य ग्रहण की छाया स्पेन और जिब्राल्टर से होकर गुजरेगी। इसके बाद मोरक्को, लीबिया, मिस्र, सूडान, सऊदी अरब और यमन से होते हुए यह हिंद महासागर के रास्ते आगे बढ़ेगी। मिस्र के लक्सर में सबसे लंबा ग्रहण देखा जा सकेगा। यहां 6.20 मिनट तक आसमान में अंधेरा छा जाएगा जो पूर्णता की अवधि से महज 3 सेकंड कम होगा।

जुलाई 2028 में एक और बहुत लंबा सूर्य ग्रहण

अगस्त 2027 में होने वाले ग्रहण को देखने के लिए अभी से भारी डिमांड है और अभी से इसके लिए बुकिंग चल रही है। अगर आप यह ग्रहण देखने से चूक जाते हैं तो करीब एक साल बाद 22 जुलाई 2028 को एक बार फिर शानदार मौका सामने होगा। यह ग्रहण पूर्णता की स्थिति में 5 मिनट से ज्यादा लंबा होगा। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के अनुसार, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के किम्बरली इलाके में यह सबसे लंबे समय 5 मिनट 10 सेकंड तक रहेगा। हालांकि, यह ग्रहण अगस्त 2027 की तुलना में एक मिनट से भी ज्यादा छोटा है, लेकिन पूर्ण सूर्य ग्रहण के हिसाब से बहुत लंबा है।

करोड़ों रुपए खर्च करके बनाए शानदार घर, आज तक नहीं आया कोई रहने

लंदन। क्या आपने कभी ऐसी कॉलोनी देखी है, जहां घर तो बने हों, सड़कें भी तैयार हों, लेकिन वहां रहने वाला एक भी इंसान न हो? जहां घरों में ताले लटके हों और आसपास पूरी तरह सन्नाटा पसरा हो। सुनने में यह किसी डरावनी फिल्म की कहानी लग सकती है, लेकिन ब्रिटेन में ऐसी ही एक जगह मौजूद है। यहां एक-दो नहीं, बल्कि कई घर वर्षों से खाली पड़े हैं। हैरानी की बात यह है कि इन घरों को बनाने में करोड़ों रुपए खर्च किए गए, लेकिन आज तक इनमें कोई परिवार रहने नहीं आया। अब इस पूरी जगह को बेचने की तैयारी है।

कैलस्टॉक गांव का है मामला

दरअसल, यह मामला यूनाइटेड किंगडम के कॉर्नवॉल इलाके के कैलस्टॉक गांव का है। यहां ब्रिज व्यू नर्सरी नाम से एक हाउसिंग प्रोजेक्ट शुरू किया गया था। इसके तहत कुल 33 घर बनाए जाने थे। साल 2018 में इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली थी। इसका मकसद स्थानीय लोगों के लिए घर बनाना था। खास बात यह थी कि शुरुआती योजना में 15 घर ऐसे रखे गए थे, जिन्हें कम कीमत पर आम लोगों को उपलब्ध कराया जाना था।

इतने रुपए हो गए खर्च

इस प्रोजेक्ट की शुरुआत जितनी अच्छी दिख रही थी, आगे चलकर हालात उतने ही खराब होते चले गए। निर्माण के दौरान डेवलपर्स और स्थानीय प्रशासन के बीच कई तरह के विवाद और मंजूरी से जुड़ी परेशानियां सामने आईं। डेवलपर्स का कहना था कि कॉर्नवॉल काउंसिल से जरूरी मंजूरी मिलने में हुई देरी के कारण उनका खर्च लगातार बढ़ता गया। उनका दावा था कि इस दौरान ब्याज के रूप में करीब 12 लाख पाउंड यानी लगभग 14 करोड़ रुपए खर्च हो गए।

अब बिकने जा रही है पूरी कॉलोनी



करीब सात साल से वीरान पड़े इस प्रोजेक्ट को लेकर अब एक नई खबर सामने आई है। नवंबर 2026 में इस पूरी जमीन को बिक्री के लिए सूचीबद्ध किया गया है। इसमें पहले से बने मकान, अधूरा निर्माण और दूसरी सुविधाएं शामिल हैं। हालांकि, इसे खरीदने वाले को बाकी निर्माण और जरूरी काम भी पूरे करने होंगे। इस तरह एक बेहतर रिहायशी इलाके का सपना अब अधूरे मकानों और खाली सड़कों तक सिमटकर रह गया है। स्थानीय लोग भी इस बात से नाराज हैं कि इतने साल बीतने के बाद भी उन्हें इस प्रोजेक्ट का कोई फायदा नहीं मिला।

7 साल से खाली पड़े हैं घर

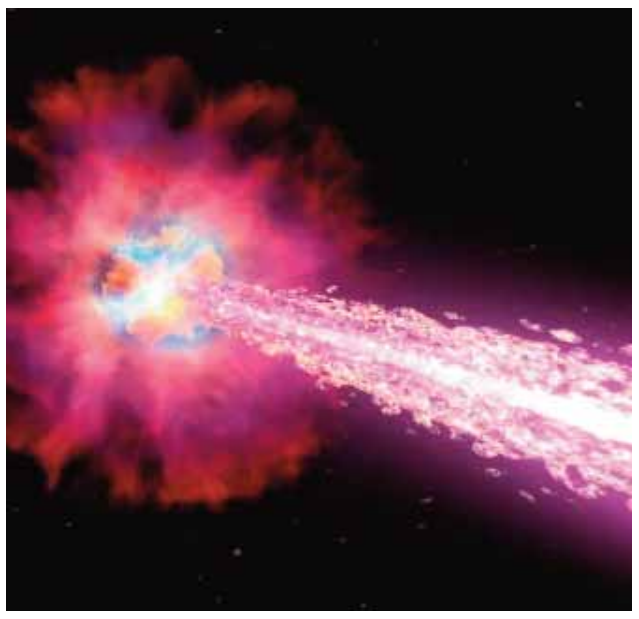
साल 2019 में यहां निर्माण का काम रोक दिया गया। उस समय तक 33 में से सिर्फ 10 घर ही बन पाए थे। इनमें से भी आठ घर लगभग तैयार थे, लेकिन फर्श, कुछ जरूरी फिटिंग और दूसरी फिनिशिंग का काम बाकी था। एक अन्य मकान का निर्माण भी शुरू हुआ था, लेकिन वह भी अधूरा रह गया। आज तक इन घरों में कोई परिवार नहीं रह पाया है। कई मकानों पर ताले और बोर्ड लगे हुए हैं।

सूरज जितनी ऊर्जा पूरी जिंदगी में बनाता, उतनी 4 मिनट के भीतर दो महाविस्फोटों में बाहर निकली!

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष में पहली बार एक ऐसी घटना देखी गई है जिसने विज्ञान जगत को चकित कर दिया है। नासा के स्विफ्ट ऑब्जर्वेटरी ने सिर्फ चार मिनट के अंतर पर दो अलग-अलग तरह के गामा-रे बर्स्ट (जीआरबी) विस्फोट देखे हैं। जीआरबी 160425ए नाम के इस दोहरे धमाके ने सूरज की पूरी उम्र से ज्यादा ऊर्जा कुछ ही पलों में ब्रह्मांड में झोंक दी। वैज्ञानिक अब तक इसके वास्तविक कारण को पूरी तरह सुलझा नहीं पाए हैं। ब्रह्मांड के सुदूर कोने से आए एक रहस्यमय संदेश ने दुनिया भर के खगोलविदों की नींद उड़ा दी है। अंतरिक्ष में बिग बैंग के बाद होने वाले सबसे शक्तिशाली विस्फोटों को गामा-रे बर्स्ट यानी जीआरबी कहा जाता है। ये विस्फोट इतने ज्यादा विनाशकारी होते हैं कि पलक झपकते ही किसी भी ग्रह को भस्म कर सकते हैं। पहली बार ऐसा हुआ है जब दो बिल्कुल अलग प्रकृति के गामा-रे बर्स्ट केवल चार मिनट के अंतराल पर एक ही जगह से निकलते देखे गए। दूसरे धमाके में जितनी ऊर्जा निकली, उतनी तो हमारा सूर्य पूरी जिंदगी में नहीं बना पाएगा। वैज्ञानिकों ने इस ऐतिहासिक घटना को 'जीआरबी 160425ए' नाम दिया है। इस अनोखी परिघटना से जुड़ी विस्तृत रिसर्च प्रतिष्ठित साइंस जर्नल 'नेचर एस्ट्रोनॉमी' में पब्लिश हुई है। इस खोज ने अंतरिक्ष विज्ञान के दशकों पुराने वर्गीकरण और स्थापित नियमों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ब्रह्मांड में गामा-रे बर्स्ट का जन्म कैसे होता है और ये कितने प्रकार के होते हैं?

गामा-रे बर्स्ट असल में अंतरिक्ष में होने वाले सबसे प्रचंड और चमकदार रेडिएशन के विस्फोट माने जाते हैं। जब कोई विशालकाय तारा अपनी उम्र पूरी करके ढह जाता है, तब इस तरह के महाविस्फोट जन्म लेते हैं। अब तक खगोल विज्ञान में जीआरबी को दो मुख्य श्रेणियों में बांटा जाता रहा है। पहली श्रेणी को 'शॉर्ट-ड्यूरेशन जीआरबी' कहा जाता है। ये विस्फोट दो सेकंड से भी कम समय के लिए रहते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस तरह के छोटे विस्फोट न्यूट्रॉन तारों या ब्लैक होल की आपसी भीषण टक्कर से पैदा होते हैं। दूसरी श्रेणी 'लॉन्ग-ड्यूरेशन जीआरबी' की होती है। ये विस्फोट दो सेकंड से लेकर कई मिनटों तक चलते हैं। आमतौर पर यह घटना सुपरनोवा के दौरान होती है, जब सूरज से दर्जनों गुना बड़ा कोई भारी तारा ढहकर खत्म होता है।



5.5 अरब साल का सफर तय करके पृथ्वी तक कैसे पहुंचा यह दोहरा धमाका?

नासा की अंतरिक्ष में तैनात 'नील गेहर्ल्स स्विफ्ट ऑब्जर्वेटरी' ने इस असाधारण घटना को अपने सेंसर्स में कैद किया था। पृथ्वी का वायुमंडल गामा किरणों को रोक लेता है, इसलिए इन्हें केवल अंतरिक्ष में मौजूद टेलीस्कोप ही पकड़ सकते हैं। यह विस्फोट जिस होस्ट गैलेक्सी में हुआ, वह दो आपस में विलीन हो रही आकाशगंगाओं का समूह लगती है। वह गैलेक्सी पृथ्वी से इतनी दूर है कि उसके प्रकाश को हमारे तक पहुंचने में करीब 5.5 अरब साल का लंबा वक्त लग गया। इसका मतलब यह है कि यह महाविस्फोट हमारे सौरमंडल और पृथ्वी के जन्म से भी लगभग एक अरब साल पहले हुआ था। इस विस्फोट से निकली हाई-एनर्जी किरणें ब्रह्मांड के एक-तिहाई इतिहास का सफर तय करके हमारे उपकरणों तक पहुंची हैं।

चार मिनट के भीतर रिकॉर्ड किए गए दोनों धमाकों में क्या अंतर था?

इस घटना में वैज्ञानिकों को सबसे ज्यादा जिस बात ने हैरान किया, वह दोनों विस्फोटों का अनोखा स्वभाव था। पहला विस्फोट, जिसे वैज्ञानिकों ने 'जी1' नाम दिया, केवल 1.7 सेकंड तक चला। इसकी ऊर्जा और अवधि साफ तौर पर दो तारों के टकराने वाले शॉर्ट-बर्स्ट से मेल खाती थी। इसके ठीक चार मिनट बाद दूसरा विशाल धमाका हुआ, जिसे 'जी2' नाम दिया गया।

दुनिया का इकलौता देश, खुद के लिए उगाता है हर चीज

बाहर से कुछ नहीं मंगाता, दिखता है दुबई जैसा

जॉर्जटाउन। दुनिया में एक देश ऐसा भी जहां रेल सेवा नहीं है, जिसके 60 फीसदी हिस्से में घने जंगल हैं, लेकिन यह देश इतना अनाज-भोजन खुद उगाता है, जो इसकी पूरी आबादी के लिए पर्याप्त है। यह देश बाहर से कुछ नहीं मंगाता। इस देश में दुनिया का सबसे बड़ा सिंगल ड्रॉप वॉटरफॉल है। 251 मीटर ऊंचा झरना यहीं पर है। दुनिया के महान क्रिकेटर इसी देश में पैदा हुए हैं। भारत से भी इस देश का गहरा नाता है।



हम बात कर रहे हैं दक्षिण अमेरिका के देश गुयाना की जिसकी कुल आबादी 8 लाख है। इसमें भारतीय मूल के लोग करीब साढ़े तीन लाख हैं। इसका क्षेत्रफल भारत के गुजरात राज्य के बराबर है पर आबादी बहुत कम है। यह देश खाद्यान्न के मामले में पूरी तरह से आत्मनिर्भर है।

नेचर फूड मैगजीन में प्रकाशित एक रिसर्च के मुताबिक, 186 देशों में से गुयाना इकलौता ऐसा देश है जो अपने घरेलू उत्पादन से ही अपनी आबादी का पेट भर सकता है। खानपान की 7 श्रेणियों का खाद्यान्न गुयाना में होता है। ये खाद्यान्न श्रेणियां फल, सब्जियां, डेयरी, मछली, मांस, फलियां, मेवे, बीज और स्टार्चयुक्त खाद्य पदार्थ हैं।

इन सबका उत्पादन गुयाना में वहां की आबादी के लिए पर्याप्त रूप से होता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि अमेरिका, चीन, रूस और भारत जैसे बड़े कृषि प्रधान देश भी इन सातों श्रेणियों में आत्मनिर्भर नहीं हैं। अमेरिका केवल 4 श्रेणियों में, जबकि ब्रिटेन केवल 2 श्रेणियों में आत्मनिर्भर है।

चीन और वियतनाम जैसे देश 6 श्रेणियों में तो आगे हैं, लेकिन सातवीं श्रेणी यानि डेयरी या दालों में आत्मनिर्भर नहीं। ये दोनों देश दालों को आयात करते हैं। गुयाना में पहले ब्रिटिश का शासन था। गुयाना को 26 मई, 1966 को ब्रिटेन से आजादी मिली थी। जॉर्जटाउन इसकी राजधानी है। यहां रोस्टेड चिकन और तंदूरी रोटी मुख्य रूप से खाते हैं। आपने शिवनारायण चंद्रपॉल, रामनरेश सरवन, क्लाइव लॉयड और कार्ल हूपर जैसे दिग्गज खिलाड़ी इसी देश के हैं। गुयाना देश का गोल्ड और रम बहुत फेमस है। यहां का गोल्ड बहुत अच्छी क्वालिटी का माना जाता है। यहां के लोगों को कलरफुल जिंदगी बहुत पसंद है। यहां पर चिकन-चावल बहुत खाया जाता है। गुयाना का खाना बहुत टेस्टी होता है। यहां के लोग विंटेज कार का शौक बहुत ज्यादा रखते हैं।

गुयाना में गोल्ड का अकूत भंडार

गुयाना देश में क्रिकेट ही सबकुछ है। यहां के लोगों की आय का मुख्य स्रोत खेती है। यहां पर गन्ने की खेती सबसे ज्यादा होती है। यहां के लोग खेती करने में बहुत आगे हैं। यहां पर हनुमान मंदिर, हिंदू-रीति-रिवाज, त्योहार, छठ-दिवाली, दाल-रोटी सबकुछ देखने को मिल जाएगा. यहां पर गोल्ड का अकूत भंडार है। यहां के समुद्री तट, नाइट लाइफ आपको दीवाना बना लेगी. इस देश का ऑफिशियल नाम रिपब्लिक ऑफ गुयाना है। इस देश की 70 फीसदी आबादी गांव में रहती है। यहां की आधिकारिक भाषा अंग्रेजी है।

हजारों किमी उड़कर भी पक्षी कैसे नहीं भूलते अपना घोंसला

नई दिल्ली। प्रकृति ने इस धरती पर कई ऐसे अनूठे जीव और रहस्य बनाए हैं, जिन्हें देखकर आज भी इंसान दांतों तले उंगली दबा लेता है। इनमें से एक सबसे बड़ा आश्चर्य प्रवासी पक्षियों का सफर है। ये पक्षी हजारों किलोमीटर की लंबी उड़ान भरकर एक देश से दूसरे देश पहुंचते हैं, सर्दियों में गर्म इलाकों में आते हैं और मौसम बदलते ही वापस अपने पुराने घोंसले में लौट आते हैं। हैरानी की बात तो यह है कि महीनों भटकने और आसमान की असीम ऊंचाइयों में उड़ने के बाद भी ये पक्षी कभी अपना रास्ता नहीं भूलते और ठीक उसी पेड़ की, उसी डाली के उसी पुराने घोंसले पर आकर बैठ जाते हैं। मटर के दाने जितने छोटे दिमाग वाले इन पक्षियों के पास कोई जीपीएस या एडवांस मैप नहीं होता, फिर यह चमत्कार कैसे मुमकिन हो पाता है? सालों तक वैज्ञानिक इस बात से हैरान थे, लेकिन हाल के वर्षों में क्वांटम फिजिक्स और नैनोटेक्नोलॉजी के विकास ने इस गुत्थी को सुलझा लिया है।

चोंच में मौजूद है नैनो क्रिस्टल्स

सिर्फ आंखें ही नहीं, बल्कि प्रकृति ने इन पक्षियों के शरीर में एक और अद्भुत नेविगेशन सिस्टम फिट किया है। वैज्ञानिकों ने नैनोटेक्नोलॉजी की मदद से यह खोजा है कि प्रवासी पक्षियों की चोंच



में आयरन ओर यानी मैग्नेटाइट के बेहद सूक्ष्म नैनो क्रिस्टल्स होते हैं। जब पक्षी हवा में उड़ते हैं, तो चोंच में मौजूद ये नैनो क्रिस्टल्स एक कंपास की तरह काम करते हैं और उत्तर-दक्षिण दिशा का सटीक अहसास कराते हैं। इन्हें एक प्रकार का खिंचाव महसूस होता है, जिससे पक्षियों को आसमान में भी सही दिशा का पता चल जाता है।

क्युरियोसिटी और बच्चों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा

यह पूरी प्रक्रिया इस बात का बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे प्रकृति विज्ञान के सबसे कठिन नियमों को बेहद सहजता से इस्तेमाल करती है। यदि हम इस तरह की रोचक जानकारियां अपने घर के बच्चों को आसान भाषा में समझाएं, तो उनके भीतर विज्ञान और प्रकृति के प्रति गहरी क्यूरियोसिटी पैदा हो सकती है। ज्ञान बांटने से ही दुनिया और अधिक बेहतर बनती है।

यह चमत्कार कैसे मुमकिन?

वैज्ञानिक रिसर्च के मुताबिक, पक्षियों की आंखों में एक खास तरह का प्रोटीन पाया जाता है, जिसे 'क्रोमो प्रोटीन' कहा जाता है। 'क्रोमो' शब्द का संबंध रंगों से होता है। जब सूरज की रोशनी इन पक्षियों पर पड़ती है, तो उसमें मौजूद स्पेक्ट्रम (विबग्योर) की ब्लू (नीली) साइड वाली वेवलेंथ इस क्रोमो प्रोटीन पर स्ट्राइक करती है। इसके प्रभाव से प्रोटीन के अंदर मौजूद इलेक्ट्रॉन्स में वाइब्रेशन और शिफ्टिंग होती है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इसके बावजूद दोनों इलेक्ट्रॉन्स आपस में क्वांटम एंटेंगलमेंट की स्थिति में जुड़े रहते हैं। इस क्वांटम प्रक्रिया के जरिए पक्षी के दिमाग को सिग्नल मिलता है, जिससे उसे आसमान में पृथ्वी की अदृश्य मैग्नेटिक लाइंस दिखाई देने लग जाती हैं। ठीक वैसे ही जैसे नेविगेशन सिस्टम में लेटीट्यूड और लोंगिट्यूड की रेखाएं दिखती हैं।

न ऑफिस, न टारगेट का तनाव... बस सोकर कमाए 9.6 लाख रुपए

नई दिल्ली। मुंबई की एक महिला ने साबित कर दिया कि अच्छी नींद सिर्फ सेहत के लिए ही नहीं, बल्कि कमाई का जरिया भी बन सकती है। जीनिया चटर्जी ने सोने के बदले 9.6 लाख रुपए का इनाम जीत लिया है। इतना ही नहीं, उन्हें कंपनी की तरफ से स्पॉन्सर्ड हॉलिडे पर जाने का मौका भी मिला है। जीनिया को भारत की 'स्लीप चैंपियन' चुना गया है। उनकी यह जीत इसलिए भी खास है, क्योंकि इस अनोखी प्रतियोगिता में देशभर से 2 लाख से ज्यादा लोगों ने आवेदन किया था। दरअसल, घर और फर्निशिंग से जुड़े ब्रांड वेकफिट ने अपनी स्लीप इंटर्नशिप का आयोजन किया था। इसमें प्रतिभागियों को अच्छी और पूरी नींद लेने के साथ-साथ अपनी सोने की आदतों पर ध्यान देना था। प्रतियोगिता करीब दो महीने तक चली। इस दौरान सभी को एक तय समय पर सोना, अपनी नींद का रिकॉर्ड रखना और हर हफ्ते दिए जाने वाले मजेदार टास्क पूरे करने थे। इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए 2 लाख से ज्यादा लोगों ने आवेदन किया था। हालांकि, कई चरणों की स्क्रीनिंग और पर्सनल इंटरव्यू के बाद सिर्फ 10 लोगों को चुना गया। इन सभी प्रतिभागियों को करीब 60 दिनों तक अपनी नींद का प्रदर्शन बेहतर बनाए रखना था। हर दिन उनकी स्लीप परफॉर्मेंस के आधार पर स्कोर दिया जाता था। इन स्कोर के जरिए एक लीडरबोर्ड तैयार किया जाता था, जिससे पता चलता था कि कौन सबसे बेहतर नींद ले रहा है। लेकिन, इस इंटर्नशिप में सिर्फ सोना ही काफी नहीं था। प्रतिभागियों को अपनी क्रिएटिविटी भी दिखानी पड़ती थी। प्रतियोगिता के दौरान हर हफ्ते कुछ दिलचस्प चैलेंज दिए जाते थे। इनमें एक टास्क का नाम स्लीप सिनेमा था। इसमें प्रतिभागियों को मशहूर फिल्मों के सीन को नींद से जोड़कर दोबारा तैयार करना होता था। यानी किसी फिल्म के सीन को अपने अंदाज में ऐसा रूप देना था, जिसमें सोने या नींद का मजेदार ट्विस्ट शामिल हो। इसके अलावा स्लीप बिनगो नाम का टास्क भी था। इसमें प्रतिभागियों को पूरे हफ्ते अपनी सोने की आदतों पर नजर रखनी थी और उनका आकलन करना था।



अंडरकवर स्लीप मिशन

सबसे दिलचस्प चैलेंज अंडरकवर स्लीप मिशन रहा। इसमें प्रतिभागियों को किसी बातचीत के दौरान बिना सामने वाले को शक हुए कंबल या तकिया शब्द का 10 बार इस्तेमाल करना था। यह टास्क सुनने में आसान लग सकता है, लेकिन बातचीत को सामान्य रखते हुए ऐसा करना काफी मजेदार चुनौती थी। हर हफ्ते सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी को 'हफ्ते का कुंभकरण' का खिताब दिया जाता था।

चार प्रतियोगी पहुंचे फाइनल में

करीब दो महीने की प्रतियोगिता के बाद जीनिया चटर्जी, रत्नागिरी मणिकंदन और मेहेक खोट टॉप तीन प्रतिभागियों के रूप में सामने आए। वहीं, हैदराबाद के करीम खान को भी फिनाले में जगह मिली। उन्होंने सबसे ज्यादा वीकली क्रिएटिव चैलेंज जीतकर वाइल्डकार्ड एंट्री हासिल की थी। इस तरह फाइनल मुकाबले में कुल चार प्रतियोगी पहुंच गए। ग्रैंड फिनाले में दो बड़े चैलेंज रखे गए। पहले चैलेंज में प्रतिभागियों की याददाश्त, चीजों को ध्यान से देखने की क्षमता और टीमवर्क को परखा गया। उन्हें कुछ रेफरेंस तस्वीरें दिखाई गईं, जिनकी मदद से एक बेडरूम सेटअप को हूबहू तैयार करना था। दूसरे चैलेंज में फाइनलिस्ट को अच्छी नींद के लिए जरूरी चीजों पर बोली लगानी थी। इनमें तकिया, कंबल, एयर कंडीशनर का कंट्रोल, लाइटिंग और कमरे में आवाज से जुड़े इंतजाम शामिल थे। यानी हर प्रतिभागी को अपने हिसाब से सोने के लिए एक बेहतरीन माहौल तैयार करना था।

आखिरी रात की नींद ने तय किया विजेता-

दोनों चैलेंज पूरे होने के बाद सभी फाइनलिस्ट ने अपने तैयार किए गए स्लीपिंग सेटअप में एक आखिरी रात बिताई। उनकी नींद के स्कोर के आधार पर अंतिम नतीजा घोषित किया गया। इसमें जीनिया चटर्जी ने बाकी सभी को पीछे छोड़ते हुए जीत हासिल की।

दुनिया का रहस्यमयी गांव! जहां बिना कपड़ों के रहते हैं लोग

लंदन। दुनिया में कई जगहों की परंपराएं और रहन-सहन लोगों को हैरान करते हैं। आमतौर पर घर से बाहर जाते समय कपड़े पहनना जरूरी माना जाता है, लेकिन क्या आपको पता है ब्रिटेन में एक ऐसी जगह भी है, जहां लोग बिना कपड़ों के रहते हैं? यहां पर बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक एक अनोखी जीवनशैली अपनाते हैं। हैरानी करने वाली बात यह है कि इस अनोखी परंपरा का इतिहास करीब 90 साल पुराना है। यह जगह ब्रिटेन के हर्टफोर्डशायर में स्थित है, जिसका नाम स्पीलप्लाट्ज है। यह कोई सामान्य गांव नहीं है, बल्कि यह प्रकृतिवादी जीवनशैली अपनाने वाले लोगों का गांव है। यहां पर रहने वाले लोग शरीर को प्राकृतिक रूप में स्वीकार करने की सोच रखते हैं और बिना कपड़ों के रहना अपनी जीवनशैली का हिस्सा मानते हैं।

1929 से चली आ रही है परंपरा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस समुदाय की स्थापना वर्ष 1929 में की गई थी। बताया जाता है कि तब से यहां कई पीढ़ियां इस जीवनशैली को अपना रही हैं। इस समुदाय की स्थापना करने वाले इसेल्ट रिचर्डसन मानते थे कि प्रकृतिवादी जीवन जीने वाले लोगों और सड़क पर रहने वाले लोगों के बीच अंतर समझना जरूरी है। इसका मतलब है कि बिना कपड़ों के रहना अपने आप में गरीबी या अभाव की निशानी नहीं है, बल्कि यह एक अलग जीवन-दृष्टि भी हो सकती है।

घर और स्विमिंग पूल तक की सुविधा

स्पीलप्लाट्ज की सबसे खास बात यह है कि यहां के लोगों का रहन-सहन किसी सामान्य शहर या गांव से बहुत अलग नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यहां पर खूबसूरत मकानों, दो कमरों वाले बंगलों और स्विमिंग पूल जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। यहां पर लोगों की रोजमर्रा की जरूरतें भी पूरी होती हैं। पोस्टमैन और सुपरमार्केट से सामान पहुंचाने वाले डिलीवरी कर्मचारी भी आते हैं।

क्या है स्पीलप्लाट्ज का मतलब?

स्पीलप्लाट्ज जर्मन भाषा का शब्द है। इसका अर्थ खेल का मैदान होता है। यह नाम सुनने में भले ही सामान्य लगता होगा, लेकिन इस जगह की जीवनशैली इसे खास बनाती है। यहां रहने वाले लोग कपड़ों को सामाजिक जरूरत के स्थान पर अपनी पसंद का विषय मानते हैं और प्राकृतिक वातावरण के करीब रहना पसंद करते हैं।

पूरी दुनिया में होती है चर्चा

इस अनोखे समुदाय की जीवनशैली दुनिया भर के लोगों का ध्यान खींचती है। स्पीलप्लाट्ज पर आधारित डॉक्यूमेंट्री और शॉर्ट फिल्में भी बनी हैं। इनके जरिए लोगों को यहां के रहन-सहन और विचारों को समझने का मौका मिला है। इस समुदाय के लिए प्राकृतिक रूप में रहना उनकी परंपरा और जीवनशैली से जुड़ा है।

पृथ्वी को मिला 'दूसरा चांद', चारों ओर लगा रहा है चक्कर

वॉशिंगटन। पृथ्वी को कुछ समय के लिए एक चांद जैसा एस्टेरॉयड मिला है। इसका नाम एस्टेरॉयड 2026 क्यूक्यू8 है। यह इस साल अप्रैल में पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण में फंस गया था। तब से यह पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगा रहा है। अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने इसे मिनी मून का उपनाम दिया है। इसकी खोज हंगरी के जाने-माने एस्टेरॉयड हंटर और अंतरिक्ष वैज्ञानिक क्रिजटियन सार्नेज्स्की ने की है। उन्होंने बताया कि पृथ्वी का नया चांद 2027 में गुरुत्वाकर्षण से निकलने से पहले डेढ़ चक्कर पूरा करेगा। इंडिपेंडेंट ने अपनी रिपोर्ट में क्रिजटियन सार्नेज्स्की के हवाले से बताया कि उन्होंने इस एस्टेरॉयड को सबसे पहले अगस्त महीने में देखा था। हालांकि, इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन के माइनर प्लैनेट सेंटर ने हाल ही में इसकी रिपोर्ट दी है। यह खगोल विज्ञान के क्षेत्र में काम करने वाली दुनिया की सबसे बड़ी और सर्वोच्च पेशेवर संस्था है। इसका मुख्यालय पेरिस में है। माइनर प्लैनेट सेंटर का काम अंतरिक्ष में मौजूद छोटे खगोलीय पिंडों से जुड़ा डेटा एकत्र करने, उनकी गणना करने और उन्हें आधिकारिक पहचान देना है। रिपोर्ट में एस्टेरॉयड 2026 QQ8 के परिक्रमा पथ के आधार पर बताया गया है कि यह आमतौर पर हर 359 दिन में सूरज का चक्कर लगाता है और लगभग हर 10 साल में पृथ्वी के पास से गुजरता है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि यह पृथ्वी की परिक्रमा के दौरान सबसे करीब होने पर हमारे गृह से लगभग 568,000 किलोमीटर दूर होगा। यह चंद्रमा से पृथ्वी के बीच की औसत दूरी का लगभग डेढ़ गुना है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि एस्टेरॉयड 2026 क्यूक्यू8 का क्षेत्रफल लगभग 2 मीटर है। ऐसे में इस एस्टेरॉयड से पृथ्वी को कोई खतरा नहीं है। अगर यह गलती से पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश करता है, जिसकी संभावना नहीं के बराबर है, तो यह घर्षण से जलकर खुद खत्म हो जाएगा। ऐसा भी कहा जा रहा है कि यह चांद का हिस्सा हो सकता है, जो टक्कर के बाद उससे अलग होकर अंतरिक्ष में एस्टेरॉयड के रूप में हो सकता है।



खबर संक्षेप

आशीर्वाद ने की सात विजेताओं की घोषणा

नई दिल्ली। दिवाली पर घरों के आंगन में सजने वाली रंगोली अब बड़े सार्वजनिक मंच पर भी अपनी छटा बिखेरेगी। आईटीसी के आशीर्वाद ब्रांड ने 'घर लाएं आशीर्वाद' अभियान के दूसरे संस्करण के तहत सात विजेता रंगोली डिजाइनों को विज्ञापन पट्टों पर प्रदर्शित करने की घोषणा की है। इस अभियान को देशभर से शानदार प्रतिक्रिया मिली और 50 हजार से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुईं।

आईडीबीआई इनोवेट 2026 ग्रैंड फिनाले संपन्न

मुंबई। आईडीबीआई बैंक ने अपनी प्रमुख हैकाथॉन पहल 'आईडीबीआई इनोवेट 2026' का ग्रैंड फिनाले सफलतापूर्वक संपन्न किया। 'बिल्ड. इंटीग्रेट. ट्रांसफॉर्म.' थीम पर आयोजित इस हैकाथॉन का उद्देश्य बैंकिंग सेवाओं के डिजिटलीकरण, फिनटेक सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देना था। इसमें स्टार्टअप्स, फिनटेक कंपनियों, पेशेवरों और इनोवेटर्स ने हिस्सा लेकर बैंकिंग क्षेत्र की चुनौतियों के समाधान प्रस्तुत किए।

वेदांता में 35% महिला प्रतिनिधित्व अनिवार्य

नई दिल्ली। वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कंपनी के मैनेजमेंट के हर स्तर पर कम से कम 35 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व अनिवार्य किया है। उन्होंने कॉरपोरेट जगत से भी कार्यस्थलों पर लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की अपील की है।

नडिस्क ने लांच किए 320 और 520 साटा एसएसडी

नई दिल्ली। सैनडिस्क ने पीसी और लैपटॉप की स्टोरेज क्षमता व परफॉर्मेंस बढ़ाने के लिए 320 और 520 साटा एसएसडी लांच किए हैं। दोनों 2.5 इंच फॉर्म फैक्टर में उपलब्ध हैं। सैनडिस्क 520 एसएसडी की क्षमता 4टीबी तक है और यह 525 एमबी प्रति सेकंड तक रीड-राइट स्पीड देता है। इसकी शुरुआती कीमत 8,600 रुपए है।

एमएसपी लागू करने की सिफारिश

कोलकाता। चाय उद्योग को बढ़ती उत्पादन लागत से राहत दिलाने और उत्पादकों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने की दिशा में अहम पहल हुई है। टी बोर्ड ऑफ इंडिया की 10 सदस्यीय समिति ने चाय के लिए मिनिमम सस्टेनेबल प्राइस लागू करने की सिफारिश की है। उद्योग के इस प्रस्ताव का स्वागत करते हुए इसे चाय उद्योग की आर्थिक स्थिरता और छोटे उत्पादकों के हितों के लिए जरूरी बताया है।

गन्ना, नारियल और मौसमी फलों की मांग बढ़ी

छठ महापर्व की खरीदारी से गुलजार हुए बाजार , सूप-दउरा से लेकर पूजन सामग्री और फलों तक सजे शहर के बाजार

वाणिज्य प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर राजधानी के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। न्यू मार्केट में छठ पूजा की तैयारियों के साथ ही सूप, दउरा, फल-फूल और पूजन सामग्री की दुकानें सज गई हैं। पूर्वांचल समाज के परिवारों के साथ अन्य श्रद्धालु भी पूजा की खरीदारी के लिए बाजार पहुंच रहे हैं। भगवान सूर्य को अर्घ्य देने और छठी मैया की पूजा में इस्तेमाल होने वाली पारंपरिक सामग्री की मांग बढ़ने लगी है। दुकानदारों ने भी पर्व को देखते हुए विशेष इंतजाम किए हैं। छठ पूजा में बांस से बने सूप और दउरा का विशेष महत्व है।

बांस का सूप 150 से 300 रुपए, दउरा 650 से 2500 रुपए तक



नारियल, गन्ना, केला, सेब, अनानास, नींबू की खरीदी

बाजार में सामान्य सूप करीब 150 से 200 रुपए तक और बांस के दउरा की कीमत आकार, बुनाई और गुणवत्ता के अनुसार 650 से 2500 रुपए तक बताई जा रही है। छोटी-बड़ी टोकरियां और अन्य बांस के सामान भी अलग-अलग कीमतों पर उपलब्ध हैं। वहीं नारियल, गन्ना, केला, सेब, अनानास, नींबू और अन्य मौसमी फलों की दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही बढ़ रही है।

सिंघाड़ा, शकरकंद सहित कई पारंपरिक वस्तुएं उपलब्ध

छठ पूजा के प्रसाद और अर्घ्य के लिए फलों की खरीदारी महत्वपूर्ण मानी जाती है। बाजार में केला, नारियल, गन्ना, मौसमी फल, सिंघाड़ा, शकरकंद, मूली, अदरक और हल्दी सहित कई पारंपरिक वस्तुएं उपलब्ध हैं।

इसके अलावा मिट्टी के दीपक, धूप-अगरबत्ती, कपूर, रोली, सिंदूर, पान-सुपारी और पूजा के अन्य सामान भी दुकानों पर सजाए गए हैं। विक्रेताओं के अनुसार गन्ना करीब 30 से 50 रुपए प्रति नग, जबकि मौसमी फल मांग और गुणवत्ता के अनुसार अलग-अलग कीमतों पर बिक रहे हैं। छठ पूजा के लिए नारियल और केले की मांग भी बढ़ रही है। आम की लकड़ी, जिसका उपयोग प्रसाद बनाने में किया जाता है, की कीमत करीब 25 से 30 रुपए प्रति किलो बताई गई है। दुकानदारों को उम्मीद है कि 13 नवंबर से नहाय-खाय के साथ शुरू होने वाले चार दिवसीय महापर्व के नजदीक आते ही ग्राहकों की संख्या में और इजाफा होगा। खासकर संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य से पहले बाजार में खरीदारी का दबाव बढ़ने की संभावना है।

सस्ते पाम ऑयल से मिलावट का खेल: सोयाबीन के नाम पर बिक रहा मिश्रित तेल

मुनाफे के लालच में उपभोक्ताओं से धोखा खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच पर उठे सवाल

भोपाल। सस्ता पाम ऑयल खाद्य तेल के बाजार में मिलावट का नया खतरा बनकर उभरा है। सोयाबीन तेल और पाम ऑयल की कीमतों में अंतर का फायदा उठाकर मुनाफाखोर कारोबारियों द्वारा सोयाबीन तेल में पाम ऑयल मिलाकर शुद्ध सोयाबीन के नाम पर बेचा जा रहा है। इससे उपभोक्ताओं को पूरी कीमत चुकाने के बावजूद भी उनके गुणवत्ता का तेल नहीं मिल रहा है। बाजार में सोयाबीन तेल के थोक भाव करीब 150 रुपए किलो बताया जा रहा हैं, जबकि पाम ऑयल 142 से 145 रुपए किलो के भाव पर बिक रहा है। शहर में रोजाना करीब 300 टन सोयाबीन तेल और 200 टन पाम ऑयल का खुला कारोबार होता है। उनका आरोप है कि कुछ मुनाफाखोर कारोबारी पाम ऑयल की कमी बताकर उसे सोयाबीन तेल में मिलाकर सोयाबीन के भाव पर बेच रहे हैं। तेल कारोबारी तिवारी का कहना है कि खुला तेल वर्ष 2009 से प्रतिबंधित है, इसके बावजूद भोपाल के बाजारों में इसकी बिक्री जारी है। इससे खाद्य सुरक्षा प्रशासन की निगरानी और कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं।



अर्जेंटीना सबसे बड़ा खाद्य तेल आपूर्तिकर्ता

खाद्य तेल आयात बाजार में बड़ा बदलाव आया है। दशकों तक सबसे बड़ा वनस्पति तेल आपूर्तिकर्ता रहा इंडोनेशिया अब तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। अर्जेंटीना और मलेशिया ने उसे पीछे छोड़ दिया है। अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) की विदेशी कृषि सेवा (एफएएस) की 10 नवंबर की रिपोर्ट के अनुसार, विपणन वर्ष 2025-26 (अक्टूबर-सितंबर) में अर्जेंटीना भारत का सबसे बड़ा वनस्पति तेल आपूर्तिकर्ता बन गया है, जबकि मलेशिया दूसरे स्थान पर है। इंडोनेशिया का तीसरे स्थान पर पहुंचना उसकी पाम ऑयल नीति में बदलाव और भारत के आयात स्रोतों में आए परिवर्तन को दर्शाता है।

500 मीट्रिक टन से अधिक का खाद्य तेल खपत का अनुमान

एक अनुमान के मुताबिक राजधानी भोपाल में खाद्य तेल की कुल खपत लगभग 500 मीट्रिक टन से अधिक का अनुमान है। जिसमें घरेलू उपयोग खपत के साथ होटल, रेस्टोरेंट, नमकीन, बेकरी और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की खपत शामिल है। मध्य प्रदेश सोयाबीन का प्रमुख उत्पादक राज्य है, इसलिए भोपाल में सोयाबीन रिफाइंड तेल की मांग सबसे अधिक रहती है। इसके अलावा सरसों, मूंगफली, सूरजमुखी और व्यावसायिक स्तर पर पाम ऑयल का भी बड़े पैमाने पर उपयोग होता है।

तीन दिन में सोना 6,536 और चांदी 8,500 रुपए सस्ती

सोना 1.36 लाख रुपए से नीचे आया चांदी भी 1.77 लाख रुपए पर पहुंची



वाणिज्य डेस्क ⏭ भोपाल/ नई दिल्ली

शादी-ब्याह के मौसम में सोना-चांदी खरीदने की तैयारी कर रहे लोगों के लिए राहत की खबर है। सोने और चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट जारी है। सोना 7 महीने बाद 1.36 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर से नीचे आ गया है। वहीं, चांदी की कीमत घटकर 1.77 लाख रुपए प्रति किलो रह गई है। भारतीय सर्राफा एवं आभूषण संघ के मुताबिक, 24 कैरेट सोने की कीमत शुक्रवार को 1,808 रुपए गिरकर 1,35,884 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई। एक दिन पहले इसकी कीमत करीब 1.38 लाख रुपए थी। इससे पहले 8 जनवरी 2026 को सोना 1,35,773 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था। वहीं, चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। एक किलो चांदी 3,540 रुपए सस्ती होकर 1,77,000 रुपए पर आ गई।

डॉलर की मजबूती और मुनाफावसूली से गिरे दाम

बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट की प्रमुख वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर का मजबूत होना और ऊंचे भाव पर बड़े निवेशकों की ओर से की जा रही मुनाफावसूली है। डॉलर मजबूत होने से अन्य मुद्राओं में सोना खरीदना महंगा हो जाता है। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग और कीमतों पर दबाव पड़ सकता है। इस साल सोने और चांदी की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को करीब 2.30 लाख रुपए प्रति किलो थी। इसके बाद 29 जनवरी 2026 को यह बढ़कर 3.86 लाख रुपए के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई थी। मौजूदा भाव 1.77 लाख रुपए के हिसाब से चांदी अपने सबसे ऊंचे स्तर से करीब 2.09 लाख रुपए यानी 54 फीसदी नीचे आ चुकी है। इसी तरह, 31 दिसंबर 2025 को सोने की कीमत करीब 1.33 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 29 जनवरी 2026 को यह बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई थी। मौजूदा भाव के मुताबिक सोना अपने सबसे ऊंचे स्तर से करीब 40,116 रुपए यानी 22.8 फीसदी सस्ता हो चुका है।

एनपीसीआई ने शुरू की नई योजना

दुकानदारों को क्यूआर कोड पर 300 रुपए और साउंड बॉक्स पर 750 रुपए का मिलेगा प्रोत्साहन

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली



देश में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और छोटे कारोबारियों को ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था से जोड़ने के लिए भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने 'यूपीआई व्यापार सक्षम योजना' पेश की है। इस योजना के तहत दुकानदारों की दुकानों पर भौतिक क्यूआर कोड और साउंड बॉक्स लगाने को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके लिए बैंकों और भुगतान सेवा प्रदाताओं को प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान किया गया है। योजना के अनुसार, दुकानों पर भौतिक क्यूआर कोड लगाने के लिए 300 रुपए और साउंड बॉक्स लगाने के लिए 750 रुपए की प्रोत्साहन राशि निर्धारित की गई है। इसका उद्देश्य खासतौर पर छोटे शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों के व्यापारियों को यूपीआई भुगतान व्यवस्था से जोड़ना है।

नमूनों की जांच शुरू होने का रास्ता साफ

इंदौर के बाद जबलपुर खाद्य एवं औषधि प्रयोगशाला को मिला एनएबीएल प्रमाण पत्र

वाणिज्य प्रतिनिधि ⏭ भोपाल



मध्यप्रदेश में खाद्य एवं औषधि नमूनों की जांच व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की जबलपुर स्थित संभागीय खाद्य एवं औषधि प्रयोगशाला को नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज (एनएबीएल) का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। भोपाल और इंदौर संभागीय प्रयोगशालाओं के बाद अब जबलपुर में भी खाद्य पदार्थों और औषधियों के नमूनों की जांच शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। इस प्रयोगशाला के प्रारंभ होने से जबलपुर संभाग के नमूनों की जांच स्थानीय स्तर पर ही की जा सकेगी।

गौरतबल है कि अभी तक जबलपुर संभाग से लिए जाने वाले खाद्य एवं औषधि के नमूनों को जांच के लिए भोपाल भेजना पड़ता था। इसके कारण जांच रिपोर्ट प्राप्त होने में अधिक समय लगता था। अब जबलपुर में प्रयोगशाला शुरू होने से नमूनों की जांच निर्धारित समय-सीमा में हो सकेगी। इस सुविधा से खाद्य सुरक्षा और औषधियों की गुणवत्ता की निगरानी व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। साथ ही विभागीय कार्रवाई में तेजी आएगी और आम नागरिकों को सुरक्षित खाद्य पदार्थ एवं गुणवत्तापूर्ण औषधियां उपलब्ध कराने के प्रयासों को गति मिलेगी।

टाटा और टर्नो की साझेदारी इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहनों की खरीदी होगी आसान

मुंबई। टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक छोटे कमर्शियल वाहनों और पिकअप की खरीद आसान बनाने के लिए फिंजो ईवी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (टर्नो) के साथ समझौता किया है। दोनों कंपनियों के बीच हुए एमओयू के तहत ग्राहकों को कस्टमाइज्ड फाइनेंसिंग स्कीम, जल्दी लोन और भुगतान के लचीले विकल्प मिलेंगे। साथ ही वाहन पर 25 प्रतिशत एश्योर्ड बायबैक गारंटी भी दी जाएगी। टर्नो के डायरेक्टर वरुण नायर ने कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों की ओनरशिप को आसान और फायदेमंद बनाना है। बैटरी इंटेलिजेंस और लाइफसाइकिल मैनेजमेंट में कंपनी की विशेषज्ञता से ग्राहकों को वाहन की रीसेल वैल्यू को लेकर भरोसा मिलेगा। टाटा मोटर्स के वाइस प्रेसिडेंट एवं बिजनेस हेड पिनाकी हलदर ने कहा कि फाइनेंसिंग की बाधाएं दूर करने और रीसेल वैल्यू सुरक्षित करने से जीरो-एमिशन मोबिलिटी को बढ़ावा मिलेगा। टाटा मोटर्स की इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहन रेंज में ऐस प्रो ईवी, ऐस ईवी 1000 और इंट्रा ईवी पिकअप शामिल हैं। कंपनी के अनुसार, इनके लिए 150 से अधिक शहरों में 25 हजार से ज्यादा पब्लिक चार्जर और देशभर में 200 से अधिक ईवी सपोर्ट सेंटर उपलब्ध हैं।

पश्चिम मध्य रेल
खुली निविदा
दिनांक 10.11.2026

निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में **मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति यूनिट, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर** के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना क्रमांकः** सीपीएम–जीएसयू–जबल–ईपीसी–02-2026, दिनांक 10.11.2026. **कार्य का नाम लोकेशन सहितः पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर रेलवे स्टेशन का इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण के आधार पर प्रमुख उन्नयन का कार्य (EPC). कार्य का अनुमानित मूल्यः** ₹ 243,21,00,000/-. **बयाना राशिः** ₹ 4,86,42,000/-. **समापन अवधिः** 900 दिन। **निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजे तकः** 28.12.2026. **निविदा खुलने का समय 15.15 बजे तिथिः** 28.12.2026. उपरोक्त ई–निविदा के संपूर्ण जानकारी वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति यूनिट, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के नोटिस बार्ड पर रखी गई है। ई–निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

उप मुख्य अभियंता,
गति शक्ति यूनिट, जबलपुर.

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता-पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृश्चिक — आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

धनु — आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

मीन — परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

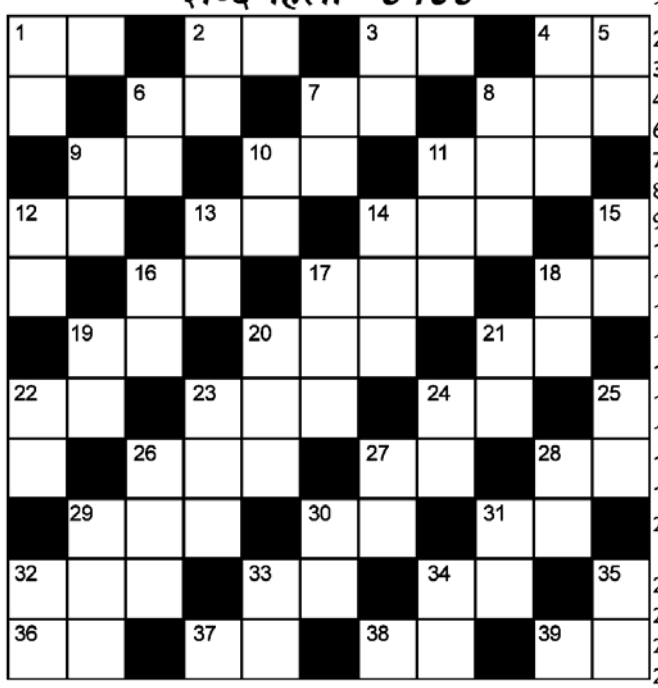
जेनेराली का नया अभियान 'हियर डॉट नाउ' लांच

नई दिल्ली। जेनेराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने राष्ट्रीय ब्रांड अभियान 'हियर.नाउ.' का नया अध्याय लांच किया है। इस अभियान के जरिए लोगों को बच्चों की उच्च शिक्षा और सेवानिवृत्ति जैसे महत्वपूर्ण वित्तीय लक्ष्यों के लिए समय रहते योजना बनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कंपनी के एमडी एवं सीईओ आलोक रुंगटा ने कहा कि भारतीय परिवारों की प्रमुख वित्तीय प्राथमिकताओं में बच्चों का भविष्य सुरक्षित करना और रिटायरमेंट की तैयारी करना शामिल है। जीवन बीमा कारोबार का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं दोनों श्रेणियों से जुड़ा है। कंपनी ने कुछ चुनिंदा बेस प्लान के साथ वेवर ऑफ प्रीमियम राइडर भी पेश किया है।

मानसरोवर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में 'शिशिक्षा-2026' का शुभारंभ

भोपाल। मानसरोवर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, भोपाल में बीएएमएस बैच 2021-22 के इंटर्न विद्यार्थियों के लिए छह दिवसीय अनिवार्य रोटेटरी इंटर्नशिप ओरिएंटेशन प्रोग्राम 'शिशिक्षा-2026' का शुभारंभ हुआ। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित यह कार्यक्रम 19 नवंबर तक चलेगा। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनुराग सिंह राजपूत ने किया। उन्होंने बताया कि 'बेंच टू बेडसाइड' थीम पर आधारित इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक चिकित्सा, चिकित्सकीय नैतिकता, अस्पताल प्रबंधन एवं आधुनिक नैदानिक पद्धतियों का प्रशिक्षण देना है, ताकि वे कुशल आयुर्वेदिक चिकित्सक बन सकें। संस्थान की सीएमडी श्रीमती मंजुला तिवारी एवं सीईडी इंजीनियर गौरव तिवारी ने आयोजन की सफलता के लिए आयोजक मंडल एवं विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में समन्वयक डॉ. राजेंद्र सिंह पटेल, डॉ. मयंक राय, डॉ. नितेश केसर सहित महाविद्यालय के समस्त संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

शब्द पहेली - 6406



बाएँ से दाएँ
1.बरस,वर्ष–2
2.आफत,मुसीबत–2
3.यमराज–2
4.तीर, बाण–2
6.आनेवाला दिन–2
7.उत्साह–2
8.उचित, सही–3
9.बंधन–2
10.बाण–2
11.उपवन, जंगल–3
12.सरिता–2
13.शिविर, तंबू–2
14.रुई साफ करना–3
16.फंदा, पाश–2
17.भीरु, डरपोक–3
18.तालाब –2
19.सम्मान–2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या–3
21.श्याम,काले रंग का–2
22.देह, तन, बदन–2
23.चुनना, छांटना–3
24.रघुवीर, सियावर–2
26.जलजला–3
27.कोलाहल–2
28.अवरोध–2
29.दलदल–3
30.पत्नी का भाई–2
31.खिवाज, रस्म–2
32.कक्ष, रूम–3
33.गधा, गर्दभ–2
34.जनकपुत्री–2
36.वोट, राय–2
37.विजय–2
38.मां का भाई–2
39.मूल्य–2
11.विवश–3
12.भीगा हुआ–2
13.क्रीड़ा–2
14.सहमत–3
15.फंदा–2
16.प्राण–2
17.आकांक्षा–3
18.लॉक–2
19.प्रकृति,धन–2
20.धावक–3
21.कार्य–2
22.सवारी गाड़ी–2
23.जंगल–3
24.झगड़ा–2
25.सरल–2
26.कूड़ा–3
27.अंगारा–2
28.वार्तालाप–2
29.दाम, मूल्य–3
30.सारांश–2
31.खाली–2
32.थोड़ा–2
33.पत्र, चिट्ठी–2
34.हद–2
35.बल, ताकत–2

ऊपर से नीचे
1.परछाई–2
2.दम, ताकत–2
3.यमराज–2
4.सोना, निद्रा लेना–3
5.धूल, मिट्टी–2
6.शारीरिक ऊंचाई–2
7.बल, दम–2
8.पहचानना–3
9.बंधक–2
10.मोमबत्ती (उर्दू–2)

शब्द पहेली- 6405 का हल

ल	ब		ब	स		धा	गा		ह	य
व	ह	म		ब	म		ना	ला		ह
	न	म	न		जा	न		र	मा	
ना		ता	क	त		शा	न		ता	त
क	मी		ल	ल	ना		म	न		न
	न	ख		वा	च	क		ल	क्ष	
स		र	वा		ना	म	क		मा	दा
खा	द		त	र		र	ह	न		म
	म	स्त		मा	न		वा	ह	क	
दा		र	स		या	र		र	च	ना
स	दा		च	क्षु		न	भ		य	ल

सूडोकु नवताल - 6416

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल - 6415 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.



'आवारा पागल दीवाना 2' की शूटिंग जल्द होगी शुरू

मुंबई। साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म 'आवारा पागल दीवाना' का सीक्वल बनने जा रहा है। अभिनेता सुनील शेट्टी ने फैंस को यह खुशखबरी दी है। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है। उन्होंने कहा, 'फिल्म का सीक्वल बनने जा रहा है, इस पर काम जारी है। उन्होंने कहा, 'मैंने बॉर्डर 2 में भी काम किया है। मैं उसमें सिर्फ एक सीन में था, लेकिन मैं इसे एक सफलता मानता हूं क्योंकि आखिरकार यह हमारी फ्रेंचाइज बन गई है। जिस तरह से चीजें आगे बढ़ रही हैं, उससे मैं बहुत खुश हूं।

लाइफ Style

श्रुति

अपनी पसंद छिपाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए

एजेंसी : नई दिल्ली

अभिनेत्री श्रुति हासन अपनी फिल्मों के साथ-साथ बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। वह अक्सर अपनी निजी जिंदगी और पसंद-नापसंद पर खुलकर बात करती नजर आती हैं। हाल ही में उन्होंने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब पीने की आदत को लेकर कुछ ऐसे खुलासे किए हैं, जिनकी चर्चा हो रही है।

अभिनेत्री ने साफ कहा कि उन्हें अपने कॉस्मेटिक प्रोसीजर के बारे में छिपाने या झूठ बोलने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। इसके अलावा उन्होंने बताया कि वह लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। हालांकि, बाद में उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया। श्रुति ने ये बातें नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान साझा कीं। शो में बातचीत के दौरान श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपनी सोच स्पष्ट की। उनका मानना है कि हर व्यक्ति को अपने शरीर के बारे में फैसले लेने की पूरी आजादी होनी चाहिए। अगर कोई अपनी पसंद से कॉस्मेटिक सर्जरी या किसी दूसरे प्रोसीजर का सहारा लेता है तो इसमें कुछ गलत नहीं है। हालांकि, उन्हें यह समझ नहीं आता कि लोग इसके बारे में सच बताने से क्यों बचते हैं। अभिनेत्री ने कहा, 'मैं इन चीजों के बारे में बहुत सोच-समझकर बात करती हूं, लेकिन मैं लोगों के सामने बड़ी हुई हूं और ऐसे में इस बारे में झूठ बोलना बेवकूफी होगी।' उन्होंने आगे कहा कि कुछ लोग अपने लुक में बदलाव के बावजूद दावा करते हैं कि वे हमेशा से ऐसे ही दिखते थे। श्रुति के मुताबिक जब बदलाव साफ नजर आ रहा हो तो इस तरह की बातें करना अजीब लगता है।



हॉलीवुड मसाला



फ्रेंच फिल्म अकादमी देगी 'मानद सीजर अवार्ड'

लॉस एंजिल्स। फ्रेंच अकादमी ने गुरुवार को घोषणा की कि हॉलीवुड स्टार निकोल किडमैन को 52वें सीजर अवार्ड समारोह में 'मानद सीजर अवार्ड' दिया जाएगा। फ्रेंच अकादमी ने बताया कि 'बिग लिटिल लाइज' की अभिनेत्री को यह सम्मान 25 फरवरी, 2027 को होने वाले समारोह में दिया जाएगा। फ्रांस की राष्ट्रीय फिल्म अकादमी की तरफ से सिनेमा जगत में आजीवन उपलब्धियों और योगदान के लिए दिया जाने वाला एक मशहूर अवॉर्ड है।



मैदान के बाद अब पर्दे पर दिखेंगे फुटबॉलर

लॉस एंजिल्स। दुनियाभर में अपना लोहा मनवा चुके पुर्तगाल के दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब एक नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। फुटबॉल के मैदान पर अपने शानदार खेल से करोड़ों लोगों का दिल जीतने वाले रोनाल्डो अब टीवी की दुनिया में भी नजर आएंगे। उन्होंने अपनी पहली टीवी सीरीज 'डे 1s' का ऐलान कर दिया है। खास बात यह है कि इस सीरीज में फुटबॉल की भी अहम भूमिका होगी। रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि सीरीज की शूटिंग शुरू हो चुकी है। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ब्रिटिश प्रोड्यूसर और डायरेक्टर मैथ्यू वॉन के साथ एक तस्वीर शेयर की। इसके साथ उन्होंने लिखा कि खुशखबरी! मेरी पहली टीवी सीरीज 'डे 1s' की शूटिंग शुरू हो गई है।



स्केरी पिक्चर का पहला लुक आया सामने

मुंबई। अभिनेता-निर्माता राणा दग्गुबाती ने आगामी हॉरर फिल्म 'स्केरी पिक्चर' का पहला लुक सामने आया है। फिल्म में कंगना रनौत मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म हॉरर कहानी पर आधारित होगी। फिल्म 'स्केरी पिक्चर' पर राणा दग्गुबाती ने एक बातचीत में कहा, 'स्केरी पिक्चर से शुरू करते हुए, हमारा लक्ष्य इस शैली से प्यार करने वाले फिल्म निर्माताओं के लिए निरंतर निर्माण सहायता और रिलीज के अवसर उपलब्ध कराना है। भारत हर शैली में विविधतापूर्ण है, और हॉरर भी इससे अलग नहीं है। हर क्षेत्र के अपने भय, अपनी कहानियां और उन्हें बताने के अपने तरीके हैं। हम हर उपशैली के लिए खुले हैं। मनोवैज्ञानिक, जीव-जंतु, हॉरर-कॉमेडी, सामाजिक हॉरर, या फिल्म निर्माता हमारे सामने जो भी नई कहानियां लेकर आएं।'फिल्म 'स्केरी पिक्चर' का निर्देशन रवि बाबू ने किया है।



कोमल ने शेयर कीं गोविंदा संग तस्वीरें

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा पिछले काफी समय से अपनी फिल्मों से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पत्नी सुनीता आहूजा के साथ उनके रिश्ते और फिल्म 'रूपा' की को-स्टार कोमल रानी स्वर्णकार के साथ उनकी नजदीकियों को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही हैं। इस बीच अब रानी ने सोशल मीडिया पर गोविंदा के साथ 'रूपा' की कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें दोनों की नजदीकियां एक बार फिर लोगों का ध्यान खींच रही हैं। इन तस्वीरों में कहीं गोविंदा अभिनेत्री का हाथ थामे नजर आ रहे हैं, तो किसी में वह एक-दूसरे को देखते हुए पोज दे रहे हैं। रानी स्वर्णकार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'रूपा की सुंदर झलकियां।' बता दें कि तस्वीरों में गोविंदा व्हाइट ब्लेजर, काली पैंट और सनग्लासेस पहने नजर आ रहे हैं।

टीवी मसाला



बिग बी ने की 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट पर वापसी

नई दिल्ली। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन एक बार फिर अपने काम पर लौट आए हैं। पिछले महीने डॉक्टरों की सलाह पर आराम करने के लिए उन्होंने काम और सोशल मीडिया से कुछ समय का ब्रेक लिया था। इस दौरान उनकी सेहत को लेकर फैंस के बीच चिंता भी देखने को मिली। अब बिग बी ने लोकप्रिय क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति 18' के सेट पर वापसी कर ली है। शो के नए प्रोमो में उनकी झलक सामने आई है, जिसमें वह अपने चाहने वालों का शुक्रिया अदा करते हुए नजर आ रहे हैं। बिग बी कहते हैं, 'उम्मीद है कि आप सबकी दिवाली बड़ी ही शानदार रही होगी। हमने भी अपनों के साथ दिवाली मनाई, लेकिन... और एक और घर भी तो है। केबीसी का यह मंच।' इसके बाद वह शो को अपना दूसरा परिवार बताते हैं। प्रोमो में हॉट सीट पर बैठे एक कंटेस्टेंट अमिताभ बच्चन से उनकी तबीयत के बारे में पूछते हैं। इस पर बिग बी अपने चिर-परिचित अंदाज में पहले कंटेस्टेंट का हालचाल पूछते हैं। जब कंटेस्टेंट बताता है कि वह ठीक है, तो अमिताभ मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'अगर आप ठीक हैं, तो हम भी ठीक हैं।'

आम्रपाली ने लव को जमकर फटकारा



नई दिल्ली। बीते दिनों 'बिग बॉस 20' में स्कॉउट ओपी और यंग डीएसए के बीच तगड़ा विवाद हुआ। इसके बाद लव गिल से किया मजाक स्काउट पर भारी पड़ा। इससे ओपी काफी आहत हैं। गेमर की यह हालत देखकर आम्रपाली दुबे और डीएसए ने लव पर कई आरोप लगाए, जिससे लव और आम्रापाली के बीच तीखी बहस हुई। 'बिग बॉस 20' के हालिया प्रोमो में स्कॉउट ओपी ने लव से हुए विवाद के बाद अपने सिर के बाद शेव कर दिए थे। इसके साथ ही वह भावनात्मक रूप से काफी टूट गए। उनकी यह हालत देख आम्रपाली दुबे और डीएसए ने इस सब का जिम्मेदार लव गिल को ठहराया। आम्रपाली ने लव से कहा कि वह स्काउट ओपी को पागल कर देंगी।

छठी मईया सुन ली से उठऊ सूरज देव तक, इन गानों के बिना अधूरा है छठ पर्व

नई दिल्ली। बिहार के साथ अब लगभग पूरे देश में छठ पूजा की जाती है। इस पावन अवसर पर हर तरफ छठी मैया के गाने गूंजते हैं। इस पर्व की अहमियत को देखते हुए बॉलीवुड ने भी गाने बनाने शुरू कर दिए हैं। हाल ही में दो फिल्मों में इसके गाने आए हैं।

बुलाए छठी मां- ये प्रेम मोल लिया

इस गाने में छठ पर्व के शानदार विजुअल दिखाए गए हैं। इसे आयुष्मा खुराना और शरवरी वाघ पर फिल्माया गया है। इसके बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। गाने को श्रेया घोषाल और केशव आनंद ने अपनी बेहतरीन आवाज दी है। इसे



हिमेश रेशमिया ने कंपोज किया है। इसे विशाल मिश्रा ने आवाज दी है।

छठ मईया की महिमा- द वन

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया पर फिल्माया गया यह गाना काफी लोकप्रिय हुआ। इसमें छठ पूजा की छलक मिलती है। गाने के बोल कौशल किशोर ने लिखे हैं।

पहिले पहिल हम कईनी छठी मईया बरत तुहार

शारदा सिन्हा छठ के गानों के लिए काफी मशहूर हैं। यह गाना उन्होंने ही गाना है। गाने में एक ऐसे जोड़े की कहानी दिखाई गई है।

बाल दिवस सेलिब्रेशन के लिए बेस्ट हैं बॉलीवुड के ये मशहूर गाने

नई दिल्ली। छोटा बच्चा जान के न कोई आंख दिखाना रे से लेकर लकड़ी की काठी तक ऐसे कई गाने हैं, जिन्हें सुनते ही बचपन की यादें ताजा हो जाती हैं।

नन्हें मुन्ने बच्चे तेरी मुट्ठी में क्या है: साल 1954 में आयी फिल्म 'बूट पॉलिश' के इस गाने को आशा भोंसले और मोहम्मद रफी ने गाया है। जो एक भाई-बहन के संघर्ष और उसके बाद मिली खुशियों पर आधारित है। बाल दिवस के मौके पर इस गाने को स्कूल, कॉलेज में जरूर प्ले किया जाता है।

लकड़ी की काठी : बहुत ही मशहूर गाना है लकड़ी की काठी, काठी पे घोड़ा, जो 1983 में आई 'मासूम' फिल्म का गाना है। जिसमें



उर्मिला मातोंडकर और जुगल हंसराज बाल किरदार में हैं। इस गाने को गौरी बापत, गुरप्रीत कौर और वनिता मिश्रा ने गाया है। आज भी ये गाना बच्चों के पसंदीदा गानों में से एक है।

जिद्दी पिद्दी : बच्चे एक होकर क्या नहीं कर सकते, इस गाने में यही दिखाया गया है। बहुत ही एंटरटेनिंग और इंस्पायरिंग मूवी थी ये। इस गाने में बच्चे अंडरवियर पहनकर एक मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन करते हैं जो उनके सोसायटी के पालतू कुत्ते को मारना चाहता है। जिसमें अरमान मलिक, अमित त्रिवेदी, तन्मय चौधरी, गौरिका राय ने अपनी आवाज दी है।

तारे जमीन पर: बच्चों पर आधारित बहुत ही खूबसूरत फिल्म है जिसमें आमिर खान लीड एक्टर थे। साल 2008 में आई इस फिल्म की टैग लाइन ही थी कि हर एक बच्चा खास होता है। शंकर महादेवन की आवाज में बहुत ही खूबसूरत गाना है तारे जमीन पर।

सिनेमा सिर्फ मनोरंजन का ही जरिया नहीं, बल्कि देती है सीख भी

वो छह फिल्में जो बच्चों को सिखाती हैं जीवन का पाठ

नई दिल्ली। आज देशभर में बाल दिवस मनाया जा रहा है। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन को 'बाल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। हर कोई अलग-अलग अंदाज में इस खास दिन को सेलिब्रेट कर रहा है। मगर, सिनेमा का अपना अलग रंग होता है। यह सिर्फ मनोरंजन का ही जरिया नहीं, बल्कि आसपास के परिवेश की सीख भी यहां से मिलती है। यूं भी बच्चे देखकर बेहतर तरीके से समझते हैं। अगर आज के दिन बच्चों को कोई फिल्म दिखाने के बारे में सोच रहे हैं, तो ये फिल्में बेहतर विकल्प हो सकती हैं।



मासूम

वर्ष 1983 में आई यह फिल्म दर्शकों के बीच खूब पसंद की गई। यह बच्चों से संबंधित भावुक कर देने वाले विषय पर आधारित है। यह गोद लिए बच्चों की समस्याओं पर बनी है। इस फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, शबाना आजमी, सुप्रिया पाठक और जुगल हंसराज मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का मशहूर गाना 'लकड़ी की काठी' आज भी बच्चों को काफी पसंद आता है।



तारे जमीं पर

वर्ष 2007 में रिलीज हुई यह फिल्म सिर्फ बच्चों को ही नहीं, बल्कि पेरेंट्स को भी जरूर देखनी चाहिए। अगर आपने अब तक न देखी हो तो आज अपने बच्चों के साथ बैठकर इस फिल्म को देख सकते हैं। आमिर खान अभिनीत इस फिल्म में दिखाया गया है कि हर बच्चा अपने आप में खास है। फिल्म के कुछ दृश्य आपको भावुक कर देंगे और आखिर में एक सीख देंगे।



आई एम कलाम

नीला माधब पांडा के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने भी दर्शकों की खूब तारीफ बटोरी। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि यह राष्ट्रीय पुरस्कार अपने नाम दर्ज कर चुकी है। बच्चों को प्रेरित करने के लिहाज से यह एक बेहतरीन फिल्म है। 2011 में आई इस फिल्म में ऐसे बच्चे की कहानी दिखाई गई है, जो पढ़-लिखकर अपने परिवार के काम आना चाहता है।



स्टैनली का डब्बा

2011 में आई अमोल गुप्ते द्वारा निर्देशित इस फिल्म की कहानी आपका मनोरंजन करने के साथ आपकी आंखें भी नम करेगी। यह फिल्म एक ऐसे लड़के की कहानी है, जो हमेशा अपने दोस्त का टिफिन खाता है, लेकिन कभी भी अपने लिए लंच नहीं लाता। आपका बच्चा तो इस फिल्म से खुद को जोड़ ही पाएगा, साथ ही आपको भी अपने पुराने दिनों की याद आ जाएगी।

फ्रोजेन

वर्ष 2013 में आई यह एक कार्टून मूवी है। यह फिल्म एल्सा और ऐना, दो बहनों पर आधारित है। वर्ष 2019 में आया इस फिल्म का दूसरा पार्ट 'फ्रोजेन 2' भी काफी दिलचस्प है। फिल्म में एल्सा की आवाज प्रियंका चोपड़ा ने दी है और ऐना की आवाज परिणीति चोपड़ा ने दी है।



चिल्लर पार्टी

बच्चों पर आधारित यह एक फैमिली ड्रामा फिल्म है। नितेश तिवारी और विकास बहल ने मिलकर इसका निर्देशन किया। फिल्म में अनाथ बच्चों के एक ग्रुप को दिखाया गया है, जो अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करते हैं। इस फिल्म को राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका है। अगर आपको यह साबित करना है कि बच्चे किसी से कम नहीं होते तो आपको अपने बच्चे को यह फिल्म जरूर दिखानी चाहिए।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स

कड़े मुकाबले में जेसिका ने लिंडा को हराया, टूर्नामेंट से बाहर गॉफ



एजेंसी ▶▶| इंडियन वेल्स

जेसिका पेगुला ने अपनी दमदार सर्विस का शानदार नमूना पेश करते हुए तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल करके डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई जहां उनका मुकाबला मीरा एंड्रीवा से होगा। पेगुला ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 16 ऐस लगाए और एक मैच प्वाइंट बचाते हुए अंतिम तीन गेम जीतकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के राउंड-रॉबिन ग्रुप में लिंडा नोस्कोवा को 7-6 (2), 4-6, 7-5 से हराया। पेगुला की जीत ने उनकी पूर्व युगल जोड़ीदार कोको गॉफ को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इससे पहले गॉफ ने वापसी करते हुए अंतिम छह गेम जीतकर मार्ता कोस्त्युक को 6-4, 7-5 से हराया था, जो इस साल उनका आखिरी मैच साबित हुआ।

कोको को टूर्नामेंट से लेनी पड़ी विदाई



कोको गॉफ डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई हैं। अपने अंतिम ग्रुप मैच में मार्टा कोस्त्युक को हराने के बावजूद, हमवतन जेसिका पेगुला की जीत के कारण गॉफ को ग्रुप चरण में तीसरे स्थान पर रहकर टूर्नामेंट से विदाई लेनी पड़ी। थ्री-वे टाई (तीन खिलाड़ियों के बीच बराबरी)। ग्रुप-1 में कोको गॉफ, जेसिका पेगुला और लिंडा नोस्कोवा तीनों ने 2-1 के समान जीत-हार के रिकॉर्ड के साथ समापन किया।

नेशंस लीग : क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड, हैरी केन ने किया 92वां गोल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

हैरी केन ने अपने ऐतिहासिक मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को जीत दिलाई। इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 2-1 से हराकर यूईएफए नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। केन इंग्लैंड की पुरुष टीम के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने अपना 126वां मैच खेला और देश के लिए अपना 92वां गोल करके इस मौके का शानदार जश्न मनाया। उन्होंने 64वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से गोल किया।



केन ने अपना 126वां मैच को बनाया यादगार

मॉर्गन रोजर्स ने पहले हाफ में इंग्लैंड को बढ़त दिलाई थी। हालांकि, एक घंटे का खेल पूरा होने से ठीक पहले पेटार सुसिक ने गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके पांच मिनट बाद केन ने पेनल्टी के जरिए गोल दागते हुए अपना 126वां मैच यादगार बना दिया। बाद में क्रोएशिया ने बराबरी करने की कोशिश की, लेकिन निकोला व्लासिक का शॉट थोड़ा बाहर चला गया, और एंटे बुदिमिर के शॉट को जैरेल क्वानसा ने एक अहम ब्लॉक के जरिए रोक दिया। मैच से पहले हैरी केन आकर्षण का केंद्र रहे। उन्होंने वेम्बली स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को अपनी बैलन डी'ओर ट्रॉफी दिखाई, जिसके बाद दर्शकों ने खड़े होकर इस ऐतिहासिक पल का सम्मान किया। 33 वर्षीय केन को पूर्व रिकॉर्डधारक पीटर शिल्टन और प्रिंस ऑफ वेल्स ने एक यादगार शर्ट भेंट की। इसके अलावा, क्रोएशियाई फुटबॉल महासंघ की ओर से लुका मोड्रिक (जो स्वयं पूर्व बैलन डी'ओर विजेता हैं) ने उन्हें एक विशेष उपहार दिया। वहीं दूसरी ओर, इजमिर में बेल्जियम ने तुर्की के खिलाफ 2-1 से शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की।

हेनरी ने झटके 6 विकेट, सीरीज में 2-1 से आगे भारत

न्यूजीलैंड की वनडे इतिहास में दूसरी सबसे बड़ी जीत

एजेंसी ▶▶| माउंट मोनगानुई

विल यंग के शानदार शतक के बाद मैट हेनरी ने स्टार खिलाड़ियों से सजी भारतीय बल्लेबाजी के परखच्चे उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी, जिससे न्यूजीलैंड ने चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शुक्रवार को 244 रन की रिकॉर्ड जीत हासिल करके श्रृंखला में शानदार वापसी की। भारत की रनों के लिहाज से यह दूसरी सबसे बड़ी पराजय है। इससे पहले श्रीलंका ने 2000 में शारजाह में उसे 245 रन से हराया था। न्यूजीलैंड की रनों के लिहाज से यह दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने आयरलैंड को 2008 में एबेरडीन में 290 रन से हराया था। भारत ने पांच मैच की श्रृंखला के पहले दो मैच जीते थे और इस तरह से वह अब 2-1 से आगे है। श्रृंखला का तीसरा मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था। श्रृंखला का पांचवा और अंतिम मैच रविवार को खेला जाएगा।

यंग ने खेली 125 रन की पारी

यंग ने दो जीवनदान का फायदा उठाकर 108 गेंद पर 125 रन की पारी खेली। उन्हें उनके सलामी जोड़ीदार टिम सीफर्ट (48 गेंद पर 58 रन) और फिन एलन (41) का अच्छा साथ मिला, जिससे न्यूजीलैंड ने निर्धारित 50 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 333 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम 26.4 ओवर में 89 रन पर ढेर हो गई। यह वनडे में आठवां अवसर है जबकि भारतीय टीम 100 से कम रन पर आउट हो गई। हेनरी ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 27 रन देकर 6 विकेट लिए। मैथ्यू फिशर (31 रन देकर 3 विकेट) ने भी अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए उनका अच्छा साथ दिया।



भारत ने खाता खोले बिना गंवाए तीन विकेट

नियमित कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल के बिना खेल रहे भारतीय बल्लेबाजों के पास तेजी से उठती गेंदों का कोई जवाब नहीं था। भारत की शुरुआत भयावह रही, जिससे वह उबर नहीं पाया। हेनरी ने पहले ओवर में ही रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर के विकेट लेकर भारतीय खेमे में खलबली मचा दी। तब भारत ने खाता भी नहीं खोला था। यह वनडे में पहला अवसर है जबकि भारत ने खाता खोले बिना तीन विकेट गंवाए। वनडे क्रिकेट में कुल मिलाकर पांचवीं बार ऐसा हुआ है। रोहित का खराब प्रदर्शन जारी रहा। उन्होंने पारी की पहली गेंद पर पहली स्लिप में आसान कैच दिया। हेनरी ने इसके बाद चौथी गेंद पर कोहली को चकमा देकर बोल्ड किया और अगली गेंद पर अय्यर को एलबीडब्ल्यू आउट किया, जिसके लिए न्यूजीलैंड ने डीआरएस का सहारा लिया था।

यंग और सीफर्ट ने दी शानदार शुरुआत

इससे पहले बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच पर यंग और सीफर्ट ने 12 ओवरों में 85 रन जोड़कर न्यूजीलैंड को शानदार शुरुआत दी। इस साझेदारी में सीफर्ट ने अहम भूमिका निभाई और 41 गेंदों में अपना पहला वनडे अर्धशतक पूरा किया। भारतीय गेंदबाजों में अक्षर पटेल ने प्रभावित किया। उन्होंने शानदार लाइन पर गेंदबाजी करते हुए 10 ओवरों में सिर्फ 39 रन दिए तथा निक केली और फिन एलन के विकेट लिए। लेकिन अन्य दो स्पिनरों कुलदीप यादव (8 ओवर में 73 रन) और नमन धीर (4 ओवर में 29 रन देकर एक विकेट) ने जमकर रन लुटाए।

खबर संक्षेप



आईजीपीएल के चैंपियन बने गगनजीत भुल्लर

हैदराबाद। अनुभवी गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने एक बार फिर अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए शुक्रवार को फीनिक्स इनविटेशनल हैदराबाद में प्लेऑफ मुकाबले में युवा खिलाड़ी राघव चुग को हराकर अपना सातवां इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) खिताब जीत लिया। यह इस सत्र में भुल्लर की चौथी जीत और लगातार दूसरा प्लेऑफ खिताब है। इससे पहले उन्होंने पिछले सप्ताह वूटी गोल्फ काउंटी में भी प्लेऑफ मुकाबला जीतकर खिताब अपने नाम किया था। भुल्लर ने विमट्रा चेन्नई लायंस गोल्फ क्लब के 16वें और 17वें होल पर लगातार बर्डी लगाकर अपना स्कोर 14-अंडर तक पहुंचा दिया।

सिंगापुर क्लासिक स्क्वाश : क्वार्टर फाइनल में सूरज चंद



नई दिल्ली। भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी सूरज चंद ने दूसरे दौर में बेंजामिन रैटक्लिफ को सीधे गेम में हराकर सिंगापुर क्लासिक के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। छठी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने इस पीएसए चैलेंजर प्रतियोगिता में अपने ऑस्ट्रेलियाई प्रतिद्वंद्वी को 11-6, 11-4, 11-4 से हराया। सूरज अगस्त में विश्व विश्वविद्यालय चैंपियन बने थे। सूरज का सामना अब मलेशिया के विश्व में 60वें नंबर के खिलाड़ी संजय जीवा से होगा, जिन्होंने दूसरे दौर में ओम सेमवाल को 11-9, 11-9, 11-8 से हराया था।

कुमामोतो मास्टर्स : सेमीफाइनल में लक्ष्य, बाहर हुए श्रीकांत

एजेंसी ▶▶| कुमामोतो

लक्ष्य सेन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को कुमामोतो मास्टर्स जापान सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया लेकिन किदांबी श्रीकांत एक बार फिर उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे और सीधे गेम में हारकर से बाहर हो गए। विश्व के 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने 40 मिनट तक चले क्वार्टरफाइनल मैच में जापान के युशी तनाका को 21-16, 21-15 से पराजित किया। इस भारतीय खिलाड़ी के लिए यह जीत बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्हें चीन में होने वाले सत्र के आखिरी टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने के लिए बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर रैंकिंग के शीर्ष आठ में जगह बनानी होगी। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला छठी वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई खिलाड़ी अल्वी फरहान से होगा।



श्रीकांत निरंतरता बनाए रखने में नाकाम

श्रीकांत एक बार फिर अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने में नाकाम रहे। पहले गेम में उन्होंने अपने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा लेकिन दूसरे गेम में वह अच्छी बढ़त का फायदा नहीं उठा पाए और जापान के कोकी वातानाबे से 22-24, 15-21 से हार गए। भारतीय खिलाड़ी ने गुरुवार को कोडाई नाराओका को हराया था लेकिन वातानाबे के खिलाफ वह अपनी इस लय को बरकरार नहीं रख पाए। श्रीकांत ने पहला गेम करीबी अंतर से गंवाने के बाद दूसरे गेम में 12-5 की बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद उन्होंने कई गलतियां की, जिसका उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा। वातानाबे ने अंतिम 19 में से 16 अंक जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की।

लालरेमसियामी बनीं मिजोरम की पहली अर्जुन पुरस्कार विजेता



आइजोल। भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी लालरेमसियामी प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करने वाली मिजोरम की पहली खिलाड़ी बन गईं। छब्बीस वर्षीय लालरेमसियामी उन 17 खिलाड़ियों में शामिल थीं, जिन्हें खेल मंत्रालय ने 18 अगस्त को अर्जुन पुरस्कार 2025 के लिए चुना था। शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें औपचारिक रूप से यह सम्मान प्रदान किया। मिजोरम के उत्तरी हिस्से में असम की सीमा से सटे कोलासिब जिले की रहने वाली लालरेमसियामी ने कम उम्र में ही हॉकी खेलना शुरू कर दिया था। वर्ष 2011 में 11 साल की उम्र में उन्होंने थेनजॉल स्थित राज्य सरकार की हॉकी अकादमी में दाखिला लिया। इसके बाद 2016 में वह नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय हॉकी अकादमी में शामिल हो गईं। लालरेमसियामी ने अक्टूबर 2011 में जूनियर नेहरू हॉकी टूर्नामेंट से राष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया। बाद में 2016 में एशिया कप के लिए उनका चयन भारत की अंडर-18 टीम में हुआ।

डेब्यू में बियर्डमैन ने झटके 6 विकेट

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को दी 7 विकेट से मात

एजेंसी ▶▶| पर्थ

युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन ने अपने वनडे पदार्पण मैच में 6 विकेट लेकर इतिहास रचा, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैचों की श्रृंखला के पहले मुकाबले में इंग्लैंड को 7 विकेट से शिकस्त दी। बियर्डमैन ने 24 रन देकर 6 विकेट झटके और वनडे पदार्पण पर ऑस्ट्रेलिया के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करने वाले



गेंदबाज बन गए। उनकी शानदार गेंदबाजी के बाद कप्तान मिचेल मार्श की तूफानी बल्लेबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 159 गेंद शेष रहते एकतरफा जीत दर्ज की।

इंग्लैंड की पूरी टीम 131 रन पर सिमटी

इक्कीस वर्षीय बियर्डमैन ने अपने आठवें गेंद पर पहला वनडे विकेट हासिल किया और इसके बाद इंग्लैंड के शीर्ष बल्लेबाजों को एक के बाद एक पवेलियन भेजते रहे। उन्हें स्पेंसर जॉनसन (तीन विकेट) और जेवियर बार्टलेट (एक विकेट) का अच्छा साथ मिला, जिससे इंग्लैंड की पूरी टीम 34 ओवर से पहले ही महज 131 रन पर सिमट गई।

निशानेबाजी विश्व चैंपियनशिप में भारत को मिले 13 पदक

एजेंसी ▶▶| दोहा

भारत ने आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में कुल 13 पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया, जिसमें दो स्वर्ण, सात रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं। दो मिश्रित ट्रैप टीम का शुक्रवार को प्रदर्शन निराशाजनक रहा। विवान कपूर और मनीषा कीर की जोड़ी 134 के संयुक्त स्कोर के साथ 21वें स्थान पर रहीं जबकि जोरावर सिंह



संधू और नीरू धांडा की जोड़ी 132 अंकों के साथ 32वें स्थान पर रहीं। इस स्पर्धा में कुल 48 टीम ने हिस्सा लिया था।

हरमनप्रीत कौर का वैक्स स्टेच्यू स्थापित, बोलीं- 'यह गर्व का पल'



जयपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जयपुर में अपने वैक्स स्टेच्यू (मोम के पुतले) का अनावरण किया और इसे अपने लिए गर्व का पल बताया। नाहरगढ़ के 'हिस्टॉरिका म्यूजियम' की ओर से तैयार किए गए इस 'वैक्स स्टेच्यू' को अब आम लोगों के लिए प्रदर्शित किया जाएगा। इस अवसर पर हरमनप्रीत ने कहा कि यह उनके लिए गर्व का पल है। उन्होंने पहली बार अपने इस 'पुतले' को देखा और इसे बनाने वाले लोगों का आभार जताया। आयोजकों के अनुसार हरमनप्रीत की उपलब्धियों को सम्मान देने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। गौरतलब है कि हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने नवंबर 2025 को महिला एक दिवसीय विश्व कप का खिताब जीता था। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद जयपुर वैक्स म्यूजियम ने उनका मोम का पुतला बनाने की घोषणा की थी।

विश्व चैंपियनशिप टूर: अर्जुन ने बिबिसारा को दी मात

शुरुआती झटके से उबरे एरिगैसी, वापसी कर की बराबरी

एजेंसी ▶▶| बुडापेस्ट

भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी को टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर पायलट की फास्ट क्लासिकल प्रतियोगिता में कम रेटिंग वाली बिबिसारा असाउबायेवा से पहली बाजी में हार का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने दूसरी बाजी में कजाकिस्तान की इस खिलाड़ी को हराकर शानदार वापसी की।

प्रज्ञाननंदा और आर वैशाली की भाई बहन की जोड़ी के लिए गुरुवार का दिन निराशाजनक रहा क्योंकि उन्हें अपने दोनों मैच में हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञाननंदा, जहां फैबियानो कारुआना से हार गए, वहीं वैशाली को हैंस नीमन ने हराया।



कारुआना की आसान जीत

वैशाली एक ड्रॉ और तीन हार के साथ ग्रुप डी में सबसे निचले पायदान पर है। प्रज्ञाननंदा ग्रुप बी में कारुआना से अपने दोनों मैच हार गए। कारुआना ने सफेद मोहरों से खेलते हुए प्रज्ञाननंदा के रक्षण में सेंध लगाने के लिए एक मोहरा कुर्बान किया और आसानी से जीत हासिल कर ली। इसके बाद उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए भी जीत दर्ज की। प्रज्ञाननंदा के अब केवल दो अंक है और वह ग्रुप में सबसे अंतिम स्थान पर हैं जबकि दो जीत से कारुआना के 10 अंक हो गए हैं, जो ग्रुप में दूसरे स्थान पर काबिज लिएम ले से दो अंक अधिक हैं।

कार्लसन को जीत का इंतजार

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को फास्ट क्लासिकल में पहली जीत का इंतजार है क्योंकि ग्रुप सी में किशोर ग्रैंडमास्टर अभिमन्यु मिश्रा ने उन्हें दोनों मैच में ड्रॉ पर रोक दिया। कार्लसन ने अब तक अपने सभी चार फास्ट क्लासिकल मैच ड्रॉ किए हैं और उनके चार अंक हैं, जबकि मिश्रा के तीन अंक हैं।



बदमाशों पर भारी पुलिस!..

गंभीर अपराधों में गिरावट प्रतिबंधात्मक कार्रवाई में तेजी

नशे के खिलाफ जागरूकता से लेकर कानफोड़ डीजे पर ताबड़तोड़ कार्रवाई, बलात्कार-पॉक्सो में 32 और हत्या के प्रयास में 16 प्रतिशत कमी, जिला बदर और एनएसए की कार्रवाई ने बढ़ाया बदमाशों में कानून का खौफ

शुभम शुक्ला

जबलपुर। अपराधियों के हौसले तोड़ना और आम नागरिक के मन में सुरक्षा का भरोसा कायम करना पुलिस की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। जब अपराध करने से पहले बदमाशों को कानून की कार्रवाई का डर सताने लगे और महिलाओं से लेकर बच्चों तक की सुरक्षा को लेकर पुलिस की सक्रियता जमीन पर दिखाई दे, तब कानून व्यवस्था की मजबूती का एहसास होता है। जबलपुर में पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के नेतृत्व में अपराध नियंत्रण की रणनीति अब केवल वारदात के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि अपराध की आशंका को खत्म करने, असामाजिक तत्वों की घेराबंदी और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ अभियान चलाने पर भी जोर दिया जा रहा है। इसका असर गंभीर अपराधों के तुलनात्मक आंकड़ों और पुलिस की बढ़ती प्रतिबंधात्मक कार्रवाई में दिखाई दे रहा है।



महिलाओं-बच्चों से जुड़े अपराधों में गिरावट

30 सितंबर तक के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2025 की तुलना में वर्ष 2026 में बलात्कार एवं पॉक्सो एक्ट के प्रकरणों में 32 प्रतिशत की कमी आई है। पिछले वर्ष इस अवधि में 143 मामले दर्ज हुए थे, जबकि इस वर्ष संख्या घटकर 97 रह गई। छेड़छाड़ एवं पॉक्सो से जुड़े मामले भी 182 से घटकर 168 हुए हैं। इसी तरह हत्या के प्रयास के प्रकरण 155 से घटकर 130 रह गए, जो 16 प्रतिशत की गिरावट दर्शाते हैं। चोरी के मामले भी 200 से घटकर 195 हुए, जबकि धारा 327 भादवि एवं 119(1) बीएनएस के तहत दर्ज प्रकरण 641 से घटकर 581 रह गए।

जिला बदर-एनएसए से बदमाशों की घेराबंदी

पुलिस की रणनीति का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू अपराधियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई है। आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई 5092 से बढ़कर 5429 हो गई। धारा 110 जाफौ./129 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई 3900 से बढ़कर 4047 पहुंच गई। आदतन और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध जिला बदर की कार्रवाई 238 से बढ़ाकर 260 की गई। वहीं राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कार्रवाई में 46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। पिछले वर्ष 13 के मुकाबले इस वर्ष 19 प्रकरणों में कार्रवाई की गई। पुलिस का मकसद साफ है कि जो तत्व शहर की शांति भंग करने की कोशिश करें, उन्हें समय रहते कानून की ताकत का एहसास कराया जाए।

नशे के खिलाफ मैदान में पुलिस

अपराध नियंत्रण के साथ युवाओं को नशे की गिरफ्त से दूर रखने के लिए भी पुलिस ने जागरूकता की मुहिम को प्राथमिकता दी है। नशे के दुष्परिणामों से युवाओं और विद्यार्थियों को अवगत कराने, उन्हें नशे से दूरी बनाने के लिए प्रेरित करने तथा समाज को इस मुहिम से जोड़ने के प्रयास किए गए। पुलिस की यह पहल इस सोच को सामने लाती है कि अपराध होने के बाद कार्रवाई करना जरूरी है, लेकिन युवाओं को अपराध और नशे की दुनिया में पहुंचने से रोकना उससे भी बड़ी जिम्मेदारी है।

नवरात्र में डीजे पर हुई सख्ती

त्योहारों के दौरान धार्मिक आस्था और आम नागरिकों की सुविधा के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए भी पुलिस ने सख्त रुख अपनाया। नवरात्रि के दौरान निर्धारित ध्वनि सीमा और नियमों की अनदेखी कर कानफोड़ आवाज में डीजे बजाने वाले संचालकों के विरुद्ध ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई। पुलिस की इस सक्रियता ने स्पष्ट संदेश दिया कि धार्मिक आयोजनों की आड़ में नियमों की अनदेखी और आम लोगों की परेशानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कानून सबके लिए समान है, चाहे मामला अपराधियों का हो या नियम तोड़ने वालों का।

कप्तान की रणनीति, थाना स्तर तक जवाबदेही

अपराधों की नियमित समीक्षा, बदमाशों की निगरानी, संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की सक्रियता और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई को प्राथमिकता देकर जिलेभर में कानून व्यवस्था मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। राजपत्रित अधिकारियों से लेकर थाना प्रभारियों तक को अपराध नियंत्रण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश हैं। गंभीर अपराधों में गिरावट के साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े अभियानों और नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई ने पुलिस की कार्यप्रणाली के कई पहलुओं को सामने रखा है।

आम नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करे

जबलपुर पुलिस की प्राथमिकता अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के साथ आम नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास कायम रखना है। महिला एवं बच्चों के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम, आदतन अपराधियों पर सख्त वैधानिक कार्रवाई और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। त्योहारों के दौरान भी नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। सभी अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश हैं कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के साथ सख्ती बरती जाए। हमारा उद्देश्य है कि अपराधियों में कानून का भय रहे और आम नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करें।

-संपत उपाध्याय, पुलिस कप्तान, जबलपुर

हाईकोर्ट ने मुआवजे की अपील खारिज की

दूसरे वाहन को हादसे में फंसाने की आशंका, बीमा कंपनी अधिकारी और वकील की होगी जांच

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने सड़क दुर्घटना में मौत के बाद मुआवजे की मांग को लेकर दाखिल अपील में गंभीर अनियमितताओं पर सवाल उठाते हुए दावा खारिज कर दिया। कोर्ट ने दूसरे वाहन को जानबूझकर दुर्घटना में फंसाने की आशंका जताई। साथ ही नेशनल इंश्योरेंस कंपनी के डिविजनल मैनेजर आरएस परिहार और कंपनी के अधिवक्ता सागर स्वरूप रावत के विरोधाभासी बयानों पर नाराजगी जाहिर की। जस्टिस विवेक अग्रवाल की सिंगल बेंच ने कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर को दोनों के आचरण और भूमिका की जांच कराने के निर्देश दिए।

मामला छतरपुर निवासी कांति रजक और उनके बच्चों की अपील से जुड़ा है। उनके पति दयाचंद रजक की 25 अक्टूबर 2020 को टीकमगढ़ में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। परिवार ने मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में मुआवजे की मांग की थी, लेकिन अधिकरण ने 21 सितंबर 2021 को दावा खारिज कर दिया। इसके बाद पत्नी और बच्चों ने हाईकोर्ट में अपील की। सुनवाई में सामने आया कि दुर्घटना 25 अक्टूबर को हुई, पुलिस को सूचना 25 नवंबर को दी गई और एफआइआर एक दिसंबर 2020 को दर्ज हुई। करीब एक महीने की देरी ने दुर्घटना की वास्तविक परिस्थितियों और साक्ष्यों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए। हाईकोर्ट ने पाया कि एफआइआर में मुकेश और विनोद नाम के दो चश्मदीदों का उल्लेख था, जो मृतक के सगे भाई थे। इसके बावजूद दोनों को अदालत में गवाही के लिए पेश नहीं किया गया। इसके बजाय राम सिंह को गवाह बनाया गया। उसने मृतक को पहले से जानने का दावा किया, लेकिन दुर्घटना के तत्काल बाद किसी को सूचना नहीं दी। एक अन्य विरोधाभास यह था कि मृतक का भाई मुकेश कथित तौर पर घटना के समय उसके साथ था, फिर भी शुरुआत में अज्ञात वाहन के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई गई। कोर्ट ने इन परिस्थितियों में राम सिंह की गवाही संदिग्ध मानते हुए उसे प्लांटेड विटनेस यानी गढ़ा हुआ गवाह बताया। दूसरे वाहन को जानबूझकर दुर्घटना में फंसाने की आशंका भी जताई। सुनवाई के दौरान नेशनल इंश्योरेंस कंपनी के डिविजनल मैनेजर आरएस परिहार और कंपनी के अधिवक्ता सागर स्वरूप रावत के बयानों में विरोधाभास सामने आए। हाई कोर्ट ने मामले में जल्दबाजी और आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए जाने पर भी गंभीर चिंता जताई। कोर्ट ने कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर को निर्देश दिए कि वे डिविजनल मैनेजर और अधिवक्ता की भूमिका व आचरण की जांच कराएं। कोर्ट ने अपील खारिज कर दी।

जयनगर–एलटीटी के बीच दो-दो ट्रिप चलेगी स्पेशल ट्रेन

जबलपुर। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पूर्व मध्य रेल द्वारा जयनगर और लोकमान्य तिलक टर्मिनस के बीच 2-2 ट्रिप पूजा स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। पश्चिम मध्य रेल के सतना, कटनी, जबलपुर एवं इटारसी स्टेशनों पर इसका ठहराव रहेगा। गाड़ी संख्या 05535 जयनगर-एलटीटी स्पेशल 17 एवं 24 नवंबर को जयनगर से रात 11:50 बजे रवाना होगी। यह जबलपुर अगले दिन रात 10:20 बजे पहुंचकर 10:30 बजे रवाना होगी। इटारसी तीसरे दिन सुबह 3:40 बजे पहुंचेगी और गुरुवार शाम 5:15 बजे एलटीटी पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 05536 एलटीटी-जयनगर स्पेशल 19 एवं 26 नवंबर को एलटीटी से शाम 7 बजे रवाना होगी। जबलपुर अगले दिन दोपहर 12 बजे पहुंचकर 12:10 बजे प्रस्थान करेगी। इटारसी सुबह 8 बजे तथा कटनी दोपहर 2 बजे पहुंचेगी। शनिवार दोपहर 1:50 बजे जयनगर पहुंचेगी। ट्रेन का ठहराव मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, हाजीपुर, पाटलिपुत्र, दानापुर, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर, सतना, कटनी, जबलपुर, इटारसी, खंडवा, भुसावल, नासिक रोड, कल्याण एवं ठाणे सहित विभिन्न स्टेशनों पर रहेगा। ट्रेन में वातानुकूलित, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी के कुल 22 कोच होंगे।



हाईकोर्ट से अपील खारिज, 4.6 हेक्टेयर जमीन की बिक्री को दी थी चुनौती

मौखिक बयानों से संपत्ति का पुश्तैनी होना प्रमाणित नहीं, तीन पीढ़ियों का रिकार्ड आवश्यक

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि केवल मौखिक बयानों से संपत्ति का पुश्तैनी होना प्रमाणित नहीं होता। इसके लिए तीन पीढ़ियों का दस्तावेजी रिकार्ड आवश्यक है। जस्टिस प्रणय वर्मा की सिंगल बेंच ने छिंदवाड़ा जिले में 4.6 हेक्टेयर जमीन की बिक्री को चुनौती देने वाले भाई-बहन की अपील खारिज कर दी। उनका आरोप था कि पिता ने शराब के नशे में बिना कोई भुगतान प्राप्त किए परिवार की पुश्तैनी जमीन बेच दी थी। बेंच ने पाया कि अपीलकर्ता न तो जमीन के पुश्तैनी होने का पर्याप्त दस्तावेजी प्रमाण दे सके और न ही रजिस्ट्री के समय पिता के नशे में होने का आरोप साबित कर पाए।

मामला नागपुर की सावली तहसील निवासी सचिन मोहतकर और छिंदवाड़ा निवासी उनकी बहन अरुणा से संबंधित है। दोनों का दावा था कि छिंदवाड़ा जिले की सौंसर तहसील के ग्राम गोडीबडोना में उनके परिवार की 4.6 हेक्टेयर पुश्तैनी जमीन थी। आरोप



लगाया कि उनके पिता नारायण राव ने 14 मई, 2008 को शराब के नशे में बिना कोई राशि प्राप्त किए यह जमीन नागपुर निवासी अब्दुल हकीम और पवन जामदार को बेच दी थी। बिक्री को चुनौती देने वाली उनकी अपील अधीनस्थ अदालत ने दो मार्च 2020 को खारिज कर दी थी। इसके बाद भाई-बहन ने हाईकोर्ट में अपील की। सुनवाई के दौरान सब-रजिस्ट्रार पीएल बघेल की गवाही महत्वपूर्ण रही। उन्होंने अधीनस्थ अदालत में बताया था कि नारायण राव ने पूरी तरह होश-हवास में विक्रय दस्तावेज निष्पादित किए थे। दस्तावेजों की वैधता और विक्रेता की स्थिति से संतुष्ट होने के बाद ही रजिस्ट्री की गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया था कि विक्रेता शराब के नशे में होता तो वे दस्तावेजों का पंजीयन नहीं करते। हाईकोर्ट ने इस गवाही पर भरोसा जताते हुए नशे में रजिस्ट्री कराने का आरोप स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि केवल मौखिक बयानों के आधार पर किसी संपत्ति को पुश्तैनी घोषित नहीं किया जा सकता। इसके लिए ऐसे ठोस दस्तावेजी साक्ष्य जरूरी हैं, जिनसे संपत्ति के तीन पीढ़ियों से परिवार के पास रहने की पुष्टि हो सके। अपीलकर्ता ऐसा कोई पर्याप्त रिकार्ड प्रस्तुत नहीं कर सके। अदालत ने माना कि विक्रय राशि प्राप्त नहीं होने की शिकायत मूल रूप से विक्रेता को ही करनी थी। बच्चों को इस आधार पर स्वतंत्र रूप से आपत्ति उठाने का कानूनी अधिकार नहीं बनता।

हाईकोर्ट ने आपराधिक अपील खारिज की, पति को 10 और ससुर को दो साल का कठोर कारावास

दहेज प्रताड़ना और विवाहिता की मौत के मामले में पति-ससुर की सजा बरकरार

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने दहेज प्रताड़ना और विवाहिता की अस्वाभाविक मौत के मामले में पति और ससुर की दोषसिद्धि व सजा बरकरार रखते हुए उनकी आपराधिक अपील निरस्त कर दी है। जस्टिस देवनारायण मिश्रा की सिंगल बेंच ने फैसले में सत्र न्यायालय के निर्णय को उचित ठहराया।

मामले के अनुसार, छतरपुर निवासी विमलेश कुशवाहा का विवाह जाहार कुशवाहा से हुआ था। विवाह के करीब छह माह बाद 19 जुलाई 2016 को विमलेश ने हेयर डाई में मौजूद जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल छतरपुर, मिशन अस्पताल और फिर ग्वालियर मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया, जहां दो अगस्त 2016 को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका के पिता और परिजनों ने आरोप लगाया था कि पति और ससुर 50 हजार रुपये दहेज की मांग को लेकर विमलेश को प्रताड़ित करते थे। इसी प्रताड़ना से परेशान होकर उसने जहरीला पदार्थ सेवन किया था। प्रकरण की सुनवाई के बाद सत्र न्यायालय छतरपुर ने 24 नवंबर 2021 को पति को धारा 304-बी के तहत 10 वर्ष तथा धारा 498-ए के तहत दो वर्ष के कठोर कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई थी। इस फैसले को चुनौती देते हुए दोनों आरोपियों ने हाई कोर्ट में अपील दायर की। बचाव पक्ष ने आरोपों को झूठा बताते हुए एफआईआर में देरी और गवाहों के बयानों में विरोधाभास का आधार लिया। हाईकोर्ट ने साक्ष्यों और गवाहों के बयानों का परीक्षण करने के बाद दहेज प्रताड़ना के आरोप प्रमाणित पाए और अधीनस्थ अदालत के फैसले में हस्तक्षेप से इनकार करते हुए अपील खारिज कर दी।

ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी भर्ती का मामला, राज्य शासन और कृषि विभाग से जवाब तलब

ईडब्ल्यूएस के 444 पद घटाकर 37 करने को हाईकोर्ट में चुनौती

जबलपुर। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के पदों पर भर्ती के लिए निर्धारित आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) की 444 सीटों को घटाकर 37 किए जाने को मप्र हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने प्रारंभिक सुनवाई के बाद राज्य शासन और कृषि विभाग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। यह याचिका सतना निवासी शुभेन्द्र तिवारी की ओर से दायर की गई है। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि कृषि विभाग ने तीन जुलाई 2026 को ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के 2784 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। इसमें ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए 444 पद आरक्षित किए गए थे। आरोप है कि आवेदन की अंतिम तिथि 17 जुलाई को ही शाम के समय परिपत्र जारी कर ईडब्ल्यूएस के निर्धारित पदों की संख्या घटाकर महज 37 कर दी गई। इस बदलाव से याचिकाकर्ता के हित प्रभावित हुए हैं। प्रारंभिक सुनवाई के बाद कोर्ट ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया।





हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240